THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 51 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.6/7 2083 शुक्रवार, 22 मई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

बंगाल के मदरसों में वंदे मातरम गाना अनिवार्य

कोलकाता, 21 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग के तहत आने वाले सभी मदरसों में 'वंदे मातरम' गाना अनिवार्य कर दिया है। यह आदेश 19 मई को जारी किया गया। जानकारी गुरुवार को सामने आई। सरकार के आदेश के मुताबिक, यह नियम सरकारी मॉडल मदरसों, सरकारी सहायता प्राप्त और बिना सहायता प्राप्त मदरसों पर तुरंत लागू होगा। नए आदेश के बाद अब क्लास शुरू होने से पहले सुबह की प्रार्थना सभा (असेंबली) में वंदे मातरम गाना जरूरी होगा। इससे पहले मदरसों में सुबह की प्रार्थना के दौरान राष्ट्रगान 'जन गण मन' और कवि गुलाम मुस्तफा की 'अनंत असीम प्रेममय तुमी' (बांग्ला गीत) गाया जाता था।

श्रमिकों के न्यूनतम वेतन में बड़ा इजाफा

> मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के न्यूनतम वेतन में किए गए महत्वपूर्ण संशोधन की घोषणा की

> बीजेपी और विपक्ष पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का तीखा हमला

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सचिवालय में आयोजित मीडिया सम्मेलन में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने राज्य सरकार द्वारा श्रमिकों के न्यूनतम वेतन में किए गए महत्वपूर्ण संशोधन की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार की लापरवाही के कारण लगभग 1.11 करोड़ श्रमिक प्रभावित हुए थे, लेकिन वर्तमान सरकार ने उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के नेतृत्व में कैबिनेट सब-कमेटी गठित कर विस्तृत विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि श्रमिकों को चार श्रेणियों अकुशल, अर्ध-कुशल, कुशल और अत्यधिक कुशल में विभाजित किया गया है। साथ ही क्षेत्रों को तीन जोनों में बांटा गया है, जिसमें जोन-1 में नगर निगम, जोन-2 में नगरपालिकाएं और जोन-3 में ग्रामीण क्षेत्र शामिल हैं। इस नई व्यवस्था के तहत न्यूनतम वेतन में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। सरकार के अनुसार अकुशल श्रमिकों का न्यूनतम वेतन 12,750 से बढ़ाकर 16,000 रुपए किया गया है। अर्ध-कुशल श्रमिकों का वेतन 13,152 से बढ़ाकर 17,000, कुशल श्रमिकों का 13,772 से बढ़ाकर 18,500 तथा अत्यधिक कुशल श्रमिकों का वेतन 14,607 से बढ़ाकर 20,000 किया गया है। यह निर्णय 1 जून 2026 से लागू होगा और इससे राज्य के लगभग 1.11 करोड़ श्रमिकों को लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय तेलंगाना राज्य गठन के बाद श्रमिक कल्याण के लिए सबसे महत्वपूर्ण कदमों में से एक है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने जिम्मेदारी के साथ श्रमिकों के हित में यह फैसला लिया है, जबकि पिछली सरकार ने इस दिशा में पर्याप्त कार्य नहीं किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि केवल आईटी या अमेरिका की सोच तक सीमित न रहें, बल्कि तकनीकी कौशल विकसित करें। उन्होंने कहा कि जर्मनी, जापान और सिंगापुर जैसे देशों में कुशल युवाओं के लिए बड़े अवसर हैं।

राज्य सरकार इसी उद्देश्य से स्किल्स यूनिवर्सिटी की स्थापना कर रही है, ताकि युवाओं को रोजगार और कौशल आधारित अवसर मिल सकें। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने केंद्र की बीजेपी सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आरोप लगाते हुए कहा कि वे जनता की समस्याओं और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों को राजनीतिक दृष्टिकोण से देखते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव समाप्त होते ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर मुद्दे को दीर्घकालिक दृष्टि से देखती है और इसी कारण श्रमिकों के न्यूनतम वेतन में वृद्धि का निर्णय लिया गया है।

बीआरएस नेता केटीआर पर परोक्ष रूप से निशाना

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में धान खरीद प्रक्रिया लगभग 80 प्रतिशत पूरी हो चुकी है और शेष 20 प्रतिशत कार्य भी जल्द पूरा कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने विपक्षी दल बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह किसानों के मुद्दे पर राजनीति और शव राजनीति करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष वास्तव में किसानों के हित में है तो उसे सरकार को सुझाव और सहयोग देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि केटी रामाराव के परिवार से जुड़े मामलों में और अन्य आरोपों पर पुलिस ने कानून के अनुसार कार्रवाई की है।

मुख्यमंत्री ने जातिगत गणना (कुलगणना) को लेकर बयान देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर और बीआरएस नेता केटीआर पर परोक्ष रूप से निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने कहा कि केटीआर अभी भी कल्वाकुंटा संविधान में जी रहे हैं और यह समझने की जरूरत है कि केसीआर अब मुख्यमंत्री पद से हट चुके हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब राज्य में इतने बड़े घटनाक्रम हो रहे हैं तो पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर पार्टी बैठकों के लिए जगतियाल जाने के बावजूद सार्वजनिक रूप से प्रतिक्रिया क्यों नहीं दे रहे हैं।

इबोला को लेकर भारत में हाई अलर्ट!

> स्वास्थ्य मंत्रालय ने लागू किए सख्त स्क्रीनिंग नियम

> होगी विदेशों से आने वालों की जांच

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। अफ्रीकी देशों में फैल रहे इबोला वायरस के प्रकोप को देखते हुए भारत सरकार पूरी तरह सतर्क हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत आने वाले महानिदेशालय स्वास्थ्य सेवा (डीजीएचएस) ने विदेशों, विशेषकर इबोला प्रभावित देशों जैसे कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान से आने वाले यात्रियों के लिए एयरपोर्ट्स पर सख्त स्क्रीनिंग और निगरानी नियम लागू कर दिए हैं।

हालांकि स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि भारत में अब तक इबोला का एक भी मामला सामने नहीं आया है, और यह कदम केवल एहतियात के तौर पर उठाया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एयरपोर्ट, पोर्ट और देश के सभी एंट्री पॉइंट्स पर स्क्रीनिंग प्रोटोकॉल जारी किए हैं। यह कदम उन यात्रियों के लिए उठाया गया है जो हाई-रिस्क देशों से भारत आ रहे हैं या वहां से ट्रांजिट होकर आ रहे हैं।

इन देशों से आने वाले यात्रियों पर खास नजर होगी :

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने खास तौर पर डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआर कंगो), युगांडा और साउथ सूडान से आने वाले यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इन देशों से आने या वहां से होकर यात्रा करने वाले लोगों को अगर बुखार, कमजोरी, थकान, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, उल्टी, दस्त, गले में खराश या बिना वजह ब्लीडिंग जैसे लक्षण महसूस हों, तो उन्हें इमिग्रेशन चेक से पहले एयरपोर्ट हेल्थ ऑफिसर या हेल्थ डेस्क पर रिपोर्ट करने को कहा गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि जिन लोगों का संपर्क इबोला संक्रमित या संदिग्ध मरीज के खून या शरीर के तरल पदार्थों से हुआ हो, उन्हें भी तुरंत एंट्री पॉइंट पर मौजूद स्वास्थ्य अधिकारियों को इसकी जानकारी देनी चाहिए। यह सभी कदम केवल एहतियात के तौर पर उठाए गए हैं।

एडवाइजरी में यात्रियों से स्वास्थ्य जांच और सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों में सहयोग करने की अपील की गई है।

पुलवामा आतंकी हमले के मास्टरमाइंड की पीओके में हत्या

अज्ञात हमलावर ने हमजा बुरहान को मारी गोली

इस्लामाबाद, 21 मई (एजेंसियां)। पुलवामा आतंकी हमले के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक हमज़ा बुरहान की पीओके में अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी। पुलवामा हमले में भारत के 40 जवान शहीद हो गये थे। रिपोर्ट के मुताबिक 2019 के पुलवामा हमले के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक जिसमें 40 से ज्यादा सीआरपीएफ जवान शहीद हो गए थे उसे पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर (पीओके) में कुछ अज्ञात बंदूकधारियों ने मार गिराया है। 'डॉक्टर' के नाम से मशहूर हमजा बुरहान पर मुजफ्फराबाद में हमला हुआ था और उसके शरीर को गोलियों से छलनी कर दिया गया था। पुलवामा का रहने वाला बुरहान जिसका असली नाम अर्जुमंद गुलज़ार डार है उसे केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 2022 में आतंकवादी घोषित किया था। हमजा बुरहान को पीओके के मुजफ़्फ़राबाद के पास एक घने जंगली इलाके में अज्ञात हमलावरों ने निशाना बनाया गया है। हमलावरों ने उस पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं थीं जिससे कई गोलियां लगने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वह पिछले कई सालों से पीओके में एक स्कूल टीचर का फर्जी पहचान के साथ रह रहा था। इसी आड़ में वह आतंकी ट्रेनिंग कैंप और घुसपैठ के नेटवर्क चला रहा था। इसका असली नाम अर्जुमंद गुलज़ार डार था। वह मूल रूप से जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले के रत्नीपोरा का रहने वाला था।

'आर्थिक नीतियों में बड़े बदलाव की जरूरत'

> कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर बोला तीखा हमला

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति पर चिंता जताई है। पार्टी का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अर्थव्यवस्था पर नए ज्ञान की जरूरत है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने तंज कसते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री 'ज्ञानेश' (मुख्य चुनाव आयुक्त) के जरिए चुनाव मैनेज कर रहे हैं, लेकिन आर्थिक मोर्चे पर उन्हें नए ज्ञान की जरूरत है। उन्होंने कहा हमें इकोनॉमिक पॉलिसी बनाने में बड़े बदलाव की जरूरत है, लेकिन मोदी सरकार के पास आइडिया खत्म हो गए हैं। अब तो सरकार के समर्थक भी सार्वजनिक रूप से अपनी चिंताएं जाहिर करने लगे हैं।

जयराम रमेश ने एक बयान में कहा कि देश में महंगाई का अनुमान बढ़ गया है और विकास दर के अनुमान में गिरावट आई है। विदेशी निवेश (एफडीआई) लगातार कम हो रहा है। सप्लाई चेन का प्रबंधन इतना खराब है कि प्रधानमंत्री खुद उपभोक्ताओं से अपनी खपत कम करने की अपील कर रहे हैं। कांग्रेस लंबे समय से निवेश के खराब माहौल पर आवाज उठा रही है। कांग्रेस नेता के अनुसार, निजी निवेश बढ़ाए बिना आर्थिक विकास को तेज नहीं किया जा सकता। निजी निवेश इसलिए नहीं बढ़ रहा क्योंकि लोगों की वास्तविक मजदूरी स्थिर है। इससे बाजार में सामान की मांग कम हो गई है। जब मांग ही नहीं होगी, तो कंपनियों के पास निवेश करने का कोई कारण नहीं बचेगा। उन्होंने यह भी कहा कि टैक्स नोटिस, छापेमारी और जांच एजेंसियों के डर की वजह से निवेशकों में अनिश्चितता का माहौल है। चीन से होने वाले भारी आयात की वजह से स्थानीय सामान की मांग खत्म हो रही है। जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री के करीबी दोस्तों को फायदा पहुंचाने के लिए व्यापार का केंद्रीकरण किया जा रहा है। इस क्रोनीइज्म का सबसे चमकदार उदाहरण मोदानी है। कॉरपोरेट जगत के पास स्वतंत्र रूप से निवेश करने और उससे जुड़े जोखिम उठाने का बहुत कम इंसेंटिव बचा है, क्योंकि मुनाफा मोदी सरकार के 'चंदा लो, धंधा दो' काउंटर पर भुगतान करके भी आसानी से कमाया जा सकता है। कॉर्पोरेट टैक्स की दरें सबसे कम हैं और कंपनियों की कमाई रिकॉर्ड स्तर पर है। शेयर बाजार भी ऊपर दिख रहा है, लेकिन जमीन पर निवेश गायब है।

भारत-अफ्रीका फोरम समिट टली नई तारीखों का बाद में होगा ऐलान

28-31 मई को दिल्ली में होना था कार्यक्रम

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। भारत और अफ्रीकी संघ के बीच होने वाली चौथी भारत-अफ्रीका फोरम समिट फिलहाल टाल दी गई है। ये समिट 28 से 31 मई के बीच नई दिल्ली में आयोजित होने वाली थी।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक बातचीत के बाद तय किया गया कि इसे अब आगे किया जाएगा और नई तारीखों का बाद में ऐलान होगा।

उभरती स्वास्थ्य चुनौतियों के बाद लिया गया फैसला :

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार और अफ्रीकी संघ के बीच अफ्रीका के कुछ हिस्सों में उभरती स्वास्थ्य स्थिति को लेकर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने महाद्वीप में सार्वजनिक स्वास्थ्य तैयारियों और रिस्पांस क्षमता को मजबूत करने के लिए सहयोग जारी रखने पर जोर दिया। इसमें आफ्रीका सीडीसी और संबंधित राष्ट्रीय संस्थानों को समर्थन देने की बात भी शामिल है। भारत ने अफ्रीका के लोगों और सरकारों के साथ अपनी एकजुटता दोहराई और कहा कि वह अफ्रीका सीडीसी के नेतृत्व में चल रहे प्रयासों में सहयोग देने के लिए तैयार है।

दोनों पक्षों ने लंबा विचार विमर्श किया :

विदेश मंत्रालय ने कहा कि समिट में अफ्रीकी नेताओं और सभी स्टेकहोल्डर्स की पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करने और महाद्वीप में उभरती स्वास्थ्य स्थिति को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार, अफ्रीकी संघ के चेयरपर्सन और अफ्रीकी संघ आयोग के बीच विचार-विमर्श किया गया। इन चर्चाओं के बाद दोनों पक्ष इस नतीजे पर पहुंचे कि चौथी भारत-अफ्रीका फोरम समिट और उससे जुड़े कार्यक्रमों को बाद की तारीख में आयोजित करना सही होगा।

तमिलनाडु में नए विभागों का आवंटन

एआई के लिए बना अलग मंत्रालय, मुख्यमंत्री विजय के पास कई अहम जिम्मेदारी

चेन्नई, 21 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु में मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के नेतृत्व में मंत्रिपरिषद के विभागों का पुनर्गठन किया गया है। राज्य सरकार ने पड़ोसी राज्य केरल की तर्ज पर देश का दूसरा समर्पित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मंत्रालय गठित कर एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। वेलाचेरी विधानसभा क्षेत्र से टीवीके विधायक आर कुमार को इस नए मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। राजभवन में आयोजित एक समारोह में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

सीएम के हाथ प्रशासन की कमान

मुख्यमंत्री विजय ने सार्वजनिक, सामान्य प्रशासन, भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस), भारतीय वन सेवा (आईएफएस), जिला राजस्व अधिकारी, पुलिस और गृह जैसे कोर विभाग अपने पास रखे हैं। इसके साथ ही, संशोधित सूची के तहत अब विशेष कार्यक्रम कार्यान्वयन, विशेष पहल, गरीबी उन्मूलन और ग्रामीण ऋणग्रस्तता, युवा कल्याण, नगर पालिका प्रशासन, शहरी और जल आपूर्ति तथा महिला, बाल, बुजुर्ग व दिव्यांग कल्याण विभाग भी सीधे मुख्यमंत्री की देखरेख में रहेंगे। कैबिनेट के अन्य प्रमुख सदस्यों में एन आनंद अब ग्रामीण विकास, पंचायत, पंचायत यूनियन और लघु सिंचाई सहित सिंचाई परियोजनाओं के मंत्री होंगे। पूर्व वित्त मंत्री केए सेंगोट्टैयान को अब राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री के रूप में नई जिम्मेदारी दी गई है, जबकि एन मरी विल्सन को वित्त, योजना और विकास मंत्रालय सौंपा गया है। आर निर्मलकुमार को बिजली, गैर-पारंपरिक ऊर्जा विकास, कानून, अदालत और जेल विभाग की जिम्मेदारी मिली है। मंत्रिमंडल में आधव अर्जुन को लोक निर्माण और खेल विकास, केजी अरुणराज को स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण, पी वेंकटरमणन को खाद्य और नागरिक आपूर्ति, एस कीर्तना को उद्योग और विनोद को कृषि एवं किसान कल्याण विभाग दिया गया है।

पाकिस्तानी जासूसी नेटवर्क पर एनआईए की बड़ी कार्रवाई कोलकाता से संदिग्ध गिरफ्तार

कोलकाता, 21 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पाकिस्तान समर्थित जासूसी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कोलकाता से जाफर रियाज नामक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है।

एजेंसी के अनुसार आरोपी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों के संपर्क में रहकर भारत की संवेदनशील जानकारियां साझा करने में शामिल था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पाकिस्तानी नागरिकता और पारिवारिक संबंधों का इस्तेमाल कर उसे भारत विरोधी गतिविधियों के लिए तैयार किया गया। एनआईए सूत्रों के मुताबिक, देशभर में फैले जासूसी नेटवर्क की जांच के दौरान एजेंसी को जाफर रियाज के बारे में अहम सुराग मिले थे। इसके बाद कोलकाता में कार्रवाई कर उसे गिरफ्तार किया गया। जांच में पता चला है कि जाफर ने एक पाकिस्तानी महिला से शादी की थी और उसकी पत्नी व बच्चे पाकिस्तान में रहते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा रुपये की कमजोरी पर सरकार की नजर

> अमेरिका से व्यापार वार्ता अगले माहीने

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के 96 के स्तर तक कमजोर होने पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने आज कहा कि सरकार पूरी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। उन्होंने बताया कि सरकार के सभी विभाग मिलकर टीम की तरह काम कर रहे हैं और कई आर्थिक कदमों पर विचार किया जा रहा है। गोयल ने भरोसा जताया कि भारत इस कठिन दौर से भी विजेता बनकर बाहर निकलेगा।

अगले महीन अमेरिका से बात करेगा भारत :

गोयल ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि अमेरिका के मुख्य वार्ताकार अगले महीने भारत दौरे पर आएंगे। इस दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि भारत लगातार वैश्विक मंच पर अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। दुनिया भारत की आर्थिक क्षमता को गंभीरता से देख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संयुक्त राष्ट्र की संस्था फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन (एफएओ) के सर्वोच्च सम्मान 'एग्रीकोला मेडल' से सम्मानित किए जाने पर गोयल ने खुशी जताई। उन्होंने कहा कि भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और देश का भविष्य बेहद उज्ज्वल है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि भारत के पास अपार क्षमता है। हर भारतीय में इतनी ताकत है कि मौजूदा वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश के लोगों में किसी तरह का डर या कमजोरी नहीं है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने स्वीकार किया कि वैश्विक हालात चुनौतीपूर्ण हैं, लेकिन भारत के पास मजबूत इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास है। उन्होंने दोहराया कि भारत इन चुनौतियों से पार पाकर विजेता बनकर उभरेगा। गोयल ने कहा कि भारत की आर्थिक क्षमता को अब वैश्विक स्तर पर गंभीरता से देखा जा रहा है। गोयल ने एफएओ के 'एग्रीकोला मेडल' सम्मान को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा भारत के किसानों के लिए बड़े स्तर पर किए गए काम का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में किए गए सुधारों और किसानों की आय बढ़ाने के प्रयासों को अब वैश्विक स्तर पर भी पहचान मिल रही है।

16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों के लिए एसआईआर का कार्यक्रम जारी

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने गुरुवार को मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के तीसरे चरण का कार्यक्रम जारी किया। यह 1 अक्टूबर से 23 दिसंबर के बीच आयोजित किया जाएगा। इसमें 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं।

एक अधिकारी ने एक बयान में कहा कि एसआईआर के तहत मतदाता सूची में शामिल होने के लिए मतदाता की पात्रता की अंतिम तिथि 1 जुलाई से 1अक्टूबर तक है। जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर-चरण तीन आयोजित किया जाएगा।

उनमें तेलंगाना, पंजाब, कर्नाटक, मेघालय, महाराष्ट्र, झारखंड, दिल्ली, नागालैंड, त्रिपुरा, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तराखंड, दादरा और उत्तर प्रदेश शामिल हैं। नगर हवेली और दमन और दीव, ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर शामिल हैं।

सोर्स कोड की झंझट खत्म! चीनी स्टील्थ विमान होंगे फेल

राफेल को महाशक्तिशाली बनाएगा फ्रांस

पेरिस/नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। राफेल लड़ाकू विमान की कीमत और सोर्स कोड को लेकर विवाद लंबे समय से चलता रहा है। लेकिन ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक राफेल फाइटर जेट को लेकर फ्रांस एक ऐसे समझौते पर पहुंच रहा है कि ये फाइटर जेट बिल्कुल देशी बन जाएगा। यानि भविष्य में राफेल को लेकर भारत की संप्रभुता को कोई खतरा नहीं होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत और फ्रांस के बीच राफेल लड़ाकू विमान के एफ4 और एफ4 प्लस वैरिएंट पर बात चल रही है और कई मुद्दों पर सहमति बन चुकी है या जल्द बनने की संभावना है। भारतीय डिफेंस सूत्रों का कहना है कि असल में राफेल एफ से भी ज्यादा एडवांस वैरिएंट को लेकर बात चल रही है और बहुत सारे कस्टमाइजेशन पर सहमिक बन गई है।

आईडीआरडब्लू ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि राफेल एफ4+ को फ्रांस के मौजूदा एफ4 आर्किटेक्चर और 2030 के दशक में आने वाली कहीं ज्यादा एडवांस, अत्यधिक गोपनीय एफ5 पीढ़ी के बीच एक सेतु के रूप में तैयार किया जा रहा है। लेकिन भारतीय वेरिएंट सिर्फ तकनीकी अपग्रेड नहीं होगा बल्कि इसका उद्देश्य राफेल को भारत की सामरिक आवश्यकताओं के मुताबिक एक स्वतंत्र युद्ध प्रणाली में बदलना है जिसमें भारतीय हथियार, कम्युनिकेशन नेटवर्क, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली और स्वदेशी डेटा संरचनाएं गहराई से जुड़ी होंगी। राफेल को खास तौर पर स्टील्थ फाइटर्स को मारने के लिए डिजाइन किया जाएगा।

भारतीय वायुसेना राफेल को एक प्लेटफॉर्म के तौर पर डेवलप कर रही है जो स्टील्थ फाइटर्स के मुकाबले ज्यादा खतरनाक शिकारी होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि भारत के दुश्मनों के पास स्टील्थ जेट हैं। फ्रांस का मूल एफ4 राफेल नाटो आधारित नेटवर्क युद्ध और सहयोगी देशों के बीच इंटरऑपरेबिलिटी पर केंद्रित है। इसके विपरीत भारत का एफ4+ संस्करण दक्षिण एशिया के उच्च तीव्रता वाले युद्ध वातावरण, लंबी दूरी के स्टैंड-ऑफ स्ट्राइक और चीन-पाकिस्तान जैसे क्षेत्रीय खतरों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है।

इसका मतलब यह है कि भारतीय राफेल सिर्फ विदेशी प्लेटफॉर्म नहीं रहेगा बल्कि भारतीय सैन्य नेटवर्क का अभिन्न हिस्सा बनेगा। भारतीय वायुसेना की आईएसीसीएस (एकीकृत वायु कमान एवं नियंत्रण प्रणाली) प्रणाली, स्वदेशी मिसाइलें, उपग्रह संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध डेटा सीधे इस प्लेटफॉर्म से जुड़े होंगे। भारत की सबसे बड़ी चिंता अब क्षेत्रीय पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों को लेकर है। चीन का जे-20 और पाकिस्तान के संभावित भविष्य के स्टेल्थ प्रोग्राम भारतीय वायुसेना के लिए नई चुनौती बन रहे हैं।

ज़िले में ब्रूसेलोसिस बीमारी

कुरनूल, 21 मई (एजेंसियां)। ज़िले में 'ब्रूसेलोसिस' बीमारी। मामिगनूर मंडल के बनावासी कंडेंस्ड सीमेन सेंटर में 8 जानवर इस खतरनाक बीमारी से संक्रमित हो गए हैं। अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। चिंता की बात यह है कि वहाँ काम करने वाले दो मज़दूर भी इस बीमारी से संक्रमित पाए गए हैं।

अधिकारियों को सतर्क कर दिया गया है और संक्रमित जानवरों को एक खास शेड में भेज दिया गया है। मज़दूरों को काम से दूर रखकर उनका इलाज किया जा रहा है।

सीएम चंद्रबाबू के काफिले में बदलाव

सुरक्षा टीम के लिए समस्या, अहम फैसला

अमरावती, 21 मई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू के काफिले में ईंधन बचाने के मकसद से गाड़ियों की संख्या कम की गई थी, यह बात सभी जानते हैं। हाल ही में चंद्रबाबू ने एक बार फिर अपने काफिले में कुछ बदलाव किए हैं। सीएम की सुरक्षा में तैनात कर्मियों की ज़रूरतों को देखते हुए, उनके लिए बड़ी गाड़ियों का उचित इंतज़ाम किया गया है। आपको बता दें कि ईंधन बचाने के लिए चंद्रबाबू के काफिले में गाड़ियों की संख्या 12 से घटाकर 4 कर दी गई थी। एनएसजी, चंद्रबाबू को 'जेड प्लस' श्रेणी की सुरक्षा मुहैया करा रही है; इसी वजह से हर दिन 20 से ज़्यादा सुरक्षाकर्मी उनके साथ रहते हैं।

काफिले में गाड़ियों की संख्या कम होने के कारण, सुरक्षाकर्मियों के लिए पर्याप्त गाड़ियां उपलब्ध नहीं थीं, जिससे उन्हें गाड़ियों में जगह एडजस्ट करने में दिक्कतें आ रही थीं। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू की सुरक्षा में कोई कोताही न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा टीम के लिए दो मिनी बसें उपलब्ध कराई गई हैं। हर बस में एक साथ 13 लोग सफर कर सकते हैं।

इस तरह, कुल 26 लोगों के सफर करने का इंतज़ाम किया गया है। सुरक्षाकर्मियों के साथ-साथ मेडिकल टीम भी इन बसों में मौजूद रहेगी। चंद्रबाबू के काफिले से जुड़ी यह नई जानकारी तब सामने आई, जब मुख्यमंत्री चंद्रबाबू कुप्पम के दौरे पर गए और उनके काफिले में ये बसें दिखाई दीं।

बताया जा रहा है कि अब से मुख्यमंत्री चंद्रबाबू ज़िलों के दौरे के दौरान इन्हीं बसों का इस्तेमाल करेंगे। अधिकारियों ने यह फैसला इस तरह लिया है कि चंद्रबाबू की सुरक्षा टीम को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। प्रधानमंत्री मोदी ने ईंधन बचाने का आह्वान किया था, जिसके बाद आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू, उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण, मंत्री, विधायक और अन्य नेताओं ने अपने काफिले में गाड़ियों की संख्या कम कर दी थी।

कुछ नेता तो अब दौरों के लिए बाइक का इस्तेमाल भी कर रहे हैं। न केवल जन-प्रतिनिधियों ने, बल्कि अधिकारियों ने भी ईंधन बचाने के उपाय अपनाने शुरू कर दिए हैं और उन्होंने भी अपनी गाड़ियों की संख्या कम कर दी है। लेकिन, मुख्यमंत्री चंद्रबाबू के काफिले में गाड़ियों की संख्या कम होने से उनकी सुरक्षा टीम के सामने कुछ दिक्कतें खड़ी हो गई थीं। चूंकि मुख्यमंत्री की सुरक्षा सर्वोपरि है, इसलिए गाड़ियों की संख्या बढ़ाने के बजाय, सुरक्षा टीम के लिए दो मिनी बसें उपलब्ध कराई गई हैं।

अब चंद्रबाबू के काफिले में चार गाड़ियों के साथ-साथ ये दो बसें भी शामिल रहेंगी।

तिरुमाला में भक्तों की भीड़ में अभूतपूर्व वृद्धि

तिरुपति, 21 मई (एजेंसियां)। तिरुमाला में भक्तों की भीड़ का नज़ारा अनोखा है। भक्तों की भारी संख्या के कारण कतार परिसर के सभी कंपार्टमेंट और कतारें पूरी तरह से भर गई हैं। वर्तमान में, दर्शन के लिए इंतज़ार कर रहे भक्तों को श्रीवारी के दर्शन करने में 24 से 30 घंटे का समय लग रहा है। अधिकारियों ने बताया कि भारी भीड़ के कारण, कतारों में और अधिक भक्तों को प्रवेश देने का काम अस्थायी रूप से रोक दिया गया है।

भक्तों की भीड़ को देखते हुए, टीटीडी के अधिकारी कुछ भक्तों को वापस भेज रहे हैं। साथ ही, वे भक्तों से अपील कर रहे हैं कि वे सुबह 9 बजे के बाद ही कतारों में आएं। अधिकारियों ने बताया कि गर्मियों की छुट्टियों के कारण, तिरुमाला में भक्तों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है।

9 करोड़ रुपये का नकली शराब घोटाला: एसआईटी की चार्जशीट

विजयवाडा, 21 मई (एजेंसियां)। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी), जो कथित शराब में मिलावट के मामले की जांच कर रही है, ने अपनी शुरुआती जांच रिपोर्ट और चार्जशीट विजयवाड़ा कोर्ट में दाखिल कर दी है। जांच एजेंसी ने कथित तौर पर मामले में सभी विवरण और आरोपियों की भूमिका पेश की है, जिसमें मुख्य आरोपी अद्देपल्ली जनार्दन राव, पूर्व मंत्री जोगी रमेश और 20 अन्य लोगों की भूमिकाएं शामिल हैं।चार्जशीट में, एजेंसी ने संगठित नकली शराब के धंधे, राजनीतिक संरक्षण, अंतर-राज्यीय तस्करी और एक्साइज धोखाधड़ी के आरोप लगाए हैं, जिसमें कथित तौर पर वाईएसआरसीपी नेता जोगी रमेश और उनके भाई जोगी रामू शामिल हैं।

जांच में पूरे घोटाले को एक सुनियोजित अंतर-राज्यीय आपराधिक सिंडिकेट के रूप में बताया गया है, जो आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु तक फैला हुआ है। इसमें राज्य भर की शराब की दुकानों पर नकली शराब की खरीद, मिश्रण, बोतल में भरना, पैकेजिंग, परिवहन और बिक्री के लिए भूमिकाएं स्पष्ट रूप से तय थीं। जांच एजेंसी ने कोर्ट को यह भी बताया कि जोगी रमेश और जोगी रामू ने इस अवैध नेटवर्क

को राजनीतिक संरक्षण, प्रशासनिक आड़ और ऑपरेशनल सुरक्षा प्रदान की, जिससे 'नॉन-ड्यूटी-पेड लिकर' (एनडीपीएल) और नकली शराब का निर्माण और वितरण संभव हो पाया।चार्जशीट के अनुसार, आरोपियों ने कथित तौर पर राजनीतिक संरक्षण और अधिकारियों के गैर-हस्तक्षेप के बदले हर 2-3 महीने में 3 लाख रुपये से 5 लाख रुपये तक की नियमित रिश्वत (किकबैक) प्राप्त की।

जांच में मुख्य आरोपी अद्देपल्ली जनार्दन राव (ए1) और उनके भाई अद्देपल्ली जगन मोहन राव (ए2) द्वारा नकली शराब के नेटवर्क में निभाई गई कथित केंद्रीय भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया है। जांचकर्ताओं का आरोप है कि अद्देपल्ली भाइयों ने अवैध निर्माण इकाइयां चलाते हुए स्पिरिट, नकली लेबल, पैकेजिंग सामग्री की खरीद और अंतर-राज्यीय परिवहन कार्यों का समन्वय किया।

ज़मीन के नीचे बिछे ड्रेनेज पाइप में लगी आग

गुंटूर, 21 मई (एजेंसियां)। इनर रिंग रोड पर आग लगने की एक घटना हुई। इस घटना में, ज़मीन के नीचे बिछे ड्रेनेज पाइप जल गए। उस इलाके में काफी ऊँचाई तक आग की लपटें उठीं। सूचना मिलते ही, फायर ब्रिगेड के कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुँचे और आग बुझाने के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने स्थिति को अपने नियंत्रण में ले लिया। कर्मचारी ज़मीन के नीचे से निकाले गए ऊँचे-ऊँचे ड्रेनेज पाइपों को, जिन्हें एक जगह जमा करके रखा गया था, वहाँ से हटाने की कोशिश कर रहे हैं। फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों से मिली जानकारी के अनुसार, पाइपों के फटने और आग की लपटों को देखकर स्थानीय लोग डर गए थे। फायर ब्रिगेड के कर्मचारी समय पर वहाँ पहुँच गए और आग पर काबू पा लिया।

आग बुझाने के दौरान, वहाँ रखे ड्रेनेज पाइपों में आग लग गई थी। 2014-2019 की टीडीपी सरकार के कार्यकाल में, गुंटूर शहर में ज़मीन के नीचे ड्रेनेज का काम करवाया गया था। हालाँकि, कुछ इलाकों में काम अधूरा रह जाने के कारण, इनर रिंग रोड पर अभी भी कुछ जगह खाली पड़ी है। ड्रेनेज पाइपों को उसी जगह पर ढेर लगाकर रख दिया गया था। पुलिस इस बात की जाँच कर रही है कि क्या यह आग ज़्यादा तापमान के कारण लगी, या फिर किसी ने जान-बूझकर ऐसा किया।

स्वच्छ भारत पहल के लिए आंध्र को राष्ट्रीय पहचान मिली

अमरावती, 21 मई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश को स्वच्छ भारत 2.0 के कार्यान्वयन में विशेष पहचान मिली है। नई दिल्ली में आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन में राज्य की शहरी स्वच्छता और कचरा प्रबंधन की अभिनव पद्धतियों को प्रदर्शित किया गया। नगर प्रशासन और शहरी विकास मंत्री पोंगुरु नारायण ने राज्य का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने उन प्रमुख पहलों के बारे में विस्तार से बताया, जिन्होंने स्वच्छ भारत को एक सरकारी कार्यक्रम से बदलकर जन आंदोलन बना दिया है।

उन्होंने बताया कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि नागरिकों को सीधे तौर पर स्वच्छता अभियानों से जोड़ा जा सके। ठोस और तरल कचरा प्रबंधन के प्रति आंध्र प्रदेश के एकीकृत दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने बताया कि राज्य में घर-घर जाकर कचरा इकट्ठा करने, स्रोत पर ही कचरे को अलग करने, वैज्ञानिक उपचार और पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) की प्रक्रियाएं शुरू की गई हैं। शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता के मानकों को और बेहतर बनाने के लिए उन्नत तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। नारायण ने आंध्र

प्रदेश को 'डंपिंग यार्ड-मुक्त' राज्य बनाने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। इसके लिए 'कचरे से ऊर्जा' बनाने वाले संयंत्र स्थापित करने के प्रयासों में तेजी लाई गई है। ये संयंत्र कचरे को बिजली में बदलेंगे, जिससे पर्यावरण की सुरक्षा और ऊर्जा उत्पादन। दोनों सुनिश्चित होंगे। उन्होंने हर महीने के तीसरे शनिवार को आयोजित होने वाले स्वर्ण आंध्र। स्वच्छ आंध्र अभियान की सफलता का भी उल्लेख किया। इस अभियान में जन प्रतिनिधियों, अधिकारियों, गैर-सरकारी संगठनों एनजीओ, युवाओं और महिला समूहों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है।

मरीन गैस टर्बाइन मरम्मत केंद्र स्थापित किया

विशाखापत्तनम, 21 मई (एजेंसियां)। भारत का पहला निजी क्षेत्र का मरीन गैस टर्बाइन (एनजीची) मरम्मत केंद्र स्थापित किया जाएगा। इस उद्देश्य से, भारत फोर्ज संगठन ने राज्य सरकार के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। यह केंद्र यहाँ के नेवल डॉकयार्ड में 80 एकड़ ज़मीन पर बनाया जाएगा।

इसमें मरीन गैस टर्बाइनों की मरम्मत और ओवरहॉलिंग भी की जाएगी। इसके अलावा, कंपनियों को घरेलू विकास की सुविधाएँ भी प्रदान की जाएँगी। इससे भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने में मदद मिलेगी। भारतीय नौसेना के युद्धपोतों में इंजन बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आदिवासी बस्ती का बाल विवाह खत्म करने का संकल्प

कुरनूल, 21 मई (एजेंसियां)। ऐसे समय में जब कुरनूल ज़िले में बाल विवाह पूरे राज्य का ध्यान और चिंता का विषय बने हुए हैं, पटिकोंडा मंडल की एक दूरदराज की आदिवासी बस्ती सामाजिक सुधार के लिए एक मिसाल बनकर उभरी है। जेएम तांडा के ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से एक ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें उन्होंने अपने गाँव से बाल विवाह को पूरी तरह से खत्म करने का संकल्प लिया।

गाँव की यह विशेष बैठक सरकारी स्कूल की शिक्षिका एम कल्याणी कुमारी (जिन्हें 'शाइनिंग टीचर' पुरस्कार मिला है) के नेतृत्व में और पटिकोंडा के डिप्टी एमपीडीओ नरसिम्हुलु की मौजूदगी में आयोजित की गई। ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से यह शपथ ली कि वे कानूनी रूप से तय उम्र से कम उम्र के बच्चों का विवाह नहीं करेंगे, और यदि कोई भी व्यक्ति बाल विवाह को बढ़ावा देने या उसकी व्यवस्था करने की कोशिश करता है, तो वे तुरंत अधिकारियों को सूचित करेंगे।

एडीसी प्रमुख ने सीपीआई कार्यों को तेज़ी से पूरा करने का आदेश दिया

अमरावती, 21 मई (एजेंसियां)। अमरावती डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन एडीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे राजधानी शहर की बढ़ती आबादी के हिसाब से कैपिटल इन्वेस्टमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स सीपीआई में तेज़ी लाएँ। एडीसी की चेयरपर्सन और मैनेजिंग डायरेक्टर डी. लक्ष्मी पार्थसारथी ने निर्देश दिया कि अगले चार महीनों के भीतर, राजधानी के गाँवों को स्मार्ट गाँवों में बदलने के लिए सीपीआई कार्यों को 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल करना होगा।

उन्होंने अब्बाराजुपालेम, थुलुरु, नेलापाडु, शाकामुरु, ऐनावोलु और नीक्काल्लु गाँवों में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरे के दौरान, उन्होंने स्थानीय निवासियों और गाँव के बुज़ुर्गों से बातचीत की ताकि विकास की प्राथमिकताओं पर उनकी राय जानी जा सके।

उन्होंने दोहराया कि राज्य सरकार का सपना अमरावती को बुनियादी सुविधाओं से लैस एक स्मार्ट राजधानी शहर के रूप में विकसित करना है।

लक्ष्मी पार्थसारथी ने ज़ोर देकर कहा कि सीपीआई कार्यों को राजधानी के गाँवों में रहने वाले लोगों की ज़रूरी ज़रूरतों को पूरा करने के हिसाब से डिज़ाइन किया जा रहा है, जिसमें बुनियादी ढाँचा भी शामिल है। उन्होंने मुख्य अभियंता च. धनंजय को निर्देश दिया कि वे परियोजनाओं में गुणवत्ता के मानकों को बनाए रखें और उन्हें समय पर पूरा करवाएँ। उन्होंने अधिकारियों को 26 गाँवों में पीने के पानी के लिए बोरवेल लगाने की परियोजनाओं को पूरा करने का निर्देश दिया।

एडीसी प्रमुख ने इस बात पर ज़ोर दिया कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार ही होने चाहिए और उन्हें तय समय-सीमा के भीतर ही पूरा किया जाना चाहिए; उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि सरकार अमरावती को एक आदर्श स्मार्ट राजधानी बनाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

केंद्र ने आंध्र में तटीय कटाव रोकने वाली परियोजना को मंज़ूरी दी

विशाखापत्तनम, 21 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष (एनडीएमएफ) के तहत विशाखापत्तनम मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र वीएमआर के संवेदनशील हिस्सों के लिए 176 करोड़ रुपये की तटीय कटाव रोकथाम परियोजना को मंज़ूरी दे दी है। इससे कटाव की आशंका वाले तटीय क्षेत्रों में कई तरह के संरचनात्मक और पारिस्थितिक उपाय करने का रास्ता खुल गया है। विशाखापत्तनम में तटीय लचीलेपन को बढ़ाना नाम की इस परियोजना की शुरुआत विशाखापत्तनम मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र विकास प्राधिकरण वीएमआरडीए ने की थी।

इसका मकसद मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र के कई तटीय हिस्सों में बढ़ते समुद्र तट के कटाव की समस्या से निपटना है। चेन्नई स्थित एनसीसीआर के साथ मिलकर तैयार की गई शुरुआती डीपीआर में परियोजना की लागत का अनुमान 203 करोड़ रुपये लगाया गया था। एससी-एनईसी ने 19 फरवरी, 2026 को 176 करोड़ रुपये के संशोधित प्रस्ताव को मंज़ूरी दी।

निजामाबाद में बंधुआ मजदूरी से नेल्लोर के 300 मजदूर बचाए गए

नेल्लोर, 21 मई (एजेंसियां)। तेलंगाना के निज़ामाबाद जिले में ईंट भट्टों में कथित बंधुआ मजदूरी से मुक्त होने के बाद नेल्लोर जिले के 300 से अधिक प्रवासी मजदूर अपने घर लौट आए। नेल्लोर के एक भागे हुए मजदूर की राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (एसएलएसए) में शिकायत के बाद, तेलंगाना के जिला अधिकारियों ने प्रधान जिला न्यायाधीश भरत लक्ष्मी के नेतृत्व में इस बड़े पैमाने पर बचाव अभियान का समन्वय किया। नंदीपेट मंडल के सिद्धापुर गांव में स्थित चार भट्टों से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित परिवारों को बचाया गया।

इनमें से कई लोग आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और तमिलनाडु से मजदूरी और अग्रिम राशि का वादा किए जाने के बाद पलायन कर गए थे। प्रारंभिक गवाहियों से पता चला कि मजदूरों को कर्ज के बंधन, आवाजाही पर प्रतिबंध, मजदूरी से वंचित रखना, धमकाना और शारीरिक शोषण जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा। पीड़ितों ने बताया कि उन्हें प्रतिदिन लंबे समय तक काम करने के लिए मजबूर किया जाता था और महीनों या वर्षों तक भट्टे परिसर में ही बंद रखा जाता था। अधिकारियों ने बताया कि कई महिलाएं और बच्चे कुपोषण के शिकार थे और भीषण गर्मी में तंग तिरपाल की झोपड़ियों में रह रहे थे। बताया जा रहा है कि बच्चों को स्कूल जाने के बजाय ईंटें लादने के काम में लगाया गया था। नेल्लोर के एक मजदूर, थुपकुला बाबू ने शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद यह अभियान शुरू हुआ।

उन्होंने कई परिवारों को अवैध रूप से कैद करने और उनका शोषण करने का आरोप लगाया। पीड़ितों ने बताया कि भट्ठों के संचालक उन्हें प्रति सप्ताह 200-400 रुपये के राशन वाउचर देते थे। कई लोगों को जबरन खाली बॉन्ड पर हस्ताक्षर करवाए गए और अगर उन्होंने जाने की कोशिश की तो उन्हें हिंसा की धमकी दी गई।

'ग्रीन बेल्ट' नियमों को सख्ती से लागू करें: डिप्टी सीएम पवन कल्याण

अमरावती, 21 मई (एजेंसियां)। डिप्टी मुख्यमंत्री और वन, पर्यावरण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री पवन कल्याण ने इस बात पर ज़ोर दिया है कि जहाँ उद्योग राष्ट्रीय प्रगति के लिए ज़रूरी हैं, वहीं जन स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। अपने मंगलगीरी कैंप कार्यालय में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए, उन्होंने ग्रीन बेल्ट के रखरखाव, ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण और सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों के पालन से जुड़े नियमों को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया।

उन्होंने आवासीय क्षेत्रों के पास होने वाले खनन विस्फोटों से जुड़ी शिकायतों को उजागर किया, जिनसे स्वास्थ्य को खतरा और संपत्ति को नुकसान पहुँचता है; साथ ही उन्होंने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के मानकों का पालन करने का आग्रह किया। पवन कल्याण ने ज़ोर देकर कहा कि पारदर्शिता और न्याय सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण में प्रभावित निवासियों को भी शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि औद्योगिक, वाणिज्यिक, आवासीय और संवेदनशील क्षेत्रों में निर्धारित ध्वनि सीमाओं का पालन करने के मामले में किसी को भी, यहाँ तक कि धार्मिक संस्थानों को भी, कोई छूट नहीं दी जाएगी। डिप्टी सीएम ने नेल्लोर में कुछ "सफेद श्रेणी" के उद्योगों द्वारा किए जा रहे उल्लंघनों का भी मुद्दा उठाया; इन उद्योगों पर प्रदूषण न फैलाने का दावा करने के बावजूद बदबूदार गैसें और रासायनिक कचरा छोड़ने का आरोप है।

उन्होंने उत्सर्जन को कम करने के लिए तकनीकी समाधानों का उपयोग करने का आह्वान किया। गोस्थानी नदी में गंभीर प्रदूषण को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए—जहाँ बायोलॉजिकल ऑक्सीजन डिमांड (बीओडी) का स्तर अनुमेय सीमा से पाँच गुना अधिक पाया गया था उन्होंने अधिकारियों को उद्योगों को जवाबदेह ठहराने के लिए ड्रोन और वीडियो साक्ष्यों का उपयोग करने का निर्देश दिया। पवन कल्याण ने नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत आवंटित 400 करोड़ रुपये का प्रभावी उपयोग करने का आग्रह किया, ताकि कण प्रदूषण को 40 प्रतिशत तक कम किया जा सके।

सीआरडीए ने अमरावती के गांवों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाने का वादा किया

अमरावती, 21 मई (एजेंसियां)। राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण एपीसीआरडीए ने भरोसा दिलाया है कि अमरावती राजधानी क्षेत्र के गांवों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाएगा। कमिश्नर वी विजयरामा राजू, भार्गव तेजा के साथ, वेंकटपालेम में एक ग्राम सभा में शामिल हुए, जहाँ उन्होंने ज़मीन पूलिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर चर्चा की। कमिश्नर ने बताया कि सड़कों, ज़ोन और राजधानी के अन्य प्रोजेक्ट्स के लिए ज़मीन पूलिंग एलपीएस का काम चल रहा है। हालाँकि कुछ किसान अभी तक आगे नहीं आए हैं, लेकिन उन्होंने साफ़ किया कि ज़मीन अधिग्रहण के नोटिफिकेशन में शामिल लोग भी तय समय-सीमा के भीतर इस प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं।

उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि ग्रामीणों के साथ नियमित बैठकें की जाएंगी, और कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए सर्कुलेशन रोड के पैटर्न तैयार किए जा रहे हैं। स्थानीय चिंताओं के जवाब में, उन्होंने गुंटूर के संयुक्त समाहर्ता के साथ तालमेल बिठाकर गांवों की सीमाओं से जुड़े मुद्दों को सुलझाने का भरोसा दिलाया, और हर गांव में इंफ्रास्ट्रक्चर और एलपीएस के कामों की देखरेख के लिए विशेष इंजीनियरिंग टीमों के गठन की घोषणा की।

पादरी अभिनया पर हमले के आरोप में आठ लोग गिरफ्तार

विशाखापत्तनम, 21 मई (एजेंसियां)। अल्लूरी सीताराम राजू जिला पुलिस ने जीके वीडी मंडल के नीरुथोतापालेम गांव में भरोसा पार्टी के अध्यक्ष और पादरी अभिनया दर्शन पर हुए हमले के सिलसिले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस हमले को एक पहले से रची गई साजिश बताया है। पुलिस अधीक्षक अमित बरदार ने बताया कि आरोपियों ने प्रलोभन और पैसों के लेन-देन के ज़रिए डुमब्रिगुडा और आस-पास के इलाकों से स्थानीय लोगों को इकट्ठा किया था। इस योजना के तहत चार लोगों थंगुला वसंत कुमार, कुमादा प्रेमकुमार, थंगुला सत्यराजू और किंदांगी इंद्र कुमार ने दर्शन पर शारीरिक हमला किया।

पुलिस ने खुलासा किया कि इस घटना को रिकॉर्ड किया गया था और सोशल मीडिया पर फैलाया गया था, ताकि लोगों में डर पैदा किया जा सके, सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ा जा सके और अशांति फैलाई जा सके। जांचकर्ताओं ने इस साजिश का तार खुद दर्शन से जोड़ा है। इसके अलावा, बिल्ला किरण उर्फ किरण जॉर्ज, के बेनहर और भानु प्रसाद भी इस साजिश में शामिल थे। पुलिस ने बताया कि डुमब्रिगुडा और अन्य गांवों से लोगों को एक सुनियोजित तरीके से इकट्ठा किया गया था। पुलिस ने इस मामले को भरोसा पार्टी की राजनीतिक गतिविधियों से भी जोड़ा है। इस पार्टी की स्थापना दर्शन ने 26 मार्च, 2026 को काकीनाडा में पादरी प्रवीण पगाडाला की पहली पुण्यतिथि के अवसर पर की थी। स्थापना के बाद से ही यह पार्टी प्रचार अभियान चलाने, पादरियों के साथ बैठकें करने और एजेंसी क्षेत्रों में अल्पसंख्यक व ईसाई समुदायों तक अपनी पहुंच बनाने में जुटी हुई है। पुलिस ने 2 फरवरी से 6 फरवरी, 2026 के बीच हुई गतिविधियों का विस्तृत ब्योरा दिया है।

इनमें पेडाबाडा गांव में हुई बैठकें, सुनकारिमेटा में चलाया गया प्रचार अभियान और 11 मई, 2026 को जीके वीडी के एमपीडीओ को सौंपा गया ज्ञापन शामिल है। इसके अलावा, नीरुथोतापालेम में एक रैली भी आयोजित की गई थी, जिसमें 'येसु क्रिस्तु संगम' के जिला अध्यक्ष वासुपार्थी टिमोथी के नेतृत्व में लगभग 100 ग्रामीणों ने हिस्सा लिया था और हमले के दोषियों के लिए न्याय की मांग की थी। ये गिरफ्तारियां 'भारतीय न्याय संहिता' की धारा 189(3), 196(2), 299, 3(5), 302 और 353(1) के तहत की गई हैं।

'आंध्र शिक्षा मॉडल' एक राष्ट्रीय मानक बनना चाहिए: मंत्री लोकेश

अमरावती, 21 मई (एजेंसियां)। एचआरडी और आईटी मंत्री नारा लोकेश ने ज़ोर देकर कहा है कि उनका लक्ष्य "आंध्र शिक्षा मॉडल" को विश्व-स्तरीय शिक्षण पद्धतियों और छात्र-केंद्रित सुधारों के साथ एक राष्ट्रीय मानक बनाना है। राज्य सचिवालय में डीईओ और एपीसी के साथ एक समीक्षा बैठक करते हुए, उन्होंने कहा कि शिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय तरीकों का अध्ययन करने के लिए विदेश भेजा जा रहा है, जिन्हें स्कूलों में लागू किया जाएगा। लोकेश ने 100% नामांकन सुनिश्चित करके और बाल श्रम को रोककर बच्चों के उज्ज्वल भविष्य पर ज़ोर दिया, साथ ही एक प्रतिस्पर्धी और गुणवत्ता-संचालित सार्वजनिक स्कूल प्रणाली बनाने की बात कही।

उन्होंने कहा, "सरकार अंतरराष्ट्रीय शिक्षण मानकों को अपनाकर और प्रौद्योगिकी-संचालित सुधारों को लागू करके सार्वजनिक शिक्षा को बदलने के लिए ठोस कदम उठा रही है।" एचआरडी मंत्री ने कहा कि सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली को निजी संस्थानों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम होना चाहिए। उन्होंने कहा, "यदि गुणवत्ता में सुधार नहीं किया गया, तो अंततः बच्चों को ही नुकसान उठाना पड़ेगा। हम सभी को मिलकर एक विश्व-स्तरीय सार्वजनिक स्कूल शिक्षा मॉडल बनाने के लिए काम करना चाहिए।"

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 22 मई, 2026 3

सुविचार: अगर हम सत्य से छिपते हैं तो इसका अर्थ है कि हम अवश्य ही असत्य का संग कर रहे हैं

म्यूल बैंक अकाउंट सप्लायर गिरफ्तार साइबर फ्रॉड नेटवर्क का खुलासा

> साइबराबाद पुलिस को बैंक कर्मचारियों की भूमिका पर भी शक

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर क्राइम पुलिस और एसओटी (एसओटी), साइबराबाद ने संयुक्त अभियान में एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है जो साइबर धोखाधड़ी के लिए म्यूल बैंक अकाउंट उपलब्ध कराने वाले गिरोह का सक्रिय सदस्य था।

इस गिरोह द्वारा इन खातों का उपयोग ट्रेडिंग फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन गेमिंग, पार्ट-टाइम जॉब फ्रॉड, स्टॉक निवेश घोटाले सहित कई प्रकार के ऑनलाइन वित्तीय अपराधों में किया जा रहा था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान दिलीप सिंह (27 वर्ष), निवासी आईडीए जीडीमेटला, कुक्टपल्ली मंडल, मेडचल-मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना (मूल निवासी नागौर, राजस्थान) के रूप में हुई है। आरोपी को 21 मई को सुबह 4:00 बजे गिरफ्तार किया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि वर्ष 2024 में आरोपी की मुलाकात इंस्टाग्राम विज्ञापन के जरिए जॉर्डन और पिंटू भैया नामक अंतरराष्ट्रीय संपर्कों से हुई थी। इन विज्ञापनों में बैंक अकाउंट उपलब्ध कराने के बदले कमीशन का लालच दिया जाता था आरोपी को प्रति सेविंग अकाउंट 25,000 और करंट अकाउंट के लिए 50,000 तक का भुगतान देने का वादा किया गया था।

इसके बाद व्हाट्सएप के माध्यम से संपर्क स्थापित कर उसे बैंक अकाउंट उपलब्ध कराने का काम सौंपा गया। आरोपी ने जानबूझकर अपने और अन्य लोगों के बैंक खातों की जानकारी, एटीएम कार्ड, पासबुक, चेकबुक, सिम कार्ड और अन्य बैंकिंग दस्तावेज साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराए। इन खातों का उपयोग बाद में अवैध धनराशि को ट्रांसफर और निकालने के लिए किया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1,02,000 नकद, 1 रियलमी मोबाइल फोन, 1 आईफोन, 12 डेबिट कार्ड, 1 क्रेडिट कार्ड,3 बैंक पासबुक, 7 चेकबुक, विभिन्न राज्यों में भेजे गए 33 बैंक पासबुक बरामद किया है। जांच में यह भी संकेत मिले हैं कि कुछ बैंक कर्मचारियों की मिलीभगत से बैंक अकाउंट खोले और साइबर अपराधियों तक पहुंचाए गए। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क और अन्य संलिप्त व्यक्तियों की भूमिका की गहन जांच कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे मामलों में शामिल लोगों के बैंक खाते फ्रीज हो सकते हैं, गिरफ्तारी हो सकती है और आपराधिक मुकदमा भी चल सकता है। पुलिस ने बताया कि पूरे नेटवर्क की जांच जारी है और आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां संभव हैं।

पत्थरगट्टी की कपड़ों की दुकान में लगी भीषण आग

दमकल कर्मियों ने संभाला मोर्चा

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के पत्थरगट्टी इलाके में स्थित एक कपड़ों की दुकान में गुरुवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग एसवाईजे कॉम्प्लेक्स में मौजूद दुकान में तड़के लगी। देखते ही देखते आग ने पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया और आसपास धुआं फैल गया। घटना की सूचना मिलते ही मुगलपुरा, गौलीगुडा, हाई कोर्ट और सालारजंग म्यूजियम फायर स्टेशनों से कई दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। दमकल कर्मियों ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू कर आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और आसपास के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर हटाया गया। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है।

राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर और फोटो प्रदर्शनी का आयोजन

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 35वीं पुण्यतिथि के अवसर पर गांधी भवन में रक्तदान शिविर और फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम खैरताबाद जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोथा रोहित मुदिराज द्वारा आयोजित किया गया।

इस अवसर पर राजीव गांधी के जीवन और योगदान पर आधारित फोटो प्रदर्शनी लगाई गई तथा रक्तदान शिविर भी आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में एआईसीसी सचिव व तेलंगाना सह प्रभारी सचिन सावंत, तेलंगाना सरकार के सलाहकार वी. हनुमंत राव, विधायक दानम नागेन्द्र तथा अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद आज़रुद्दीन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के देश के विकास, तकनीकी प्रगति और सामाजिक सुधारों में योगदान को याद किया।

उन्होंने कहा कि राजीव गांधी के आदर्शों और विज़न को आगे बढ़ाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना चाहिए और उनके सपनों को साकार करना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। खैरताबाद जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोथा रोहित मुदिराज ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में सेवा भावना और जागरूकता को बढ़ाते हैं तथा राजीव गांधी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने में मदद करते हैं।

तेलंगाना एकता और आंदोलन की भावना को मजबूत करने का आह्वान

> न्यूयॉर्क में प्रवासी तेलंगाना समुदाय से बोले हरीश राव

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ नेता और बीआरएसएलपी के उपनेता टी. हरीश राव ने तेलंगाना आंदोलन की भावना को बनाए रखने और राज्य के हितों के लिए एकजुट रहने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लिए संघर्ष करने वाले लोगों को हमेशा याद रखा जाना चाहिए और सम्मान दिया जाना चाहिए। अमेरिका की निजी यात्रा के दौरान न्यूयॉर्क में प्रवासी तेलंगाना समुदाय को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आंदोलन की भावना को वैश्विक स्तर पर भी जीवित रखना जरूरी है। यह कार्यक्रम लॉन्ग आइलैंड स्थित एक एनआरआई के आवास पर आयोजित किया गया, जिसमें न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी से बड़ी संख्या में तेलंगाना मूल के लोग शामिल हुए।

हरीश राव ने कहा कि तेलंगाना राज्य आंदोलन में प्रवासी भारतीयों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है, जिन्होंने आर्थिक और नैतिक समर्थन दिया। उन्होंने अमेरिका में रहने वाले तेलंगाना समर्थकों से एकजुट होकर बीआरएस के साथ जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान कई प्रवासियों ने आंदोलन से जुड़े कुछ कार्यकर्ताओं के साथ हुए कथित अन्याय पर चिंता भी जताई। इस अवसर पर कई एनआरआई और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गर्मी की छुट्टियों में यात्रियों को राहत

चेर्लापल्ली-संतरागाछी के बीच चलेंगी अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनें

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गर्मी के मौसम में बढ़ती यात्रियों की भीड़ को देखते हुए दक्षिण मध्य रेलवे ने चेर्लापल्ली और संतरागाछी के बीच चलने वाली विशेष ट्रेनों के संचालन की अवधि बढ़ा दी है। रेलवे के इस फैसले से यात्रियों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, चेर्लापल्ली-संतरागाछी स्पेशल ट्रेन (07221) 23 मई से 27 जून तक प्रत्येक शनिवार को अतिरिक्त छह फेरों के साथ संचालित की जाएगी। वहीं संतरागाछी-चेर्लापल्ली स्पेशल ट्रेन (07222) 24 मई से 28 जून तक प्रत्येक रविवार को चलेगी। दक्षिण मध्य रेलवे ने बताया कि गर्मी की छुट्टियों के दौरान बड़ी संख्या में यात्री यात्रा कर रहे हैं, जिसके चलते अतिरिक्त ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है ताकि यात्रियों को कंफर्म सीट और बेहतर सुविधा मिल सके।

तेलंगाना में भीषण गर्मी का कहर जारी

खम्मम में पारा 45 डिग्री पहुंचा, हैदराबाद भी तपिश से बेहाल

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप लगातार जारी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) हैदराबाद के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान खम्मम जिले में राज्य का सबसे अधिक 45 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। वहीं राजधानी हैदराबाद में हकीमपेट क्षेत्र सबसे गर्म रहा, जहां तापमान 41.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। आईएमडी के आंकड़ों के मुताबिक राज्य के उत्तरी और पूर्वी जिलों में लू की स्थिति बनी हुई है। खम्मम के बाद रामागुंडम में 44.6 डिग्री, निजामाबाद में 44.4 डिग्री और आदिलाबाद में 44.3 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। भीषण गर्मी के कारण आदिलाबाद और निजामाबाद में रात के समय भी लोगों को राहत नहीं मिली। यहां न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.7 और 32.3 डिग्री सेल्सियस रहा। हैदराबाद के बेगमपेट मौसम केंद्र में अधिकतम तापमान 39.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि डुंडीगल में 41 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ। वहीं टीएसडीपीएस के आंकड़ों के अनुसार निर्मल और करीमनगर जिलों के कई इलाकों में तापमान 46 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया, जिससे लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

बीआरएस ने डिजिटल सदस्यता अभियान के लिए 119 विधानसभा क्षेत्रों में प्रभारी नियुक्त किए

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने तेलंगाना के सभी 119 विधानसभा क्षेत्रों में डिजिटल सदस्यता अभियान के लिए प्रभारी नियुक्त किए हैं। पार्टी की ओर से बताया गया कि तेलंगाना भवन में सभी विधानसभा प्रभारियों के लिए डिजिटल प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिसमें प्रत्येक क्षेत्र से एक आईटी विशेषज्ञ भी शामिल होगा। सदस्यता अभियान के लिए तैयार किया जा रहा डिजिटल एप्लीकेशन अंतिम चरण में है और जल्द ही लॉन्च किया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद जिला स्तर पर शिविर आयोजित किए जाएंगे।

पर्यटन को बढ़ावा देने से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे : जूपल्ली

पर्यटन क्षेत्र को 'डिजिटल' बढ़ावा, इन्फ्लुएंसर्स को सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पर्यटन, संस्कृति एवं युवा कल्याण मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव ने कहा कि पर्यटन क्षेत्र केवल घूमने-फिरने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राज्य की आर्थिक प्रगति, युवाओं के रोजगार और तेलंगाना की ब्रांड इमेज को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है।

बेगमपेट टूरिज्म प्लाजा में आयोजित 'तेलंगाना टूरिज्म क्रिएटर्स मीटिंग' में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए मंत्री ने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक धरोहर और सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक स्तर पर प्रचारित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि 'प्रजा पालन-प्रगति योजना' के तहत 99 दिवसीय कार्य योजना के माध्यम से पर्यटन क्षेत्र को नई दिशा देने के प्रयास किए जा रहे हैं। पर्यटन सप्ताह के तहत आयोजित इस बैठक में विभिन्न जिलों से आए इन्फ्लुएंसर्स के सुझाव भी लिए गए। मंत्री ने कहा कि पर्यटन को बढ़ावा देने से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और इससे प्राप्त राजस्व का उपयोग स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे के विकास में किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में अनुपयोगी पर्यटन परिसरों और हरित होटलों को आय के स्रोत के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स से अपील की कि वे केवल पर्यटन प्रचार तक सीमित न रहें, बल्कि युवाओं को नशा, ड्रग्स, ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी जैसी बुराइयों के खिलाफ भी जागरूक करें। उन्होंने कहा कि सरकार जल्द ही 'प्रभात भेरी' नामक सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम शुरू करने जा रही है, जिसमें लघु फिल्में, नाटिकाएं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से जनजागरूकता बढ़ाई जाएगी। कर्यक्रम में पर्यटन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे और इस दौरान 'टाइमलेस तेलंगाना' वीडियो तथा विभाग के नए डिजिटल प्लेटफॉर्म का भी शुभारंभ किया गया।

राज्यभर में 'क्रीड़ा दिवस' का भव्य आयोजन, खेल महोत्सव में युवाओं की उत्साही भागीदारी

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। 'प्रजा पालना प्रगति प्रणाली' के तहत चल रहे स्पोर्ट्स एंड यूथ सप्ताह समारोहों के अंतर्गत बुधवार को राज्यभर में क्रीड़ा दिवस का भव्य आयोजन किया गया।

तेलंगाना के सभी 32 जिला केंद्रों में जिला कलेक्टरों और प्रशासनिक अधिकारियों की देखरेख में युवा एवं खेल विभाग द्वारा विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं सफलतापूर्वक आयोजित की गईं। राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम हैदराबाद के एलबी स्टेडियम में उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ, जहां बड़ी संख्या में युवाओं, खिलाड़ियों, अभिभावकों और नागरिकों ने भाग लिया। इसके अलावा गच्चीबावली जीएमसी बालयोगी स्टेडियम, केवीबीआर इंडोर स्टेडियम, सरूरनगर इंडोर स्टेडियम, जिमखाना ग्राउंड और साइक्लिंग वेलोड्रोम सहित कई खेल स्थलों पर अंतर-स्टेडियम प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं में एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, बॉक्सिंग, फेंसिंग, स्विमिंग, टेबल टेनिस, टेनिस, फुटबॉल, शतरंज, हैंडबॉल, वॉलीबॉल, कबड्डी और कुश्ती सहित कई खेलों में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। तेलंगाना स्पोर्ट्स अथॉरिटी की प्रबंध निदेशक डॉ.ए. सोनी बालादेवी ने कार्यक्रमों की निगरानी की और विभिन्न खेलों में भाग ले रहे खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

उन्होंने कहा कि स्पोर्ट्स एंड यूथ सप्ताह के कार्यक्रम राज्यभर में सफलतापूर्वक जारी हैं और लोगों से व्यापक प्रतिक्रिया मिल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों और सभी आयु समूहों में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाना है, ताकि स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके। इस आयोजन में खेल विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी और स्टेडियम प्रशासन से जुड़े प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

बिजली करंट लगने से व्यक्ति की मौत

मदनूर, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कामारेड्डी जिले के मदनूर मंडल के थड़ी हिप्पारगा गांव में बिजली का झटका लगने से एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान लक्ष्मण (50 वर्ष) पुत्र नागुराव के रूप में हुई है। स्थानीय जानकारी के अनुसार लक्ष्मण बिजली विभाग के लाइनमैन महेश की सहायता करते थे और गांव में बिजली संबंधी छोटे-मोटे कार्यों में सहयोग करते थे।

गुरुवार सुबह करीब 8:30 बजे वे ग्राम पंचायत के पास स्थित ट्रांसफार्मर के नजदीक बिजली के खंभे पर काम कर रहे थे। इसी दौरान उनका दाहिना हाथ ऊपर से गुजर रही 11 केवी (किलोवोल्ट) लाइन के संपर्क में आ गया, जिससे उन्हें जोरदार बिजली का झटका लगा और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के पुत्र बूरे दत्तु ने बताया कि उस समय क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बंद थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शव को पोस्टमार्टम के लिए मदनूर सरकारी अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

अल नीनो के कारण बढ़ रही भीषण गर्मी की लहरें : आईएमडी अध्ययन

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। इस साल तेलंगाना और देश के कई हिस्सों में पड़ रही लंबी और भीषण गर्मी की लहरों के पीछे अल नीनो प्रभाव को प्रमुख कारण बताया जा रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के शोधकर्ताओं के एक अध्ययन में यह खुलासा हुआ है कि अल नीनो वर्षों में लू अधिक लंबी, तीव्र और बार-बार आने वाली होती है। नई दिल्ली स्थित आईएमडी वैज्ञानिकों द्वारा अंतरराष्ट्रीय पत्रिका मौसम में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, अल नीनो न केवल मानसून को कमजोर करता है, बल्कि अप्रैल से जून के बीच तापमान को सामान्य से अधिक बढ़ा देता है।

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने रेलवे परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में भाग लिया

नई दिल्ली/हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने रेल भवन में केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव के साथ बैठक कर तेलंगाना में चल रही रेलवे परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में तेलंगाना में चल रहे प्रमुख रेलवे प्रोजेक्ट्स, नई लाइनों के निर्माण, विद्युतीकरण और अन्य विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान राज्य के 42 प्रमुख रेलवे स्टेशनों के विकास कार्यों से संबंधित मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

केंद्रीय मंत्री ने विशेष रूप से हैदराबाद और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण एमएमटीएस सेवा पर ध्यान देने की मांग की। उन्होंने ट्रेनों के समय-सारिणी को नियमित करने और सुविधाओं में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया। इस पर रेल मंत्री ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए अधिकारियों के साथ अलग से बैठक कर सुधारात्मक कदम उठाने का आश्वासन दिया। बैठक में राज्य में नई रेलवे लाइनों और हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर परियोजनाओं की प्रगति पर भी चर्चा हुई। रेल मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार तेलंगाना में रेलवे नेटवर्क के विस्तार और यात्री सुविधाओं के विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

IN THE COURT OF THE HON'BLE I ADDITIONAL JUNIOR CIVIL JUDGE AT SANGAREDDY

I. A No. 8 of 2025 IN O.S. No.13 of 2025

Between : Kanees Fathima & Others-Plaintiffs And Sakina Begum & Others-Defendants

NOTICE

To, Hanuman Das Biyani S/o. Paplal Biyani, Aged about: 56 years, Occ.: Business, R/o. H.No. 18-05-940, Lal Darwaza, Hyderabad-Defendant No.4

Take notice that the above named Plaintiffs has filed the above case for partition and separate possession and also filed I.A. No. 8 of 2025 mentioned against you and others and the said case has posted on 17-06-2026 for your appearance. Hence you are hereby directed to appear before the The Hon'ble I Additional Junior Civil Judge Court at Sangareddy on 17-06-2026 at 10.30AM. Either personally or through an Advocate otherwise the matter will be decided as per law.

Hence the notice.

Sd/-(By Order of the Court)

KHAJA ARSHADUDDIN Advocate, Sangareddy

पत्नी से झगड़े के बाद चाय पी और खुद को मार ली गोली

हाथरस, 21 मई (एजेंसियां)। जिले के सिकंदराराऊ क्षेत्र में सुबह के समय जगाने को लेकर पत्नी से हुए झगड़े के बाद एक व्यक्ति ने सिर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस क्षेत्राधिकारी अमित पाठक ने बताया कि सिकंदराराऊ थाना क्षेत्र के रामपुर बट्टारी गांव निवासी 35 वर्षीय लालू को बुधवार की सुबह उसकी पत्नी आशा देवी ने जगा दिया था, जिसे लेकर उसका पत्नी से झगड़ा हो गया था। उन्होंने बताया कि लालू चाय पीने के बाद गुस्से में अपने कमरे में चला गया और अंदर से दरवाजा बंद करके तमंचे से सिर में गोली मार ली।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, पाठक ने बताया कि गोली चलने की आवाज सुनकर उसकी पत्नी और मोहल्ले के कुछ लोगों ने कमरे का दरवाजा खोला तो अंदर बिस्तर पर लालू का खून से लथपथ शव मिला। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का ही प्रतीत हो रहा है। पाठक ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच की जा रही है।

'नरेंद्र मोदी और अमित शाह गद्दार नहीं खुद्दार'

राहुल गांधी के बयान पर जीतन राम मांझी की दो टूक

पटना, 21 मई (एजेंसियां)। राहुल गांधी के 'गद्दार' वाले बयान का जमकर विरोध हो रहा है। एनडीए के नेता अपने-अपने अंदाज में जवाब दे रहे हैं। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह गद्दार नहीं खुद्दार हैं। मांझी ने राहुल गांधी के बयान के बाद एक्स पर पोस्ट किया।अपने पोस्ट में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने लिखा है, राहुल गांधी जी, हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी 'खुद्दार' हैं।

5 में से 4 राज्यों के चुनाव में बुरी तरह से हारने का ये मतलब नहीं कि आप अनाप शनाप भाषा का इस्तेमाल करेंगे राहुल गांधी जी! आपकी भाषा और बचकानी हरकत का नतीजा है कि कांग्रेस देश से विलुप्त हो रही है। जो खुद ना घर के ना घाट के है उनसे ऐसी ही अमर्यादित भाषा की उम्मीद कर सकते है। लोकतंत्र में इस तरह की भाषा का मैं कड़ी निंदा करता हूं। जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा, देश के माननीय प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को आपत्तिजनक शब्दों से संबोधित कर कांग्रेस के युवराज ने एक बार फिर अपनी राजनीतिक हताशा और मानसिक दिवालियापन को उजागर किया है।

ऐसे समय में, जब विश्व के प्रमुख देश आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सक्षम नेतृत्व और भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का सम्मान कर रहे हैं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी की बौखलाहट चरम पर दिखाई दे रही है! वे फिर भूल रहे हैं कि देश की जनता अब नकारात्मक राजनीति और अपमान की भाषा को नहीं, बल्कि विकास, जनहित और मजबूत नेतृत्व को समर्थन दे रही है।

यही नया भारत है। बिहार सरकार के मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा, कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा देश के यशस्वी और सर्वप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विरुद्ध की गई अभद्र टिप्पणी अत्यंत क्षोभजनक है, जो उनकी कुंठित मानसिकता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अनादर को प्रदर्शित करती है। बार-बार जनता द्वारा नकारे जाने और लगातार मिलती चुनावी पराजयों की बौखलाहट अब उनके बयानों में साफ छलकने लगी है।

उन्होंने आगे कहा, दशकों तक देश को भ्रष्टाचार के दलदल में धकेलने वाले, राष्ट्रीय सुरक्षा की अनदेखी करने वाले और तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा देने वाले परिवार के वंशज आज किस नैतिक अधिकार से लोकतंत्र और राष्ट्रहित की दुहाई दे रहे हैं? यह देश अच्छी तरह जानता है। दिलीप जायसवाल ने कहा कि राजनीतिक विमर्श के स्तर को इस कदर गिराना बेहद चिंताजनक है।

28 किलो गांजे के साथ पिता-पुत्र गिरफ्तार

आरा, 21 मई (एजेंसियां)। भोजपुर जिले के पीरो अनुमंडल अन्तर्गत सिकरहटा थाना की पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 28 किलो गांजा के साथ पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए वाहन जांच अभियान में पुलिस को यह अहम सफलता मिली। सिकरहटा थानाध्यक्ष सनोज कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि एक चारपहिया वाहन से भारी मात्रा में गांजा की खेप गुजरने वाली है।

सूचना मिलते ही सिकरहटा थानाध्यक्ष सनोज कुमार ने एक टीम गठीत कर फतेहपुर बाजार के समीप सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। वाहन जांच के दौरान एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो (बीआर 1जेजी 9041) को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वाहन में रखे दो काले बैग से कुल 28 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। गांजा मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर ही वाहन सवार पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर लिया।

टीआरई-4 को लेकर

तेजस्वी यादव ने एनडीए सरकार की नीयत पर उठाया सवाल

पटना, 21 मई (एजेंसियां)। बिहार में चौथे चरण की शिक्षक बहाली को लेकर एक तरफ अभ्यर्थी प्रदर्शन कर रहे हैं तो दूसरी ओर सरकार की ओर से बस आश्वासन मिल रहा है। इस बीच नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एनडीए सरकार की नीयत पर सवाल उठाया है। तेजस्वी यादव ने आज (गुरुवार) एक्स से पोस्ट करते हुए कहा कि एनडीए सरकार बिहार के युवाओं के साथ अन्याय और विश्वासघात कर रही है। उन्होंने कहा कि बिहार के युवा तो वही मांग रहे हैं, वही याद दिला रहे हैं जो एनडीए ने चुनाव पूर्व एक करोड़ नौकरी का वादा किया था। फिर युवाओं पर अब ये अत्याचार क्यों? टीआरई-4 परीक्षा की मांग करना अपराध कैसे? पेपरलीक का विरोध करना गुनाह कैसे? क्यों बिहार के युवाओं पर बार-बार लाठीचार्ज हो रहा है? अपने एक्स पोस्ट में तेजस्वी ने लिखा है, यदि पुलिस के इस्तेमाल का इतना ही शौक है तो एनडीए सरकार भ्रष्टाचार और अपराध रोकने के लिए, अपराधियों के खिलाफ करें, बिहार के युवाओं पर बार-बार ये लाठीचार्ज बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आरजेडी नेता ने कहा कि ऐसा लगता है कि टीआरई-4 की वैकेंसी जारी करने की इस सरकार की नीयत ही नहीं है।

हमने अपने 17 महीने के कार्यकाल में बिना पेपरलीक के सफलतापूर्वक टीआरई-1 एवं टीआरई-2 के तहत दो लाख से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति की। एक लाख 30 हजार पदों पर बहाली प्रक्रियाधीन कराई थी। उन्होंने कहा कि साल 2024 और 2025 बीत गए, लोकसभा चुनाव हो गए, विधानसभा चुनाव हो गए, 2 मुख्यमंत्री और 4 उपमुख्यमंत्री बदल गए। समूचा मंत्रिमंडल बदला। एनडीए नेताओं के शहजादों को बिना चुनाव लड़े डायरेक्ट मंत्री पद बांट दिए गए। नई सरकार के गठन के 6 महीने बीत गए, लेकिन अब तक टीआरई-4 की वैकेंसी नहीं आई, टीआरई-4 से जुड़ा कोई नोटिफिकेशन जारी नहीं हुआ है। सरकार पर हमलावर तेजस्वी ने कहा, मुख्यमंत्री और मंत्री रील्स बना रहे हैं, बड़े-बड़े बयान दे रहे हैं, लेकिन युवाओं के भविष्य की इस सरकार को जरा भी चिंता नहीं है।

पति को शराब लेने भेजा और बुजुर्ग से दुष्कर्म

संभल, 21 मई (एजेंसियां)। जिले की पुलिस ने ईंट-भट्टे पर 60 वर्षीय महिला से दुष्कर्म के आरोपी 35 वर्षीय व्यक्ति को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मुठभेड़ के दौरान आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) दीपक तिवारी ने बताया कि 20 मई की रात चंदौसी थाना क्षेत्र में पुलिस वाहनों की जांच कर रही थी तभी बहजोई की ओर से आ रहे एक मोटरसाइकिल सवार ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया।

उन्होंने बताया कि पीछा किए जाने पर उसने पुलिस टीम पर गोली चला दी। तिवारी ने बताया कि पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के दाहिने पैर में गोली लग गई, जिसके बाद उसे चंदौसी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान नसीम (35) के रूप में हुई है, जो चंदौसी कोतवाली थाने में दर्ज मामले में वांछित था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उसके पास से .315 बोर का एक देसी तमंचा, एक कारतूस, एक खोखा और बिना नंबर की एक मोटरसाइकिल बरामद की है।

शिकायत करने पहुंचे शख्स पर भड़कीं

मेयर सुनीता दयाल, 'मारने की धमकी दी'

गाजियाबाद, 21 मई (एजेंसियां)। महापौर सुनीता दयाल गाजियाबाद विकास प्राधिकरण और नगर निगम के अधिकारियों के साथ दौरे पर निकली। इस दौरान वह इंदिरापुरम की 100 फुटा रोड पर पहुंची। वहां उन्हें ग्रीन बेल्ट पर सबसे अधिक अवैध कब्जा दिखा। इस दौरान अवैध कब्जे करके कमर्शियल एक्टिविटी चल रही थी। उनको उन्होंने सील किया। इस दौरान शिकायत करने पहुंचे एक शख्स पर वे भड़क गईं और मारने की धमकी दी। दरअसल, गाजियाबाद की मेयर सुनीता दयाल को लगातार शिकायत मिल रही थी कि इंदिरापुरम में ग्रीन बेल्ट पर अवैध रूप से कमर्शियल एक्टिविटी चल रही है। ये ग्रीन बेल्ट देश की राजधानी दिल्ली से सटी हुई है और अगर इसकी कीमत आंकी जाए तो करोड़ो में होगी। साथ ही इन पर अवैध कब्जा भी लोगों ने जमा लिया है।

इसी को लेकर गाजियाबाद की मेयर सुनीता दयाल गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के अधिकारियों और नगर निगम के अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंची। वहां उन्होंने स्थिति का जायजा लिया। यहां पर ग्रीन बेल्ट में ही निर्माण करके कमर्शियल एक्टिविटी चल रही है। इसको लेकर इंदिरापुरम की ग्रीन बेल्ट में कमर्शियल एक्टिविटी कर रहे संतोष एंटेपरिसेस, यू बी सी ए स्पोर्ट्स अकेडमी और एसके स्विमिंग पूल को तत्काल अपने सामने सील कराया। इसके अलावा उन्होंने ग्रीन बेल्ट पर छप्पर या टिन डाल के रह रहे लोगों को भी यहां से तुरंत हट जाने के लिए कहा है। मेयर ने दावा किया कि जल्द यहां पर जेसीबी बुलडोजर चला कर यह जगह खाली कराई जाएगी। इसी दौरान यहां रह रहा एक गरीब आदमी जब बता रहा था कि उसको यहां किसने बसाया है तो मेयर भड़क गईं और उससे कहा की 'इतना मारूंगी'।

हालांकि, सवाल यह भी है कि इन गरीबों को यहां बसाने वाला कौन है जो इनसे रहने का किराया भी वसूल रहा है। फिलहाल, अब देखना होगा कि क्या मेयर का गुस्सा इन गरीबों पर ही चलता है या फिर ऐसे दबंग लोग जिन्होंने ग्रीन बेल्ट को कब्जा कर कर किराए का साधन बना रखा है उन पर कोई कार्रवाई होती है।

चेयरमैन ने बीजेपी पार्षद समेत 19 लोगों पर दर्ज कराई एफआईआर

शाहजहांपुर, 21 मई (एजेंसियां)। निगोही नगर पंचायत चेयरमैन मनोज वर्मा ने नगर निगम में भाजपा के नामित पार्षद रामनिवास बाल्मीकि समेत नौ नामजद व 10 अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी पंजीकृत कराई। जान से मारने की धमकी देने व सरकारी कार्य में बाधा डालने का आरोप लगाया। पार्षद का एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर चार दिन पहले प्रसारित हुआ था। चेयरमैन ने आरोप लगाया कि यह धमकी उनकी और मुख्य लिपिक की ओर इशारा कर दी गई थी। उन्होंने कहा कि पार्षद अपने 30 कर्मचारियों को लगवाने का दबाव बना रहे थे, जिनसे कमीशन तय कर रखा था।

उनकी मांग पूरी करने से मना कर दिया तो रंजिशन मानने लगे। आरोप है कि रामनिवास ने कर्मचारियों को भड़का कर हड़ताल कराई थी। इस प्रकरण की एसडीएम तिलहर से जांच कराई जा रही है। चेयरमैन ने रामनिवास के अलावा, दिनेश कुमार, नरेश वर्मा, अनिल, दिनेश, विमल, राजीव, अमन, अवन को भी नामजद किया गया है। वहीं रामनिवास ने बताया कि नगर पंचायत निगोही में 75 सफाईकर्मियों का मानदेय निकाला जा रहा है। जबकि मौके पर 40 ही काम करते हैं। चेयरमैन ने गलत आरोप लगा रहे हैं। सीओ सदर प्रयांक जैन ने बताया कि जांच की जा रही है।

बड़े भाई की साली से था प्यार, शादी में देरी हुई तो उठाया आत्मघाती कदम

गोंडा, 21 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में गोंडा जिले के कटरा बाजार क्षेत्र के एक गांव में बुधवार शाम एक नाबालिग लड़की और लड़के के शव पेड़ पर फंदे से लटके मिले। पुलिस के अनुसार मृत लड़का बहराइच जिले के रानीपुर थाना क्षेत्र के रमवापुर गोरिया का निवासी था। लड़की के पिता ने बताया कि उनकी बेटी बुधवार दोपहर करीब 3 बजे शौच के लिए जाने की बात कहकर घर से निकली थी लेकिन करीब 1 घंटे बाद एक राहगीर ने सूचना दी कि एक खेत में पेड़ पर उनकी बेटी और एक लड़के के शव दुपट्टे से लटके हुए मिले हैं। पुलिस ने बताया कि सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। लड़के के बड़े भाई ने बताया कि उसकी शादी 6 वर्ष पहले लड़की की बड़ी बहन से हुई थी और रिश्तेदारी के कारण उसके भाई और साली का एक-दूसरे के घर आना-जाना था और वे एक-दूसरे से प्रेम करते थे। उसने बताया कि दोनों की शादी की बात भी हो रही थी लेकिन वह (मृतक) तीनों भाइयों में सबसे छोटा था और मंझले भाई की शादी नहीं हो पाने की वजह से परिवार उसकी शादी को मंजूरी नहीं दे रहा था।

नोएडा श्रमिक आंदोलन

न्यायमूर्ति सिद्धार्थ ने सत्यम वर्मा की याचिका की सुनवाई से खुद को किया अलग

प्रयागराज, 21 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति सिद्धार्थ ने नोएडा श्रमिक आंदोलन प्रकरण में गिरफ्तार सत्यम वर्मा की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है। कोर्ट ने मामले को मुख्य न्यायमूर्ति से उपयुक्त पीठ नामित कराने के बाद 22 मई को नई वाद सूची में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। बुधवार को सुनवाई शुरू होने पर सत्यम की ओर से गिरफ्तारी की वैधता, अवैध निरुद्धि और निरंतर हिरासत को चुनौती देते हुए याचिका के गुण-दोष पर सुनवाई का आग्रह किया। सत्यम की ओर से उनकी पत्नी शखंबरी ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर कर पति की गिरफ्तारी, निरुद्धि, रिमांड और आगे की हिरासत को चुनौती दी है। लखनऊ में 17 अप्रैल को सत्यम की गिरफ्तारी की गई थी। राज्य सरकार ने सात मई को बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दाखिल होने के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत भी कार्रवाई की है। एडवोकेट शाश्वत आनंद ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने 19 मई को सत्यम की पत्नी की याचिका पर नोटिस जारी किया है, जिसमें एनएसए के तहत की गई अतिरिक्त निरुद्धि को चुनौती दी गई है।

लखनऊ निवासी सत्यम को 13 अप्रैल को नोएडा के फेज-2 औद्योगिक क्षेत्र में श्रमिकों के प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा, आगजनी और झड़प के बाद दर्ज कई प्राथमिकी के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। हाई कोर्ट में लंबित बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में गिरफ्तारी और हिरासत प्रक्रिया में गंभीर प्रक्रियागत अनियमितताओं का आरोप है। इसमें रिहाई के साथ हिरासत से संबंधित इलेक्ट्रानिक व दस्तावेजी साक्ष्यों को सुरक्षित रखने की मांग की गई है।

राहुल गांधी ने की एचपीसीएल मैनेजर हर्षित मिश्रा के परिजनों से मुलाकात

लखनऊ, 21 मई (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लखनऊ एयरपोर्ट पर बीते दिनों बदायूं के हिंदुस्तान पेट्रोलियम एथेनॉल प्लांट में मारे गए मैनेजर हर्षित मिश्रा के परिजनों से मुलाकात की, राहुल गांधी ने बंद कमरें में पीड़ित परिवार से मुलाकात की और शोक संतृप्त परिवार को ढांढस बंधाया। इस मुलाकात के दौरान कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे। राहुल गांधी से मुलाकात के दौरान हर्षित मिश्रा के परिजनों ने प्रशासन की ढीली कार्रवाई को लेकर अपनी चिंताएं रखीं। साथ ही हर्षित हत्याकांड को लेकर पीड़ित परिवार ने सीबीआई जांच कराए जाने की मांग रखी है। राहुल गांधी ने परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया है। परिवार के सदस्य वैभव मिश्रा ने बताया कि मामले की जांच के लिए जो एसआईटी गठित की गई थी, उसे 16 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपनी थी। परिवार का आरोप है कि घटना को ढाई महीने बीत चुके हैं लेकिन, एसआईटी की रिपोर्ट न तो सार्वजनिक की गई है और न ही पीड़ित परिवार को इसकी कोई जानकारी दी गई है।

दहेज के दानवों के आगे कब तक बलि चढ़ेंगी बेटियां? साध्वी हर्षा का फूटा गुस्सा

प्रयागराज, 21 मई (एजेंसियां)। महाकुंभ के दौरान अपने बयानों और सुंदर साध्वी के नाम से सुर्खियों में आईं साध्वी हर्षानंद गिरि (हर्षा रिछारिया) ने अब भोपाल के चर्चित ट्विशा शर्मा सुसाइड केस पर प्रतिक्रिया देते हुए दहेज प्रथा और महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों को लेकर तीखी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि ट्विशा शर्मा, पलक और दीपिका जैसे मामलों ने समाज को आईना दिखाने का काम किया है। इन घटनाओं में दहेज और मानसिक प्रताड़ना जैसी बातें सामने आती हैं, जो बेहद चिंताजनक हैं।

साध्वी हर्षानंद गिरि (हर्षा रिछारिया) ने कहा कि एक बेटी जब अपने घर से विदा होती है, तब उसके माता-पिता अपनी सामर्थ्य के अनुसार सब कुछ देने की कोशिश करते हैं। लेकिन जब रिश्तों में लालच हावी हो जाता है, तो उसका सबसे खतरनाक असर उस लड़की की जिंदगी पर पड़ता है। स्वामी हर्षानंद गिरि ने समाज का आईना दिखाते हुए कहा कि हाल ही में सामने आए तीन मामलों ट्विशा शर्मा, पलक और दीपिका ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। इन तीनों ही मामलों में एक ही समानता थी। ससुराल पक्ष का कभी न खत्म होने वाला लालच। एक पिता अपनी क्षमता से ज्यादा देकर बेटी को विदा करता है। वह सोचता है कि उसकी जिम्मेदारी पूरी हुई। लेकिन उसे क्या पता कि सामने खड़े भेड़ियों की भूख कभी शांत नहीं होती।

जब लालच बढ़ता है, तो वह एक हंसती-खेलती बेटी की सांसें छीनकर ही दम लेता है। साध्वी हर्षानंद गिरि (हर्षा रिछारिया) ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर जमकर नाराजगी जताई कहा- फांसी का फंदा आखिरी कदम है, प्रताड़ना हर रोज की है। अक्सर समाज आत्महत्या को एक कमजोर पल का फैसला मान लेता है, लेकिन स्वामी जी ने इस सोच को सिरे से खारिज कर दिया।

घर छोड़ आश्रम पहुंचे प्रशांत किशोर

बिहार चुनाव तक वहीं से चलाएंगे राजनीतिक अभियान

दरभंगा, 21 मई (एजेंसियां)। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा है कि अब वह पटना शहर छोड़कर एक आश्रम में रहेंगे और वहीं से अपनी राजनीतिक गतिविधियां चलाएंगे। दरभंगा में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने यह जानकारी दी। पटना स्थित अपना पुराना आवास छोड़ दिया प्रशांत किशोर ने बताया कि रात उन्होंने पटना स्थित अपना पुराना आवास छोड़ दिया।

अब वह आईआईटी पटना के पास बने 'बिहार नव निर्माण आश्रम' में रहेंगे। उन्होंने कहा कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव तक वह इसी आश्रम से जन सुराज पार्टी के अभियान को आगे बढ़ाएंगे। बता दें कि प्रशांत किशोर इससे पहले पटना एयरपोर्ट के पास स्थित 'शेखपुरा हाउस' से अपनी राजनीतिक गतिविधियां चला रहे थे। यह बंगला जन सुराज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सांसद उदय सिंह के परिवार का है। उदय सिंह का परिवार बिहार की राजनीति में काफी प्रभावशाली माना जाता है। प्रशांत किशोर ने इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार में बेरोजगारी और पलायन की समस्या को रोकने में सरकार विफल रही।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो नेता पलायन रोक नहीं पाए, वे खुद ही "पलायन" कर गए। उनका इशारा नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने और उनके बेटे निशांत कुमार के राजनीति में आने की ओर था। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे जाति, धर्म या पैसे के आधार पर वोट न करें। प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार के लोगों को वोट देते समय अपने बच्चों के भविष्य के बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोग किसी भी बड़े नेता के नाम पर वोट न दें और पैसों के लालच में अपना वोट न बेचें। प्रशांत किशोर ने आने वाले दिनों में महंगाई बढ़ने की भी आशंका जताई। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया की स्थिति का असर भारत पर पड़ सकता है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है और किसानों को खाद की कमी का सामना करना पड़ सकता है।

ठेले पर बिस्कुट की आड़ में गांजा बेच रहा था बबलू, 55 पुड़िया के साथ भागलपुर पुलिस ने दबोचा

भागलपुर, 21 मई (एजेंसियां)। मोजाहिदपुर थाने के पास ठेले पर बिस्कुट-गुटखा बेचने वाले की आड़ में गांजा बेचने वाले दुकानदार को गिरफ्तार कर लिया गया। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर रवि कुमार के नेतृत्व में गीले-सूखे नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में ही ठेला दुकानदार बबलू यादव को गिरफ्तार कर लिया। वह सिकंदरपुर का रहने वाला है। काफी दिनों से थाने के पास ही ठेला लगाकर बिस्कुट-गुटखा, सिगरेट आदि बेचा करता था, लेकिन वह उस दुकानदारी की आड़ में वह गांजे की पुड़िया और गांजा भरी सिगरेट बेचा करता था।

थानाध्यक्ष को उसके ठेले के आगे लड़कों की अधिक भीड़ लगे रहने पर शक हुआ कि कहीं वह स्मैक-ब्राउन शुगर तो नहीं बेच रहा है। उसी तलाशी में ठेले के नीचे छिपा कर रखे गए 55 पुड़िया गांजा बरामद किया गया। पुलिस उससे उस तस्कर का पता जानने के लिए सख्ती से पूछताछ की जिससे वह गांजा खरीद कर पुड़िया और सिगरेट में भर कर बेचा करता था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सबौर के फतेहपुर से गांजा लाया करता था। दुकानदार ने पूछताछ में स्वीकार किया है कि वह सप्ताह में आधा से एक किलोग्राम गांजा बेच लिया करता था। पुलिस उससे पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर गांजा तस्कर तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

69 लाख का विला, एसयूवी, जेवर, 1.5 लाख नगद

कौन हैं आईआरएस प्रभा भंडारी, जिनके खिलाफ सीबीआई ने लिया एक्शन

लखनऊ, 21 मई (एजेंसियां)। महिला आईआरएस अधिकारी पर आय से अधिक संपत्ति का केस दर्ज किया गया है। सीबीआई ने सीजीएसटी झांसी की तत्कालीन डिप्टी कमिश्नर प्रभा भंडारी पर मामला दर्ज किया गया है। प्रभा भंडारी पर करीब 43 लाख रुपए की अवैध संपत्ति जुटाने का आरोप है। डेढ़ करोड़ जीएसटी घूस कांड में प्रभा भंडारी की गिरफ्तारी हुई थी। सीबीआई ने प्रभा भंडारी को गिरफ्तार किया था।

आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज कर सीबीआई ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। बता दें कि प्रभा भंडारी साल 2016 बैच की आईआरएस(कस्टम्स एवं अप्रत्यक्ष कर) अधिकारी हैं। 1 जनवरी 2023 से 31 दिसंबर 2025 के बीच प्रभा भंडारी ने आय से 43.18 लाख रुपए अधिक खर्च किए। सीबीआई की शुरुआती जांच में सामने आया कि प्रभा भंडारी ने झांसी के "नमो होम्स" में करीब 69.91 लाख कीमत का एक विला खरीदा। इसके अलावा उनके बैंक डिपॉजिट, जेवर ,एसयूवी और तलाशी के दौरान बरामद 1.5 लाख नगद का भी जिक्र एफआईआर में है। जीएसटी मामलों में राहत देने के बदले कारोबारी से घूस लेने में प्रभा भंडारी गिरफ्तार हुई थीं। बीते 24 मार्च 2026 को सीबीआई ने झांसी सीजीएसटी के तत्कालीन अधीक्षक अजय शर्मा, अनिल तिवारी के खिलाफ भी आय से अधिक संपत्ति के अलग-अलग मामले दर्ज किए थे।

दोनों अफसर को 31 दिसंबर 2025 को ट्रैप कार्रवाई में सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। बता दें कि साल 2025 में झांसी में सेंट्रल जीएसटी के डिप्टी कमिश्नर पद पर नियुक्ति हुई थी। 6 माह के कार्यकाल के दौरान ही उनपर घूसखोरी का आरोप लगा। 68 लाख का विला खरीदने के बाद वह जांच एजेंसियों के टारगेट पर आई थीं। प्रभा भंडारी को दोनों सुप्रीटेंडेंट के साथ पकड़ा गया। मामले में फर्म मालिक राजू मंगनानी और वकील नरेश कुमार गुप्ता को भी गिरफ्तार किया गया था।

4 साल बाद मिला बेटा, पर असली मां-बाप को पहचानने से किया इनकार

गया, 21 मई (एजेंसियां)। गया में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने पुलिस के साथ-साथ पूरे समाज को भावुक कर दिया। चार साल पहले मंदिर से गायब हुआ एक मासूम जिस महिला को अपनी मां मानकर बड़ा हो रहा था, वह उसकी असली मां नहीं निकली। पुलिस ने जब बच्चे को उसके असली माता-पिता से मिलवाया तो वह उन्हें पहचान तक नहीं पाया।

इस पूरे मामले ने अपहरण, ममता और मजबूरी की एक बेहद संवेदनशील कहानी को सामने ला दिया है। मामला औरंगाबाद के प्रसिद्ध ओबरा देवी मंदिर से जुड़ा है। वर्ष 2022 में मंदिर में भारी भीड़ के दौरान चार वर्षीय शिवा पांडे अचानक लापता हो गया था। परिवार ने काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। हाल के दिनों में गया पुलिस को सूचना मिली कि खिजरसराय इलाके में एक महिला के पास संदिग्ध परिस्थिति में एक बच्चा रह रहा है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने वहां से एक बच्चे को बरामद किया,

दिल्ली एचसी की टिप्पणी

'राजनीतिक फैसले की आलोचना करना उल्लंघन नहीं', राघव चड्ढा की याचिका पर हाईकोर्ट की दो टूक

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने व्यक्तिगत अधिकारों की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की। न्यायमूर्ति सुब्रह्मण्यम प्रसाद की पीठ इस मामले की सुनवाई की।अदालत ने कहा कि राजनीतिक फैसलों की आलोचना व्यक्तिगत अधिकारों का उल्लंघन नहीं है। अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में मानहानि का मुकदमा दर्ज किया जा सकता है।

कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि पार्टी बदलना एक सार्वजनिक फैसला है। अदालत ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से बने वीडियो पर भी टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि यदि इन वीडियो पर आपत्ति है, तो विशेष याचिका दाखिल करें। व्यापक रोक लगाने की मांग नहीं की जा सकती

दिल्ली में मई की सबसे गर्म रात, टूटा 14 साल का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में मई महीने की अब तक की सबसे गर्म रात दर्ज की गई, जब न्यूनतम तापमान 31.9 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार यह पिछले लगभग 14 वर्षों में सबसे अधिक न्यूनतम तापमान है। इससे पहले 26 मई 2012 को न्यूनतम तापमान 32.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार सफदरजंग और लोधी रोड सहित कई स्टेशनों पर रात में गर्म मौसम की स्थिति रही।

गर्म रात तब घोषित की जाती है जब अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक रहता है और न्यूनतम तापमान सामान्य से 4.5 से 6.4 डिग्री सेल्सियस अधिक होता है।

स्टेशनों के अनुसार सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 31.9 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 5.2 डिग्री अधिक है। रिज में 30.6 डिग्री (4.4 डिग्री अधिक), पालम में 30.5 डिग्री (3.4 डिग्री अधिक), लोधी रोड में 29.6 डिग्री (4.6 डिग्री अधिक) और आयानगर में 27.4 डिग्री सेल्सियस (0.7 डिग्री अधिक) दर्ज किया गया। शहर में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है क्योंकि अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है और दिन में लू चलने का अनुमान है।

वायु गुणवत्ता भी सुबह 9 बजे 'मध्यम' श्रेणी में दर्ज की गई, जिसका एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 153 रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार 0-50 'अच्छा', 51-100 'संतोषजनक', 101-200 'मध्यम', 201-300 'खराब', 301-400 'बहुत खराब' और 401-500 'गंभीर' श्रेणी में आता है।

नौकरी दिलाने के नाम पर महिला से दुष्कर्म

ग्वालियर, 21 मई (एजेंसियां)। ग्वालियर के मुरार थाना क्षेत्र में नौकरी दिलाने के बहाने एक महिला से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। महिला ने आरोप लगाया है कि उसी के मकान में किराए पर रहने वाले एक युवक ने उसे नौकरी का झांसा देकर कई बार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार पीड़ित महिला पिछले 10 साल से अपने पति से अलग रह रही है और उनका तलाक का मामला अदालत में चल रहा है। वह घरों में काम करके अपने बच्चों का पालन-पोषण करती है। करीब दो साल पहले महिला जिस मकान में किराए पर रहने आई थी, आरोपी अभिषेक नामक युवक भी वहीं रहता था। यहीं से दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई।

घर के भीतर मां और बेटे की बेरहमी से हत्या

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली अपराध के वारदातों से दहल उठी है। बीते 24 घंटे में दिल्ली में 5 लोगों की मौत की घटनाएं सामने आई हैं। अब दिल्ली के गोविंदपुरी में एक घर के अंदर मां-बेटे की हत्या हो गई है। इस खबर के बाहर आते ही पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। आशंका है कि बदमाशों ने घर के अंदर घुसकर 42 साल की शारदा और उनके 15 साल के बेटे का मर्डर किया है। दोनों के ऊपर घर के अंदर घुसकर किसी धारदार हथियार से हमला किया गया है। जानकारी के अनुसार, परिवार का मुखिया कल रात जब अपनी दुकान से लौटा तो उसने किचन में अपनी पत्नी और बेटे को खून में लथपथ देखा।

उसने फौरन इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने कई टीमें बनाकर हत्याकांड की जांच शुरू कर दी है। परिजनों के मुताबिक, घर से 10 से 12 लाख रुपए की नकदी और सोने-चांदी के जेवर गायब हैं। सामने आई जानकारी के अनुसार, ये परिवार दक्षिणी-पूर्वी जिले के गोविंदपुरी इलाके की गली नंबर-10 में रहता है। मृतक महिला का पति सब्जी व्यापारी है। साप्ताहिक बाजार में दुकान लगाता है।

बांद्रा में बवाल को लेकर 10 के खिलाफ एफआईआर

अतिक्रमण हटाने के दौरान हुई थी हिंसक झड़प

मुंबई, 21 मई (एजेंसियां)। बांद्रा ईस्ट इलाके में बुधवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान हिंसक झड़प हो गई। पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच हुई पत्थरबाजी में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। घटना के बाद निर्मल नगर पुलिस स्टेशन में दस नामजद आरोपियों समेत कई अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा 100-150 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस के कई धाराओं में मामला दर्ज किया है। इसके साथ ही भारतीय दंड संहिता की धारा 109 (हत्या की साजिश) भी लगाई है।

पुलिस ने बताया कि, 20 मई को बांद्रा ईस्ट रेलवे स्टेशन के पास गरीब नगर क्षेत्र में अवैध निर्माण हटाने का अभियान चलाया जा रहा था। यह कार्रवाई मुंबई उच्च न्यायालय के आदेश के तहत की जा रही थी। सुरक्षा व्यवस्था के लिए मुंबई पुलिस, रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स, होम गार्ड और अन्य कर्मचारी मौके पर तैनात थे। जैसे की तोड़फोड़ का काम शुरू हुआ वैसे ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग जमा हो गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की, लेकिन भीड़ ने कार्रवाई रोकने की कोशिश की।

कुछ ही देर में हालात तनावपूर्ण हो गए और प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर और अन्य वस्तुएं फेंकनी शुरू कर दीं। स्थिति पर काबू पाने के लिए पुलिस ने सीमित बल का इस्तेमाल किया। घायल पुलिसकर्मियों को तुरंत इलाज के लिए भेजा गया। मुंबई पुलिस का कहना है कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पूरी तरह कानूनी प्रक्रिया के अनुसार की जा रही थी, लेकिन कुछ असामाजिक तत्वों ने जानबूझकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की।

'गाय की कुर्बानी तो होगी ये 1400 साल पहले से हो रहा है', बकरीद से पहले हुमायूं कबीर का विवादास्पद बयान

कोलकाता, 21 मई (एजेंसियां)। बकरीद से पहले पश्चिम बंगाल की सियासत में नया विवाद खड़ा हो सकता है। दरअसल, आम जनता उन्नयन पार्टी के चीफ और विधायक हुमायूं कबीर ने गाय की कुर्बानी को लेकर विवादास्पद बयान दिया है, जो राजनीतिक तापमान बढ़ा सकता है। हुमायूं कबीर ने कहा कि कुर्बानी तो 1400 साल पहले से हो रही है और जब तक दुनिया रहेगी, तब तक कुर्बानी होती रहेगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि कोई भी कुर्बानी को नहीं रोक सकता है। हुमायूं कबीर ने बंगाल सरकार पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वो सुबह क्या बोल रहे हैं, फिर दूसरे दिन क्या बोल रहे हैं, उसके ऊपर मैं कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। वे मुसलमानों को गाय खाने से मना कर रहे हैं, उनकी सरकार है, वे ऐसा कर सकते हैं, लेकिन कुर्बानी तो होगी ही। एजेयूपी के चीफ हुमायूं कबीर बोले, 'कुर्बानी कोई मना करेगा भी तो उसे नहीं सुना जाएगा। सत्ता में शुभेंदु अधिकारी आ गए हैं,

ये ठीक है कि लोगों ने उनको वोट दिए हैं, वो सरकार चलाएंगे, लेकिन मेरा कहना है कि 1400 साल पहले से ये कुर्बानी होती आ रही है। जितने दिन तक दुनिया रहेगी, ये कुर्बानी होगी।' उन्होंने आगे कहा कि गाय की भी कुर्बानी होगी, बकरी की भी कुर्बानी होगी, ऊंट की भी होगी, दुम्बा की भी होगी, सारे पशु जो कुर्बानी के लिए जायज हैं, उनकी कुर्बानी होगी, उसे कोई रोक नहीं सकता है। हुमायूं कबीर वहीं हैं, जिन्होंने दिसंबर, 2025 में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के नाम पर एक नई मस्जिद का निर्माण का ऐलान किया था।

इबोला वायरसः बुखार आने पर जांच, 21 दिन तक निगरानी

हाई-रिस्क देशों से आने वाले यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। भारत सरकार के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) ने इबोला वायरस को लेकर एक जरूरी स्वास्थ्य एडवाइजरी जारी की है। यह सलाह उन यात्रियों के लिए है जो इबोला प्रभावित देशों से आ रहे हैं या वहां से होकर भारत पहुंचे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने यात्रियों को विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान को 'हाई-रिस्क' यानी उच्च जोखिम वाले देशों की श्रेणी में रखा है। इन देशों से आने वाले यात्रियों को अपनी सेहत पर कड़ी नजर रखनी होगी।

दिल्ली एयरपोर्ट पर एयरपोर्ट हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (एपीएचओ) ने इस संबंध में जानकारी लगा दी है। यात्रियों को बुखार, कमजोरी, थकान, सिरदर्द और मांसपेशियों में दर्द जैसे लक्षणों पर ध्यान देना होगा। इसके

अलावा उल्टी, दस्त, गले में खराश और रक्तस्राव भी इबोला के लक्षण हो सकते हैं। अगर किसी यात्री में ये लक्षण दिखते हैं, किसी संदिग्ध या पुष्टी मरीज के सीधे संपर्क में आया है, तो वे हवाई अड्डे के स्वास्थ्य अधिकारियों को तुरंत सूचित करें और आगमन के 21 दिनों के भीतर चिकित्सा सहायता प्राप्त करें। सरकार ने यात्रियों को सलाह दी है कि भारत आने के 21 दिनों के भीतर अगर उनमें ऊपर बताए गए कोई भी लक्षण दिखते हैं, तो वे तुरंत डॉक्टर से मिलें। डॉक्टर को अपनी पिछली यात्रा के बारे में पूरी जानकारी देना जरूरी है।

अभिषेक बनर्जी को कलकत्ता हाईकोर्ट से बड़ी राहत

भड़काऊ बयान के मामले में पुलिस कार्रवाई पर रोक

कोलकाता, 21 मई (एजेंसियां)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस के नेता और सांसद अभिषेक बनर्जी को बड़ी राहत देते हुए पश्चिम बंगाल पुलिस को उनके खिलाफ किसी भी तरह की कठोर कार्रवाई करने से फिलहाल रोक दिया है। यह मामला विधानसभा चुनावों के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लेकर कथित भड़काऊ टिप्पणियां करने से जुड़ा है। दरअसल, हाल ही में संपन्न पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान दिए गए कथित बयानों को लेकर अभिषेक बनर्जी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसके बाद उन्होंने इस एफआईआर को रद्द कराने की मांग करते हुए सोमवार को कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख किया था।

पश्चिम बंगाल पुलिस ने अभिषेक बनर्जी के खिलाफ यह एफआईआर चुनाव परिणाम घोषित होने के एक दिन बाद यानी 5 मई को दर्ज की थी। यह मामला उत्तर 24 परगना जिले के

बिधाननगर पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत बागुईआटी थाने में दर्ज किया गया था। शिकायत सामाजिक कार्यकर्ता राजीव सरकार की ओर से दी गई थी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि चुनावी जनसभाओं के दौरान अभिषेक बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लेकर भड़काऊ टिप्पणियां की थीं। शिकायत में कहा गया कि उनके कुछ बयान ऐसे थे, जिनसे सार्वजनिक व्यवस्था और सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने की आशंका पैदा हो सकती थी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव इस बार बेहद गरमागरमी वाले राजनीतिक माहौल में संपन्न हुए।

आईआईएमसी का हिंदी-उर्दू विवाद पहुंचा हाई कोर्ट

अदालत ने एक हफ्ते के अंदर मांगा जवाब

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्यूनिकेशन (आईआईएमसी) में हिंदी-उर्दू का विवाद गहरा गया है। आईआईएमसी में उर्दू पत्रकारिता कोर्स की प्रवेश परीक्षा को लेकर विवाद दिल्ली हाई कोर्ट पहुंच गया है। परीक्षा की भाषा और लिपि को लेकर छात्रों की शिकायत पर दिल्ली हाई कोर्ट ने संस्थान को नोटिस जारी किया है और एक हफ्ते के अंदर जवाब मांगा है। इस मामले ने एक बार फिर से हिंदी और उर्दू भाषा के बीच की एक नई बहस को शुरू कर दिया है।

मामला उर्दू पत्रकारिता के पीजी डिप्लोमा कोर्स की प्रवेश परीक्षा से जुड़ा है। छात्रों का कहना है कि आईआईएमसी ने 27 अप्रैल को जारी नोटिस में साफ कहा था कि परीक्षा उर्दू और देवनागरी दोनों लिपियों में दी जा सकती है। इसके बाद अचानक 6 मई को नया नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया। इस नोटिफिकेशन में कहा गया कि परीक्षा सिर्फ उर्दू लिपि में ही होगी। हिंदी या देवनागरी का कोई जिक्र नहीं किया गया।

याचिका दायर करने वाले छात्रों का कहना है कि कई अभ्यर्थियों ने पहले वाले नियम के आधार पर फीस जमा की थी और तैयारी भी उसी हिसाब से की थी। छात्रों का कहना है कि अब अचानक नियम बदलने से उनकी चिंताएं बढ़ गी हैं क्योंकि इससे उनका भविष्य प्रभावित हो सकता है। छात्रों की ओर से पेश वकील अभिषेक ने अदालत में कहा कि यह सिर्फ परीक्षा का मामला नहीं, बल्कि भाषा, समान अवसर और शिक्षा के अधिकार से जुड़ा मुद्दा है।

सांसद को बुलाए बिना लोगों को घर बांटने लगीं भाजपा विधायक, बात हाथापाई पर आई

बेंगलूरू, 21 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के निप्पाणी में आवास वितरण कार्यक्रम में बीजेपी-कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच भिड़ंत, बीजेपी विधायक शशिकला जोल्ले भावुक होकर रो पड़ीं। बेलगावी जिले के निप्पाणी तालुका के पट्टणकुडी गांव में आयोजित आवास वितरण कार्यक्रम के दौरान बीजेपी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच विवाद हो गया। यह कार्यक्रम आश्रय योजना के तहत लाभार्थियों को लॉटरी प्रणाली के जरिए मकान वितरित करने के लिए आयोजित किया गया था, जिसमें आश्रय समिति के अधिकारी और सदस्य मौजूद थे। योजना के तहत करीब 950 मकान शामिल थे, जिनमें से लगभग 800 मकानों का वितरण किया जा रहा था, जबकि शेष मकानों के लिए आवेदन आमंत्रित करने की तैयारी थी। विवाद उस समय शुरू हुआ जब बुडा चेयरमैन और चिक्कोडी जिला कांग्रेस अध्यक्ष लक्ष्मणराव चिंगाले अपने समर्थकों के साथ कार्यक्रम स्थल पहुंचे और मकानों के आवंटन की प्रक्रिया पर सवाल उठाए। चिंगाले ने आरोप लगाया कि मकानों के वितरण में अनियमितताएं और भेदभाव किया जा रहा है और चुनिंदा लोगों को फायदा पहुंचाने की कोशिश हो रही है।

उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि सांसद प्रियंका जारकीहोली को कार्यक्रम में क्यों नहीं बुलाया गया। इसी बात को लेकर निप्पाणी की बीजेपी विधायक शशिकला जोल्ले और लक्ष्मणराव चिंगाले के बीच तीखी बहस शुरू हो गई, जो देखते ही देखते बीजेपी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच टकराव में बदल गई। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि हाथापाई की नौबत आ गई,

योग क्लास के बहाने घर से निकली पूर्व सीए छात्रा

9वीं मंजिल से छलांग लगाकर दी जान; केदारनाथ जाने वाला था परिवार

जामनगर, 21 मई (एजेंसियां)। गुजरात के जामनगर से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां पंचेश्वर टावर के पास स्थित शालिग्राम अपार्टमेंट की नौवीं मंजिल से कूदकर एक युवती ने आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान 22 वर्षीय दृष्टि जतिनभाई पारेख के रूप में हुई है, जो चार्टर्ड एकाउंटेंट (सीए) की पढ़ाई बीच में छोड़ चुकी थी। स्थानीय पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर मामला दर्ज किया और गहन जांच शुरू कर दी है। शहर में कल्याणजी चौक के पास ज़वेरी डेली इलाके में अपने परिवार के साथ रहने वाली दृष्टि जतिनभाई पारेख सुबह पंचेश्वर टावर के पास स्थित शालिग्राम अपार्टमेंट पहुंची और लिफ्ट से नौवीं मंजिल पर जाकर वहां से कूद गई। गंभीर चोटें लगने और अत्यधिक खून बहने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस टीम और सिटी 'ए' डिवीजन पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। अपार्टमेंट के सीसीटीवी फुटेज से यह भी पता चला है कि लड़की को नौवीं मंजिल की ओर जाते हुए देखा गया था।

शुरुआती जांच से पता चला है कि लड़की किसी निजी कारण से मानसिक तनाव में थी। परिवार के अनुसार, पूरा परिवार कुछ ही दिनों में केदारनाथ यात्रा पर जाने वाला था, लेकिन इस दुखद घटना के बाद परिवार में मातम छा गया है।

13 साल की बच्ची की 42 वर्षीय युवक से शादीः दादा-दादी और दूल्हे सहित 13 पर एफआईआर

इंदौर, 21 मई (एजेंसियां)। इंदौर के रंगवासा क्षेत्र से बाल विवाह का मामला सामने आया है। यहां पारिवारिक रिश्तों के ताने-बाने और सामाजिक दबाव के चलते एक 13 साल की बच्ची की शादी जबरन 42 साल के युवक से करा दी गई। मामले में राऊ पुलिस ने दूल्हे, उसके परिजनों और बच्ची के दादा-दादी सहित कुल 13 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला व बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी रजनीश सिन्हा ने बताया कि यह पूरा मामला एक शर्त और पारिवारिक दबाव के कारण हुआ। दरअसल, रंगवासा निवासी बुजुर्ग दादा को अपने 19 साल के पोते के लिए बहू लाना थी।

पोते की पत्नी (यानी बच्ची की भाभी) ने शर्त रखी थी कि वह इस घर में शादी तभी करेगी, जब उसकी ननद (बच्ची) की शादी उसके सगे चाचा (42 वर्षीय युवक) से कराई जाएगी। पोते के घर बसाने की इस शर्त को पूरा करने के लिए दादा-दादी ने अपनी ही मासूम पोती का सौदा कर दिया। फ्लाइंग स्क्वाड प्रभारी महेंद्र पाठक ने बताया कि शादी के बाद भी परिवार द्वारा बच्ची पर ससुराल जाने के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा था।

फरार पति समर्थ सिंह ने हाईकोर्ट में लगाई अग्रिम जमानत याचिका, पुलिस ने बढ़ाई इनाम राशि

जबलपुर, 21 मई (एजेंसियां)। नोएडा निवासी ट्विशा शर्मा की भोपाल स्थित ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत का मामला लगातार नए मोड़ ले रहा है। मामले में मुख्य आरोपित पति समर्थ सिंह ने गिरफ्तारी से बचने के लिए अब हाई कोर्ट की शरण ली है। समर्थ पहले से ही फरार चल रहा है और उसकी तलाश में जुटी पुलिस ने उस पर घोषित इनाम राशि बढ़ाकर 30 हजार रुपये कर दी है। पहले समर्थ पर 10000 रुपये इनाम घोषित किया गया था।

जानकारी के अनुसार, समर्थ सिंह की अग्रिम जमानत याचिका पहले भोपाल की अदालत से खारिज हो चुकी है। इसके बाद उसने राहत पाने के लिए अब हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की है। उधर, ट्विशा शर्मा के स्वजन भी कानूनी लड़ाई को आगे बढ़ाने की तैयारी में हैं। सत्र न्यायालय द्वारा दोबारा पोस्टमार्टम कराने की मांग संबंधी याचिका खारिज किए जाने के बाद अब परिवार इस मामले को जबलपुर हाई कोर्ट में चुनौती देने जा रहा है। मामले में सीबीआई जांच की संभावना भी तेज होती दिखाई दे रही है।

सूत्रों के अनुसार, ट्विशा के परिजनों की मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव से हुई मुलाकात में उन्होंने सीबीआई जांच के मुद्दे पर सहमति जताई थी। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि प्रदेश सरकार जल्द ही केंद्र सरकार को इस संबंध में पत्र भेज सकती है। इसी बीच मामले ने नया मोड़ तब ले लिया, जब ट्विशा की सास और पूर्व जज गिरिबाला सिंह का कथित ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वायरल ऑडियो में ट्विशा पर गंभीर आरोप लगाए जाने की बात सामने आई है। पुलिस ने इस ऑडियो को भी जांच के दायरे में शामिल कर लिया है।

सरकारी अस्पताल का कारनामा, मृत महिला को आईजीएमसी शिमला के लिए कर दिया रेफर

सोलन, 21 मई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में जिला सोलन के सिविल अस्पताल अर्की में पथरी के ऑपरेशन के बाद एक महिला की मौत हो गई। अस्पताल प्रशासन ने महिला को मृत हालत में ही आईजीएमसी शिमला के लिए रेफर कर दिया। इस मामले के बाद परिवार के सदस्यों ने उपचार प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं। घटना के बाद क्षेत्र में रोष का माहौल है और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की जा रही है। जानकारी के अनुसार 44 वर्षीय सीमा पत्नी हंस राज निवासी चुनाड़ी गांव, ग्राम पंचायत भूमती को पथरी की समस्या के चलते अर्की अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। अस्पताल में उनका ऑपरेशन किया गया, लेकिन ऑपरेशन के बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल प्रशासन ने उन्हें महिला की वास्तविक स्थिति के बारे में समय पर सही जानकारी नहीं दी। मृतका के पति हंस राज, भाई नित्या नन्द तथा दामाद दिनेश शर्मा ने बताया कि अस्पताल की ओर से उन्हें कहा गया कि मरीज की हालत गंभीर है और उसे बेहतर उपचार के लिए शिमला स्थित आईजीएमसी रेफर किया जा रहा है।

संपत्ति मामले में 360 डिग्री का टर्न

जिन्हें समझ रहे टीएमसी सांसद वो अभिषेक-सयानी निकले कोई और

कोलकाता, 21 मई (एजेंसियां)। अभिषेक बनर्जी की प्रॉपर्टी में सयानी घोष के नाम के बाद जो विवाद पनपा था, उस पर अब विराम लग गया है। अब यह पूरा मामला 360 डिग्री में घूम गया है या यूं कहें कि पूरी तरह से पलट गया। जिन दोनों नामों (टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी और टीएमसी सांसद सयानी घोष) पर विवाद हो रहा था, वो ठहरा कोई और। असल में जिनका वो फ्लैट है, उनका नाम भी सेम (अभिषेक बनर्जी-सयानी घोष) है। मगर ये टीएमसी के सांसद नहीं हैं बल्कि एक आम इंसान हैं, जिनका वो मकान है।

जब नगर निगम के अधिकारी पहुंचे तब सबकुछ क्लियर हो गया। दरवाजे पर लगी नेमप्लेट पर 'अभिषेक-सानी' लिखा था। जब अधिकारी ने डोर नॉक किया तो बाहर आए शख्स ने जो कहा, वह हैरान कर देने वाला था। शख्स ने कहा कि यह मेरा फ्लैट है, मेरा नाम अभिषेक बनर्जी है और मेरी पत्नी का नाम सयानी घोष है। इसके बाद इस विवाद पर सबकुछ साफ हो गया। संपत्ति का यह मामला पूरी तरीके से घूम गया। फ्लैट (19 डी, सेवन टैंक्स लेन रोड, 700030) के

मालिक अभिषेक बनर्जी ने बताया कि वह एक निजी संस्था में काम करता है। उसका पॉलिटिक्स से कोई लेना-देना नहीं है। उसकी पत्नी सयानी घोष पेशे से स्कूल टीचर हैं। अभिषेक अपने दो बच्चों और मां के साथ फ्लैट में रहते हैं।

अभिषेक ने कहा नगर निगम के अधिकारी पहले भी आए थे। मैंने हर तरह से सहयोग किया है। इस बार भी करूंगा। मैं 2022 से यहां रह रहा हूं। इस घटना से मुझे बहुत दुख हुआ है। इससे पहले टीएमसी सांसद सयानी घोष ने भी इस पर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की थी।

भारत-साउथ कोरिया का 'स्टार वॉर्स' वेपन प्रोजेक्ट

लेजर वेपन और एयर डिफेंस सिस्टम का प्लान

सियोल/नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। भारत और दक्षिण कोरिया मिलकर अगली पीढ़ी के हथियार सिस्टम बनाने और उनका उत्पादन करने के लिए तैयार हुए हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि कमर्शियल सेक्टर में औद्योगिक सहयोग की सफलता को अब रक्षा टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भी बढ़ाया जाना चाहिए। सूत्रों ने बताया कि दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल की अपनी द्विपक्षीय यात्रा के दौरान राजनाथ सिंह ने कई समझौते किए हैं। इनमें उभरते हवाई खतरों का मुकाबला करने के लिए अगली पीढ़ी की टेक्नोलॉजी जैसे लेजर हथियार और मोबाइल एयर डिफेंस प्लेटफॉर्म मिलकर विकसित करने की योजनाएं शामिल हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा कोरिया की तकनीकी उत्कृष्टता, भारत के बड़े पैमाने, प्रतिभा, मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम और इनोवेशन क्षमताओं के साथ मिलकर सहयोग के लिए एक मजबूत आधार बनाती है। साथ मिलकर हमारे दोनों देश भविष्य के लिए एडवांस टेक्नोलॉजी और रक्षा सिस्टम मिलकर विकसित और उत्पादित कर सकते हैं। राजनाथ सिंह ने रिपब्लिक ऑफ कोरिया (आरओके) के रक्षा मंत्री आन ग्यू-बैक के साथ द्विपक्षीय चर्चा की। इस दौरान बातचीत का मुख्य जोर औद्योगिक सहयोग, संयुक्त उत्पादन, समुद्री सुरक्षा और उभरती टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर था।

सूत्रों ने बताया कि इस यात्रा के दौरान भारतीय रक्षा कंपनी लार्सन एंड टर्बो ने भविष्य के लिए गाइडेड एनर्जी वेपन्स और ऑटोमेटिक एयर डिफेंस सिस्टम मिलकर विकसित और उत्पादित करने के लिए समझौते किए। अधिकारियों ने कहा कि हनवा कंपनी लिमिटेड के साथ किए गए ये दो समझौते भारत-कोरिया रक्षा इनोवेशन और टेक्नोलॉजी साझेदारी के लिए एक मजबूत भविष्य का संकेत देते हैं। राजनाथ सिंह ने दक्षिण कोरिया के रक्षा अधिग्रहण कार्यक्रम प्रशासन के मंत्री ली योंग-चुल से भी मुलाकात की। दोनों नेताओं ने संयुक्त विकास के साथ-साथ संयुक्त निर्यात के अवसर पैदा करने के लिए अपने आपसी प्रयासों का उपयोग करने पर सहमति जताई।

राजनाथ सिंह ने भारत-आरओके रक्षा उद्योग व्यापार गोलमेज सम्मेलन की अध्यक्षता भी की जिसमें दोनों देशों के वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और प्रमुख रक्षा उद्योग प्रतिनिधि एक साथ शामिल हुए।

इस बीच ऑपरेशन सिंदूर के बाद आपातकालीन वित्तीय शक्तियों का इस्तेमाल करके हासिल किए गए सेना के नए लंबी दूरी के रॉकेट सिस्टम ने ओडिशा के चांदीपुर में किए गए लाइव-फायरिंग ट्रायल के दौरान सटीक निशाना लगाने की क्षमता दिखाई है।

निबा लिमिटेड की तरफ से बनाए गए 'सूर्यास्त्र यूनिवर्सल रॉकेट लॉन्चर' ने 150 किमी और 300 किमी की दूरी पर रॉकेट दागे और लक्ष्यों पर पूरी सटीकता के साथ निशाना लगाया। 300 किलोमीटर की दूरी से दागे जाने पर इन रॉकेटों ने लक्ष्य के 2 मीटर के दायरे में ही निशाना लगाने की सटीकता हासिल की।

ईरान जंग पर ट्रम्प-नेतन्याहू में टकराव: अमेरिका डील चाहता है

इजराइल बोला- हमला नहीं रुकना चाहिए, ऐसा किया तो गलती होगी

तेल अवीव/तेहरान, 21 मई (एजेंसियां)। ईरान युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू चाहते हैं कि ईरान पर हमले जारी रहें, जबकि ट्रम्प फिलहाल बातचीत और डील को मौका देना चाहते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार को दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक फोन पर बातचीत हुई। अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि नेतन्याहू ने ट्रम्प से कहा कि ईरान पर प्रस्तावित हमले रोकना गलती है और सैन्य कार्रवाई जारी रहनी चाहिए।

ट्रम्प ने रविवार को नेतन्याहू को बताया था कि अमेरिका ईरान पर नए टारगेटेड हमले की तैयारी कर रहा है।

इस ऑपरेशन को 'ऑपरेशन स्लेजहैमर' नाम दिया जाना था। लेकिन करीब 24 घंटे बाद ट्रम्प ने घोषणा कर दी कि मंगलवार के लिए तय हमलों को फिलहाल रोक दिया गया है। ट्रम्प ने कहा कि कतर, सऊदी अरब और यूएई जैसे खाड़ी देशों की अपील पर यह फैसला लिया गया।

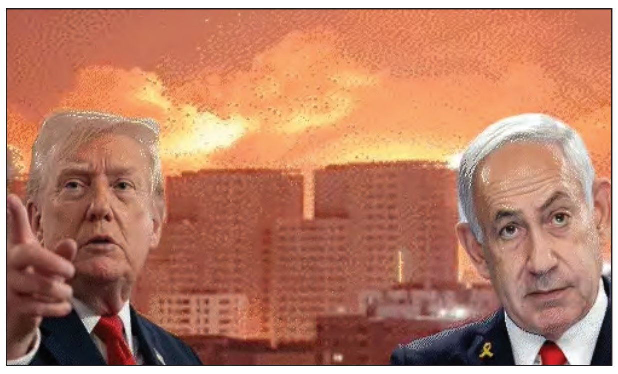

अमेरिकी संसद में ईरान जंग रोकने वाला प्रस्ताव पास: अमेरिकी सीनेट में ट्रम्प की सैन्य शक्तियों को सीमित करने वाला प्रस्ताव 50-47 से पास हुआ। 4 रिपब्लिकन सांसदों ने भी ट्रम्प के खिलाफ वोट दिया। अगर कानून बना तो ईरान के खिलाफ जंग जारी रखने के लिए ट्रम्प को कांग्रेस की मंजूरी लेनी होगी।

ट्रम्प बोले- ईरान की नेवी और एयरफोर्स खत्म: यूएस कोस्टगार्ड एकेडमी में ट्रम्प ने दावा किया कि ईरान की नौसेना और वायुसेना लगभग खत्म हो चुकी है। उन्होंने कहा कि अब सवाल सिर्फ यह है कि अमेरिका आगे पूरी कार्रवाई करेगा या ईरान समझौता करेगा।

ईरान की मंजूरी से 26 जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजरे: आईआरजीसी ने दावा किया कि पिछले 24 घंटे में 26 जहाज ईरानी मंजूरी के बाद होर्मुज स्ट्रेट से गुजरे। इनमें तेल टैंकर और कॉमर्शियल जहाज शामिल थे।

यूएई होर्मुज बायपास करने के लिए नई पाइपलाइन बना रहा: एडीएनओसी ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट को बायपास करने वाली नई तेल पाइपलाइन का 50% काम पूरा हो चुका है। युद्ध के बाद फुजैराह तेल हब पर ड्रोन हमलों की घटनाएं भी सामने आई हैं।

यूएन ने चेतावनी दी- होर्मुज संकट से फूड क्राइसिस का खतरा: यूएन की फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन ने कहा कि होर्मुज में रुकावट बढ़ी तो दुनिया में खाद्य संकट और महंगाई बढ़ सकती है। एजेंसी ने देशों से वैकल्पिक सप्लाई रूट तैयार करने की अपील की।

सिग्नल पर बाइक सवारों को कार ने कुचला, 3 मौतें

दुर्ग-भिलाई, 21 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में चंद्रा मौर्य चौक पर 17 मई को रेड सिग्नल पर हुए सड़क हादसे में अब मृतकों की संख्या 3 हो गई है। हादसे में गंभीर रूप से घायल सलीम अली (35) ने 20 मई की रात इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मामला सुपेला थाना क्षेत्र का है।

सलीम ICU में भर्ती था और जिंदगी की जंग लड़ रहा था। बता दें कि इस हादसे से सिर्फ दो दिन पहले ही सलीम के घर बेटी का जन्म हुआ था। पत्नी उसी समय अस्पताल में भर्ती थी और इसी दौरान परिवार को एक्सीडेंट की खबर मिली।

इस हादसे में पहले ही नूर खान (15) और मनोहर कुमार गोनाडे (55) की मौत हो चुकी थी। बाइक सवार AC बनाने का काम करते हैं, वे कहीं रिपेयर के काम से जा रहे थे। रेड सिग्नल पर खड़े थे, तभी तेज रफ्तार कार ने पीछे से आकर उन्हें टक्कर मार दी। पुलिस ने कार ड्राइवर सागर जायसवाल को हिरासत में ले लिया है।

जानकारी के मुताबिक, यह हादसा 17 मई की दोपहर करीब 2:38 बजे हुआ था। दुर्ग में दो अलग-अलग बाइक और स्कूटी पर 3 लोग सवार थे। वे सुपेला से पावर हाउस की तरफ जाते समय चंद्रामौर्या चौक पर रेड सिग्नल पर खड़े थे।

इसी दौरान काले रंग की फोर्ड इकोस्पोर्ट कार (CG-07-BR-0571) लेकर सागर जायसवाल तेज रफ्तार में दुर्ग से रायपुर की ओर जा रहा था।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार ड्राइवर ने सिग्नल तोड़ते हुए लापरवाहीपूर्वक गाड़ी चलाई और बाइक-स्कूटी सवारों को अपनी चपेट में ले लिया।

कार काफी तेज रफ्तार में थी और ड्राइवर वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया।

यूपी में महंगाई भत्ता 2% बढ़ाकर 60% किया

28 लाख कर्मचारी-पेंशनर्स को फायदा जनवरी-2026 से एरियर मिलेगा

लखनऊ, 21 मई (एजेंसियां)। यूपी सरकार ने गुरुवार (21 मई) को राज्य कर्मचारियों और पेंशनर्स का महंगाई भत्ता (DA) 2% बढ़ा दिया। अब 58% की जगह 60% महंगाई भत्ता मिलेगा। प्रदेश में 16 लाख कर्मचारी और 12 लाख पेंशनर्स हैं। यानी, कुल 28 लाख कर्मचारियों को इसका फायदा मिलेगा।

राज्य वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार ने बताया कि 1 जनवरी, 2026 से कर्मचारी और पेंशनर्स को 60% महंगाई भत्ते की दर से भुगतान किया जाएगा।

कर्मचारियों को 1 जनवरी से 30 अप्रैल तक का बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता एरियर के तौर पर उनके भविष्य निधि (PF) खाते में जमा किया जाएगा। जबकि 1 मई से बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता जून में मिलने वाले वेतन में दिया जाएगा।

वहीं, पेंशनर्स को 1 जनवरी से 30 अप्रैल तक के बढ़े हुए महंगाई भत्ते का एरियर उनके पेंशन खाते में जमा किया जाएगा। 1 मई से बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता जून में मिलने वाली पेंशन के साथ मिलेगा।

महंगाई भत्ते की गणना कर्मचारी की बेसिक सैलरी के आधार पर की जाती है। उदाहरण से समझते हैं कि इस 2% की बढ़ोतरी से यूपी सरकार के कर्मचारियों की जेब में कितने रुपए बढ़ेंगे।

बिहार में आकाशीय बिजली गिरने से 3 की मौत

पटना, 21 मई (एजेंसियां)। भीषण गर्मी के बीच बिहार के कई जिलों का मौसम बदल गया। सहरसा, बेगूसराय, कटिहार, सहरसा समेत कई जिलों में तेज हवा के साथ बारिश हुई। सुपौल, मधुबनी में भी काले बादल छाने से अंधेरा छा गया। दरभंगा में आंधी-बारिश के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में फॉल्स सीलिंग गिर गई। मधेपुरा में बिजली गिरने से दो युवकों की मौत हो गई। 5 घायल हैं। सहरसा में बिजली गिरने से किसान की जान चली गई। मौसम विभाग ने बिहार के 7 जिलों बारिश का अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में आंधी-बारिश, आकाशीय बिजली की चेतावनी जारी की गई है। इधर, पटना समेत बिहार के कई जिले भीषण गर्मी की चपेट में हैं। जमुई में गर्मी के चलते क्लासरूम में सातवीं कक्षा के छात्र की अचानक तबीयत बिगड़ गई। जमुई का तापमान गुरुवार को 40 डिग्री दर्ज किया गया। भीषण गर्मी के कारण गयाजी में पांचवीं तक के स्कूल बंद हो गए हैं, जबकि क्लास 6 से आठवीं तक सुबह 11 बजे तक ही पढ़ाई होगी।

ट्रंप और पुतिन के बाद अब शहबाज शरीफ भी जाएंगे चीन

23 मई को बीजिंग पहुंचेंगे पाकिस्तानी पीएम

बीजिंग, 21 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ 23 मई को चीन दौरे पर जाएंगे। इसकी पुष्टि चीनी विदेश मंत्रालय ने की है। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को घोषणा की कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ 23 से 26 मई तक चीन के दौरे पर रहेंगे। शहबाज शरीफ का चीन दौर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दौरे के बाद हो रहा है। दोनों नेता इसी महीने चीन के दौरे पर पहुंचे थे।

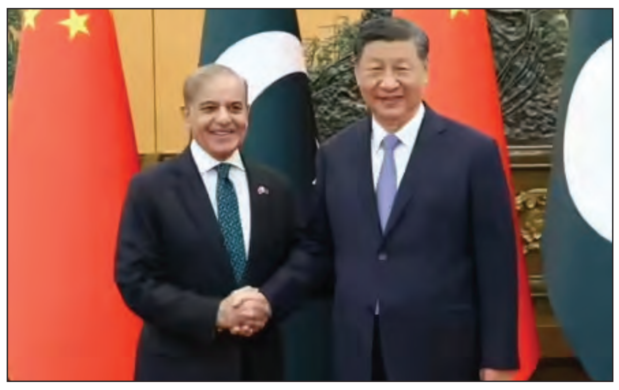

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने शनिवार से मंगलवार तक होने वाली इस यात्रा के बारे में कहा, चीन और पाकिस्तान के नेता द्विपक्षीय संबंधों और साझा चिंता के मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श करेंगे। इस्लामाबाद ने गुरुवार को इस यात्रा की तत्काल पुष्टि नहीं की। गुओ जियाकुन ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि शरीफ ली के न्यौते पर आ रहे हैं। गुओ ने कहा कि शरीफ की यह यात्रा दोनों देशों के बीच एक महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय आदान-प्रदान होगी।

उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने प्रमुख अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर घनिष्ठ संवाद बनाए रखा है, अपने साझा हितों की प्रभावी ढंग से रक्षा की है और क्षेत्रीय शांति, स्थिरता एवं विकास को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि चीन को उम्मीद है कि दोनों पक्ष इस यात्रा को पारंपरिक मित्रता को आगे बढ़ाने, सहयोग को गहरा करने एवं घनिष्ठ चीन पाकिस्तान संबंधों को और गहरा करने की दिशा में एक नया अध्याय लिखने के अवसर के रूप में लेंगे। शी जिनपिंग ने बृहस्पतिवार को दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ पर अपने पाकिस्तानी समकक्ष आसिफ अली जरदारी को बधाई भी दी। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार शी ने कहा कि चीन और पाकिस्तान के बीच की दोस्ती हमेशा से चट्टान की तरह मजबूत एवं अटूट रही है।

यूएन में भारत बोला- नरसंहार का इतिहास रखने वाला पाकिस्तान कश्मीर पर भाषण दे रहा

न्यूयार्क, 21 मई (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत ने पाकिस्तान पर तीखा हमला बोला। पाकिस्तान द्वारा जम्मू-कश्मीर मुद्दा उठाने पर भारत ने कहा कि नरसंहार का इतिहास रखने वाला देश भारत के आंतरिक मामलों पर भाषण दे रहा है।

बुधवार को यूएनएससी में सशस्त्र संघर्षों में नागरिकों की सुरक्षा पर आयोजित बहस के दौरान पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया। इसके जवाब में भारत के स्थायी प्रतिनिधि हरीश पर्वथनेनी ने पाकिस्तान पर कड़ा पलटवार किया।

पर्वथनेनी ने कहा कि पाकिस्तान का रिकॉर्ड दिखाता है कि वह अपनी आंतरिक विफलताओं को छिपाने के लिए हिंसा और आक्रामकता का सहारा लेता रहा है।

भारत ने अफगानिस्तान में पाकिस्तान की सैन्य कार्रवाई का भी जिक्र किया। पर्वथनेनी ने कहा कि इस साल रमजान के दौरान पाकिस्तान ने काबुल के ओमिद एडिक्शन ट्रीटमेंट अस्पताल पर बर्बर हवाई हमला किया था।

उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन यूएनएएमए का हवाला देते हुए कहा कि इस हमले में 269 नागरिकों की मौत हुई और 122 लोग घायल हुए थे। भारत ने कहा कि यह हमला ऐसे अस्पताल पर हुआ, जिसे किसी भी तरह सैन्य ठिकाना नहीं कहा जा सकता।

पर्वथनेनी ने पाकिस्तान पर अंधेरे में निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यूएनएएमए के मुताबिक, पाकिस्तान की सीमा पार हिंसा के कारण 94 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित हुए।

भारत ने 1971 के ऑपरेशन सर्चलाइट का भी जिक्र किया। पर्वथनेनी ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान की सेना ने उस दौरान 4 लाख महिलाओं के खिलाफ संगठित सामूहिक दुष्कर्म अभियान चलाया था।

इंजीनियरिंग कॉलेज के गर्ल्स हॉस्टल में मिला छात्रा का शव

मोतिहारी, 21 मई (एजेंसियां)। मोतिहारी इंजीनियरिंग कॉलेज के गर्ल्स हॉस्टल में गुरुवार को एक छात्रा का फंदे से लटका शव मिला है। मृतका की पहचान रिमी कुमारी (21) के रूप में हुई है, जो 5वें सेमेस्टर में पढ़ती थी। बुधवार की शाम वो बेतिया से एग्जाम देकर हॉस्टल लौटी थी। घटना मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के मोतिहारी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग की है। डॉक्टर की शुरुआती जांच में स्टूडेंट के गले पर हैंगिंग के निशान मिले हैं। वहीं, कॉलेज के प्रिंसिपल ने बताया कि लड़की बेहोशी की हालत में बेड पर मिली थी।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। छात्रा के दोस्तों से पूछताछ की जा रही है।

क्यूबा में अमेरिका का होगा ईरान वाला हाल?

सैन्य कार्रवाई के मूड में ट्रंप, भेजा एयरक्राफ्ट कैरियर

वॉशिंगटन, 21 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने पड़ोसी देश क्यूबा के खिलाफ जंग छेड़ने के मूड में हैं। उन्होंने क्यूबा की एनर्जी सप्लाई काटने के बाद अब एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस निमित्ज को पूरे कैरियर ग्रुप के साथ तैनात कर दिया है। यह तैनाती उस बेड़े की तरह ही है जिसे उन्होंने वेनेज़ुएला पर हमला करने से पहले वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हटाने के लिए चारों ओर तैनात किया था। ट्रंप और उनके सहयोगियों ने कहा है कि वे क्यूबा में सत्ता पलटना चाहते हैं। ट्रंप ने इशारों-इशारों में कहा है कि अमेरिका क्यूबा को अपने कब्ज़े में ले सकता है, लेकिन विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है, हम वहां सत्ता बदलते देखना चाहेंगे। हालांकि, अमेरिका को डर है कि कहीं वह क्यूबा पर हमला करके ईरान के जैसे फंस न जाए।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब क्यूबा के नेताओं ने टकराव से बचने की कोशिश में ट्रंप प्रशासन के साथ बातचीत तेज कर दी है। पिछले हफ्ते, अमेरिकी खुफिया एजेंसी CIA के निदेशक जॉन रैटक्लिफ ने क्यूबा का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने क्यूबा के शक्तिशाली कास्त्रो परिवार के सदस्य राउल गुइलेर्मो रोड्रिगेज कास्त्रो, साथ ही गृह मंत्री लाजारो अल्वारेज कासास और क्यूबा की खुफिया सेवाओं के प्रमुख के साथ बातचीत की।

ट्रंप के निर्देश पर, अमेरिकी नौसेना ने क्यूबा के बंदरगाहों की घेराबंदी कर दी है, जिससे यह देश गहरे ऊर्जा संकट में फंस गया है। आपूर्ति कम होने के कारण, क्यूबा को लंबे समय तक बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है और स्वास्थ्य सेवा जैसी जरूरी सेवाएं भी बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। कैरियर स्ट्राइक ग्रुप की तैनाती के साथ ही, क्यूबा के आसपास सैन्य विमानों और ड्रोन की उड़ानों में भी बढ़ोतरी देखी गई है। इस तरह की हवाई गतिविधियों में बढ़ोतरी को अक्सर इस बात का संकेत माना जाता है कि किसी सैन्य अभियान की तैयारी चल रही है।

इस बीच अमेरिकी इंटेलिजेंस कम्युनिटी इस बात का विश्लेषण कर रही है कि क्यूबा किसी सैन्य कार्रवाई पर कैसी प्रतिक्रिया दे सकता है। इस महीने की शुरुआत में, जब अमेरिकीइंटेलिजेंस कम्युनिटी 'यूनिवर्सल' नाम के एक प्रतिबंधित, रूसी झंडे वाले तेल टैंकर पर नजर रख रही थी, जो क्यूबा जा रहा था, तो पेंटागन और डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी (जो अमेरिकी सेना की इंटेलिजेंस शाखा है) के विश्लेषकों ने इस बात का विश्लेषण करना शुरू कर दिया कि कैरिबियन देश पर किसी अमेरिकी हमले की स्थिति में क्यूबा की क्या प्रतिक्रिया होगी।

इस तरह के इंटेलिजेंस पूर्वानुमान न केवल किसी अमेरिकी कार्रवाई के तत्काल परिणामों को दिखाने का प्रयास करते हैं, बल्कि उसके बाद होने वाली प्रतिक्रियाओं की पूरी श्रृंखला को भी दर्शाते हैं।

चीन और पाकिस्तान सुपरपावर, भारत को बर्बाद कर देंगे

पूर्व पाक एनएसए ने कश्मीर और सिंधु जल संधि पर धमकाया

इस्लामाबाद, 21 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) नासिर खान जंजुआ ने एक टीवी इंटरव्यू में भारत को जमकर गीदड़भभकी दी है। उन्होंने पाकिस्तान को सुपरपावर बताया और कहा कि चीन के साथ मिलकर वह भारत को बर्बाद कर देगा। इतना ही नहीं, नासिर खान जंजुआ ने ताकत के दम पर कश्मीर और सिंधु जल संधि का मुद्दा भी हल करने की भी बात भी कही। यह बयान उन्होंने पाकिस्तान के वरिष्ठ पत्रकार हामिद मीर के साथ एक टीवी इंटरव्यू में दिया है।

लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) नासिर खान जंजुआ ने कहा, आप देख रहे हैं कि इस समय भारत ने जो नीति अपनाई है और जिस रास्ते पर वह चल रहा है, उससे उसके दुश्मन बढ़ गए हैं। जो भविष्य की महाशक्ति है—यानी, भारत ने उसे एक विरोधी के तौर पर पेश किया है—तो अभी भारत के सामने एक तरफ चीन है और दूसरी तरफ पाकिस्तान। चीन लगातार आगे बढ़ रहा है, और इंशा अल्लाह, इंशा अल्लाह, पाकिस्तान भी आगे बढ़ेगा। तो भविष्य के लिहाज से यह बिल्कुल सही है। वह समय जरूर आएगा, जब हम कश्मीर का मसला भी हल कर लेंगे और पानी से जुड़े मुद्दे भी सुलझा लेंगे। अभी भारत के सामने एक तरफ चीन है और दूसरी तरफ पाकिस्तान। चीन लगातार आगे बढ़ रहा है, और इंशा अल्लाह, इंशा अल्लाह, पाकिस्तान भी आगे बढ़ेगा।

कौन हैं नासिर खान जंजुआ?

नासिर खान जंजुआ पाकिस्तान सेना के पूर्व तीन सितारा जनरल हैं। उन्होंने रिटायरमेंट से पहले क्वेटा कोर कमांडर के रूप में काम किया है। नासिर खान जंजुआ 23 अक्टूबर 2015 से 27 जून 2018 तक पाकिस्तान के 7वें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) भी रहे। उन्होंने इस्लामाबाद स्थित नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष के रूप में भी काम किया है।

उन्होंने भारत के खिलाफ सियाचिन संघर्ष में भाग लिया था। 2005 में ब्रिगेडियर के रूप में उन्होंने सियाचिन में सियाचिन ब्रिगेड की कमान संभाली थी। उन्होंने एलओसी पर झड़पों से बचने के लिए 23 मई 2006 को भारतीय सेना के साथ सैन्य वार्ता में भी भाग लिया था।

जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर्स ने मंगल पांडे के रिश्तेदार को पीटा

पटना के आईजीआईएमएस में लात-घूंसे बरसाए, सिर फोड़ा, लोग बोले- पुलिस-सिक्योरिटी तमाशा देखते रहे

पटना, 21 मई (एजेंसियां)। पटना के इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आईजीआईएमएस) में गुरुवार को जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर्स ने इंजीनियरिंग विभाग के कर्मचारियों को जमकर पीटा है।

तीनों कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, लगभग 200 जूनियर रेजिडेंट छात्रों ने इलेक्ट्रिकल विभाग में घुसकर कर्मचारियों और इंजीनियरों के साथ मारपीट की।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, करीब आधे घंटे तक अस्पताल में भगदड़ और भय का माहौल रहा, जिसमें मरीज, उनके परिजन और अस्पताल कर्मी इधर-उधर भागते नजर आए। इस दौरान अस्पताल में तैनात सुरक्षा गार्ड और पुलिसकर्मी मूकदर्शक बने रहे, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं।

बताया जा रहा कि घायल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर अशोक मिश्रा पूर्व स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय के चचेरे साला हैं।

विवाद की शुरुआत बुधवार शाम करीब साढ़े पांच बजे हुई थी। रेडियोलॉजी विभाग में एसी ठीक करने पहुंचे इलेक्ट्रिकल इंजीनियर रिशु मिश्रा और कुछ जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर्स के बीच कहासुनी हो गई थी। आरोप है कि उस समय भी 10 से 20 जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर्स ने रिशु मिश्रा के साथ मारपीट की थी।

घटना के बाद रिशु मिश्रा ने संस्थान के निदेशक से शिकायत की और कार्रवाई की मांग की, लेकिन पीड़ित पक्ष का कहना है कि प्रशासन ने इस मामले में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। पीड़ित पक्ष के अनुसार, गुरुवार को रिशु मिश्रा अपने पिता अशोक मिश्रा और लिफ्ट इंजीनियर अमन कुमार के साथ दोबारा संस्थान के निदेशक से मिलने पहुंचे थे। वे बुधवार की घटना को लेकर कार्रवाई की मांग करना चाहते थे। बताया जा रहा है कि निदेशक से मुलाकात नहीं हुई तो तीनों वापस लौट रहे थे।

इसी दौरान डेंटल विभाग के पहले तल्ले पर स्थित इलेक्ट्रिकल विभाग के पास बड़ी संख्या में मौजूद जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर्स ने उन्हें घेर लिया।

श्रीराम के वियोग में हनुमान जी ने क्या किया ?

बजरंगबली की रहस्य से भरी कहानी

भगवान श्रीराम और हनुमान जी के प्रेम, भक्ति और समर्पण की कथा तो हम सभी जानते हैं। कहा जाता है कि हनुमान जी केवल भगवान राम के सबसे बड़े भक्त ही नहीं थे, बल्कि वे उनके अनन्य सेवक और परम प्रिय भी थे। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जब भगवान श्रीराम ने सरयू नदी में जल समाधि लेकर अपने धाम प्रस्थान किया, तब उनके सबसे प्रिय भक्त हनुमान जी का क्या हुआ? आखिर अपने प्रभु के पृथ्वी लोक छोड़ने के बाद हनुमान जी कहां गए उनके साथ क्या हुआ। तो आइए जानते हैं इससे जुड़ी कथा के बारे में-

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान श्रीराम जगत के पालनहार भगवान विष्णु के ही अवतार थे। भगवान राम का ये अवतार मानव रूप में था यानि के उन्होंने मानव देह धारण की थी, इसी वजह से वे जानते थे कि एक न एक दिन उन्हें इस संसार के नियम के पालन हेतु ये संसार रूपी देह का त्याग करना ही होगा।

जब श्री राम के अंत का समय आया तो उनके साथ-साथ उनके प्रियजनों ने भी जल समाधि ली थी सिर्फ हनुमान जी को छोड़कर क्योंकि कथाओं के अनुसार माना जाता है कि श्रीराम चाहते थें कि हनुमान जी इसी पृथ्वी पर रहें। श्री राम इस बात से अच्छी तरह से परिचित थे कि हनुमान जी के रहते वह आसानी से अपने शरीर का त्याग नहीं कर सकते। इसके लिए उन्होंने हनुमान जी को किसी और कार्य में उलझाने के बारे में सोचा।

जब जल समाधि लेने का समय आया तब, श्री राम ने एक दरार में अपनी अंगूठी गिरा दी और हनुमान जी को बुलाया और कहा कि मेरी अंगूठी इस महल की दरार में गिर गई है और उन्होंने ने हनुमान जी को वो अंगूठी ढूंढने को बाहर निकालने को कहा। अपने प्रभु श्री राम की बात सुनते ही हनुमान जी ने उस अंगूठी को ढूंढना शुरू दिया। अंगूठी को ढूंढते-ढूंढते हनुमान जी नागलोक तक चले गए। वहां जाकर वह नागों के राजा वासुकी से मिले और अपने आने के उद्देश्य के बारे में बताने लगे। वासुकी हनुमान जी को नागलोक के बीचों बीच ले गए और उन्हें अंगूछियों के लगे ढेर की और इशारा करते हुए उनसे अंगूठी ढूंढने के लिए कहा। वहां अंगूठियों का ढेर लगा देखकर हनुमान जी सोच में पड़ गए क्योंकि वहां पर हर अंगूठी पर श्री राम लिखा हुआ था।

हनुमान जी जान गए कि श्री राम ने उन्हें जानबुझकर यहां भेजा है। हनुमान जी उदास देखकर नागराज वासुकी ने उन्हें समझाया कि भगवान श्री राम को एक न एक दिन इस संसार को त्यागना ही था और अभी तक तो वह संसार को त्याग चुके होंगे। हनुमान जी को जब इस बात का आभास हुआ तो उन्होंने अयोध्या न लौटने का निर्णय किया क्योंकि उन्होनें सोचा कि जहां मेरे प्रभु श्री राम ही नहीं वहां जाकर मैं क्या करूंगा। कहते हैं कि हनुमान जी अयोध्या न लौटकर यहां से दूर किंपुरुष नामक लोक में चले गए। पौराणिक कथाओं और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ये एक ऐसा लोक माना गया है जहां वानर, किन्नर, यक्ष आदि जैसे जीव वास करते हैं। इस स्थान को स्वर्ग के समान ही माना गया है। कहा जाता है कि उस लोक में सदा श्री राम के गुणों का गान किया जाता है।

भगवान कृष्ण के वरदान से 'मलमास' कैसे बना 'पुरुषोत्तम मास

सनातन धर्म में 17 मई से एक अत्यंत पावन काल का आरंभ हो चुका है, जिसे हम 'पुरुषोत्तम मास' के नाम से जानते हैं। 15 जून तक चलने वाला यह महीना भक्ति, तप और दान के लिए सर्वश्रेष्ठ माना गया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जिस महीने को कभी 'मलमास' कहकर तिरस्कृत किया जाता था, वह भगवान विष्णु का सबसे प्रिय महीना कैसे बना? आइए जानते हैं इसके पीछे की रोचक पौराणिक कथाप्राचीन काल में जब अधिक मास की उत्पत्ति हुई तब उस माह में सूर्य संक्रांति नहीं थी और न ही उस माह का कोई स्वामी था। इसी कारण उस माह को मंगल कार्य एवं श्राद्ध आदि के लिए निषिद्ध माना जाने लगा। इस व्यवहार से मलमास बहुत व्यथित हुआ और अपना धीरज खोने लगा। वह दुखी होकर बैकुंठ पहुंचा और भगवान विष्णु के समक्ष दुखी होकर कहने लगा। तभी विष्णु ने पूछा, ''तुम कौन हो? वैकुंठ में दुख, शोक, मृत्यु आदि का प्रवेश निषेध है? ऐसे धाम में आकर भी तुम क्यों शोकग्रस्त हो?''

भगवान की प्रेम भरी वाणी सुनकर मलमास बोला, ''मैं मलमास हूं। विश्व में क्षण, लव, मुहूर्त, पक्ष, मास, दिन-रात सभी अपने-अपने अधिपतियों के संरक्षण में रहकर आनंद मनाते हैं। एक मैं ही अभागा हूं जिसका कोई अधिपति नहीं है। संसार के लोग मुझे निंदनीय समझकर मेरा तिरस्कार कर रहे हैं। मैं आपकी शरण में आया हूं। मुझ पर कृपा करें।''मलमास की ऐसी दशा देख कर भगवान थोड़े समय के लिए चिंतित हो गए। कुछ समय पश्चात वे बोले, ''तुम मेरे साथ भगवान श्री कृष्ण के धाम चलो, वे अवश्य ही तुम्हारे दुख का निवारण करेंगे।'' ऐसा कह कर मलमास को लेकर गोलोक की ओर चल पड़े। श्री कृष्ण के प्रताप से वहां शोक, भय, दुख, बुढ़ापा, मृत्यु या रोग का नाम नहीं था। श्री कृष्ण पीताम्बर पहने हुए वहां विराजमान थे। वहां पहुंच कर विष्णु और मलमास भगवान श्री कृष्ण के श्री चरणों में नत हो गए। श्री कृष्ण ने श्री विष्णु से आने का कारण पूछा।

तब विष्णु ने बताया, ''यह मास अर्क संक्रमण से रहित होने के कारण मलिन हो चुका है। वेदविहित कर्मों के अयोग्य होने के कारण सब इसकी निंदा और अपमान कर रहे हैं। इसका कोई स्वामी नहीं है, इसी कारण यह बहुत व्यथित है। हे कृष्ण! आपके अतिरिक्त कोई इसके दुख का निवारण नहीं कर सकता।''

भगवान श्री कृष्ण ने कहा, ''आपने इसे यहां लाकर ठीक ही किया, इसके कष्ट निवारणार्थ मैं इसे अपने तुल्य करता हूं। मुझमें जितने भी गुण हैं उन सबको मैं मलमास को सौंप रहा हूं, मेरा जो नाम वेद, लोक और शास्त्र में विख्यात है, आज से उसी पुरुषोत्तम नाम से यह मलमास विख्यात होगा और मैं स्वयं इस मास का स्वामी हो गया हूं। जिस परमधाम में पहुंचने के लिए मुनि महर्षि तप में रत रहते हैं, वही पद पुरुषोत्तम मास में स्नान, पूजादि, अनुष्ठान करने वाले को सुगमता से प्राप्त हो जाएगा।''

इस प्रकार प्रति तीसरे वर्ष पुरुषोत्तम मास के आने पर जो संसारी उपवास, पूजा, भक्ति आदि करते हैं वे परमधाम गोलोक को प्राप्त करके परम सुख का भोग करते हैं।

जगन्नाथः जहां हवाओं की दिशा बदल जाती है

सुरेश गांधी

पुरी के जगन्नाथ धाम में आस्था केवल दर्शन नहीं, अनुभव बन जाती है। यहां रहस्य मंदिर की दीवारों पर नहीं लिखे जाते, वे श्रद्धालुओं के मन में उतरते हैं। समुद्र की लहरें जब ओडिशा के पुरी तट से टकराती हैं, तो उनकी आवाज केवल जल की गूंज नहीं लगती, बल्कि ऐसा प्रतीत होता है मानो प्रकृति स्वयं किसी अनदेखे उत्सव की तैयारी कर रही हो। सुबह की पहली किरण जैसे ही आकाश को छूती है, पुरी की गलियों में "जय जगन्नाथ" का स्वर फैलने लगता है। यह केवल एक उद्घोष नहीं, बल्कि एक भाव है, जो सदियों से भारत की सांस्कृतिक चेतना के भीतर प्रवाहित हो रहा है।

भारत में मंदिर बहुत हैं, तीर्थ भी असंख्य हैं, लेकिन पुरी का जगन्नाथ धाम अपने भीतर कुछ ऐसा समेटे हुए है जो केवल स्थापत्य या धार्मिकता से परिभाषित नहीं होता। यहां आस्था और रहस्य एक-दूसरे का हाथ थामे चलते हैं। यहां लाखों लोग भगवान के दर्शन करने आते हैं, लेकिन लौटते समय उनके साथ कुछ प्रश्न भी चले जाते हैं। आखिर मंदिर का ध्वज हवा की विपरीत दिशा में क्यों लहराता दिखाई देता है? क्यों मंदिर के शिखर पर लगा सुदर्शन चक्र हर दिशा से देखने पर सामने ही प्रतीत होता है? और सबसे बड़ा प्रश्न, आखिर वह कौन-सा "ब्रह्म तत्व" है जिसे लोकमान्यताओं में भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य हृदय से जोड़ा जाता है?

जगन्नाथ धाम की यात्रा केवल मंदिर तक पहुंचना नहीं है, यह प्रश्नों और विश्वासों के बीच चलने वाली यात्रा है। यहां तर्क रास्ता बनाता है और आस्था मंज़िल तय करती है। ध्वज जो हवा से अलग दिशा में अपनी कहानी लिखता है. पुरी के जगन्नाथ मंदिर के शिखर पर स्थापित ध्वज सदियों से आकर्षण का विषय रहा है। लोकविश्वास कहता है कि यह ध्वज सामान्य हवा की दिशा के विपरीत लहराता दिखाई देता है। एक सामान्य व्यक्ति के लिए यह दृश्य आश्चर्य से भर देने वाला हो सकता है। समुद्र की ओर से आने वाली हवा, मंदिर की ऊंची संरचना और शिखर के आसपास बनने वाली वायु धाराएं एक विशेष दृश्य प्रभाव पैदा कर सकती हैं।

वास्तु और वायु-गतिकी के जानकार इसे संरचना और हवा के प्रवाह से जोड़कर देखते हैं। लेकिन श्रद्धालुओं के लिए यह किसी वैज्ञानिक तर्क से अधिक प्रभु की उपस्थिति का प्रतीक है। ध्वज यहां केवल कपड़ा नहीं है। यह समर्पण की परंपरा है। प्रतिदिन मंदिर के सेवक बिना आधुनिक सुरक्षा उपकरणों के विशाल शिखर पर चढ़कर ध्वज बदलते हैं। सैकड़ों फीट की ऊंचाई पर संतुलन बनाते हुए यह प्रक्रिया केवल साहस का प्रदर्शन नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही सेवा की विरासत है। ऐसा लगता है मानो ध्वज हवा से नहीं, विश्वास से संचालित हो रहा हो। मान्यता है कि यदि किसी दिन ध्वज परिवर्तन न हो तो मंदिर के द्वार कुछ समय के लिए बंद रखने पड़ सकते हैं। यह परंपरा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही सेवा और समर्पण का प्रतीक है।

मंदिर के शीर्ष पर स्थापित सुदर्शन चक्र भी अपने आप में अद्भुत माना जाता है। श्रद्धालुओं का कहना है कि आप पुरी शहर के जिस कोने से इसे देखें, ऐसा प्रतीत होता है कि चक्र आपकी ओर ही मुख किए हुए है। यह दृश्य मंदिर निर्माण की प्राचीन स्थापत्य कला की उत्कृष्टता का उदाहरण माना जाता है। आज जब आधुनिक इंजीनियरिंग के युग में कंप्यूटर मॉडलिंग का सहारा लिया जाता है, तब सदियों पहले बने इस

मंदिर की संरचना लोगों को हैरान करती है।

कई श्रद्धालु बताते हैं कि सिंहद्वार से प्रवेश करते ही समुद्र की आवाज कम महसूस होती है, और बाहर निकलते ही वही ध्वनि फिर सुनाई देने लगती है। यह संभवतः स्थापत्य और ध्वनि-परावर्तन की विशेषताओं से जुड़ा विषय हो सकता है, लेकिन लोकविश्वास इसे भी जगन्नाथ की लीला का हिस्सा मानता है। यहां हर घटना के दो अर्थ दिखाई देते हैं— एक तर्क का और दूसरा विश्वास का।

जगन्नाथ धाम का सबसे चर्चित रहस्य भगवान के "हृदय" की कथा है। लोकपरंपराओं में यह विश्वास मिलता है कि जब भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी पृथ्वी लीला समाप्त की, तब उनका दिव्य तत्व नष्ट नहीं हुआ। बाद में वही दिव्य तत्व भगवान जगन्नाथ के विग्रह से जुड़ा। मंदिर परंपराओं में इसे "ब्रह्म पदार्थ" या "ब्रह्म तत्व" कहा जाता है। यह कथा केवल रहस्य पैदा नहीं करती, बल्कि भारतीय दर्शन का एक गहरा संदेश भी देती है। शरीर बदलता है, स्वरूप बदलता है, लेकिन आत्मा नहीं बदलती। यहां एक महत्वपूर्ण बात समझना आवश्यक है— यह धार्मिक मान्यता और परंपरा का विषय है। इसकी वास्तविक प्रकृति सार्वजनिक रूप से ज्ञात नहीं है। लेकिन आस्था के संसार में यह केवल एक वस्तु नहीं, बल्कि शाश्वत चेतना का प्रतीक है।

5 तस्वीरों से चुंबक की तरह खिंचा आएगा पैसा

वास्तु शास्त्र में घर की दीवारों पर सजी तस्वीरों का विशेष महत्व माना गया है। अक्सर लोग सुख-समृद्धि के लिए केवल सात दौड़ते घोड़ों की तस्वीर को ही पर्याप्त मानते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि वास्तु में कुछ ऐसी गुप्त तस्वीरें भी बताई गई हैं जो 'मनी मैग्नेट' की तरह काम करती हैं। अगर आप आर्थिक तंगी से परेशान हैं या पैसा टिकता नहीं है, तो वास्तु के ये अचूक उपाय आपके भाग्य के द्वार खोल सकते हैं।

बहते झरने की तस्वीर

बहते झरने की तस्वीर यानी वॉटरफॉल पेंटिंग। यह लिक्विड कैश का प्रवाह बढ़ाती है। दिखने में ये जितनी सुन्दर लगती हैं। वास्तु शास्त्र के लिहाज से उतना ही ये शुभ फल प्रदान करती हैं। वॉटरफॉल पेंटिंग में बहता हुआ पानी दिल को बहुत ही सुकून पहुंचाता है। झरने का पानी हमेशा घर के

अंदर की ओर बहता हुआ दिखना चाहिए, न कि दरवाजे से बाहर की ओर। इसे घर की उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा में लगाएं।

धन के देवता कुबेर

कुबेर देवता का निवास स्थान विशेष रूप से उत्तर दिशा में माना जाता है क्योंकि उत्तर दिशा को वृद्धि और उन्नति की दिशा माना जाता है। अगर इस दिशा में कोई रुकावट या नकारात्मकता हो तो व्यक्ति को धन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा, यदि उत्तर दिशा में कोई भारी वस्तु या नकारात्मक तत्व रखे हों तो यह कुबेर देवता की कृपा को बाधित कर सकता है।

लहलहाते धान के खेत

लहलहाते धान के खेतों की तस्वीर, आपके घर के अन्न और धन के भंडार भर सकती है। हरियाली सकारात्मक ऊर्जा और सुख-समृद्धि के का प्रतीक है। इसे घर की उत्तर या पूर्व दिशा की दीवार पर लगाएं।

उड़ते हुए पक्षी

वास्तु शास्त्रियों के अनुसार पक्षी शुभता के प्रतीक हैं। माना जाता है कि इनमें अनिष्ट करने वाले तत्वों को काबू करने की शक्तियां होती हैं, इसलिए इनकी दृष्टि को बहुत शुभ माना जाता है। घर व दुकान में पक्षियों के चित्र आदि लगाने से सफलता के मार्ग में आने वाली सभी परेशानियां खत्म होने लगती हैं। इससे निश्चित ही सकारात्मकता बढ़ती है और नकारात्मक ऊर्जा से छुटकारा मिलता है। इन्हें लगाने से पूर्व सही दिशा का चयन करना भी अति आवश्यक है। जैसे हमेशा पक्षियों की तस्वीरें या मूर्ति ऐसी जगह पर लगाएं जहां बार-बार आपकी नज़र पड़े।

सूर्य के नक्षत्र बदलते ही इन 4 राशियों को मिलेगा तगड़ा लाभ

हों के राजा सूर्य देव इस समय वृषभ राशि में गोचर कर रहे हैं और जल्द ही ये रोहिणी नक्षत्र में गोचर शुरू कर देंगे। इस नक्षत्र में सूर्य का गोचर 4 राशि वालों को करियर में अथाह लाभ देगा। इन राशियों के लोगों की आर्थिक स्थिति में जबरदस्त सुधार आएगा और अचानक से धन प्राप्ति के योग बनेंगे। चलिए जान लेते हैं ये कौन सी भाग्यशाली राशियां हैं।

बता दें सूर्य देव 25 मई को रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे और 8 जून तक ये इसी नक्षत्र में विराजमान रहेंगे। सूर्य इस नक्षत्र में रहकर 4 राशि वालों को बंपर लाभ देंगे। इन 4 राशियों की चमकेगी किस्मत, मिलेगा बंपर लाभ

1. मेष राशि

सूर्य का नक्षत्र गोचर मेष राशि वालों को बंपर लाभ देगा। यदि आपका पैसा कहीं फंसा हुआ था, तो वो आपको वापस मिल सकता है। आपकी आय के नए स्रोत बनेंगे। आर्थिक स्थिति पहले से काफी मजबूत हो जाएगी। कार्यस्थल पर नई जिम्मेदारियां मिल सकती है। बिजनेस में भी बड़ी डील फाइनल होने की संभावना है।

2. सिंह राशि

सिंह राशि वालों के लिए सूर्य का नक्षत्र गोचर अत्यंत शुभ साबित होगा। आपकी सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। समाज में आपका कद बढ़ेगा। पैतृक संपत्ति से आप अच्छा लाभ कमाने में सफल रहेंगे। बिजनेस वालों के लिए भी ये सुनहरा समय है।

3. तुला राशि

तुला राशि वालों की आर्थिक स्थिति पहले से काफी अच्छी हो जाएगी। किसी पुराने कर्ज से मुक्ति मिलेगी। निवेश से आप अच्छा लाभ पाने में सफल रहेंगे। नया काम शुरू कर सकते हैं। बिजनेस में सुनहरी सफलता मिलती दिखाई दे रही है। पार्टनरशिप के काम से आपको भारी मुनाफा होने की उम्मीद है।

4. धनु राशि

धनु राशि वालों की किस्मत इस गोचर से चमक जाएगी। पैतृक संपत्ति से लाभ होने के प्रबल योग बन रहे हैं। इस दौरान आप व्यापार में विस्तार करने की भी योजना बना सकते हैं। सूर्य देव की असीम कृपा से आपकी आर्थिक स्थिति ओर भी ज्यादा मजबूत हो जाएगी।

परिवार बच्चे और मां- बहनों की प्रसन्नता भी बनी रहे

बहुत से लोग हैं, जिन्हें बाहर की दुनिया में दूसरे लोगों द्वारा खूब मान दिया जाता है। और ऐसे प्रभावशाली लोग जब घर आते हैं, तो कभी-कभी घर में उन्हें बहुत अपमान मिलता है। ऐसा क्यों हो जाता है? दरअसल परमात्मा चाहता है कि बाहर मिला हुआ मान अभिमान में न बदल जाए, इसलिए घर-परिवार में कुछ अपमान की घटनाएं होती रहनी चाहिए। भारत के पारिवारिक जीवन में सदस्यों के मानसिक हालात बहुत बदल गए हैं।

कोई 10-12 साल पहले तक परिवारों में स्त्री और पुरुष के क्रोध का स्तर समान था। लेकिन अभी एक नया दृश्य देखने को मिला है और खासतौर पर कोरोना के बाद महिलाएं पुरुषों के मुकाबले अधिक चिड़चिड़ी हो गईं। ये चिंता का विषय है। और पुरुषों को ही सोचना पड़ेगा कि माताओं-बहनों पर ऐसा क्या अतिरिक्त दबाव बना कि वो बिखर-सी गई हैं, भीतर से टूट गई हैं।

भारत की माताएं-बहनें परिवार में इस बात को लेकर स्तुत्य हैं कि वे अपनी पीड़ा को दबा लेती हैं और परिवार बचा लेती हैं। लेकिन अब समय आ गया, परिवार बचें और माताओं-बहनों का आनंद, उनकी प्रसन्नता भी बनी रहे।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 22 मई - 2026

नए भारत की वैश्विक उड़ान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया विदेश यात्रा केवल एक राजनयिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारत की नई रणनीतिक सोच और बढ़ते अंतरराष्ट्रीय प्रभाव का प्रतीक है। यह यात्रा ऐसे समय हुई है जब दुनिया आर्थिक अनिश्चितताओं, युद्धों, ऊर्जा संकट और बदलते शक्ति संतुलन के दौर से गुजर रही है। ऐसे समय में भारत का यूरोप और विशेष रूप से नॉर्डिक देशों के साथ संबंधों को नई ऊंचाई देना केवल विदेश नीति का हिस्सा नहीं, बल्कि भविष्य की आर्थिक और रणनीतिक तैयारी भी है। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वीडन, नॉर्वे, डेनमार्क, फिनलैंड और आइसलैंड जैसे नॉर्डिक देशों के नेताओं से मुलाकात की। ये देश भले ही जनसंख्या और क्षेत्रफल के लिहाज से छोटे दिखाई देते हों, लेकिन तकनीक, नवाचार, स्वच्छ ऊर्जा, सुशासन और जीवन स्तर के मामले में दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल हैं। यही कारण है कि इन देशों के साथ बढ़ती साझेदारी भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष आर्थिक और निवेश संबंधों का रहा। पिछले एक दशक में नॉर्डिक देशों से भारत में निवेश लगभग 200 प्रतिशत बढ़ा है। यह वृद्धि केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि दुनिया के विकसित देशों द्वारा भारत पर बढ़ते भरोसे का संकेत है। आज भारत को केवल एक विकासशील देश नहीं, बल्कि विशाल बाजार और भविष्य की आर्थिक शक्ति के रूप में देखा जा रहा है। भारत की बड़ी आबादी, युवा शक्ति और तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था विदेशी निवेशकों को आकर्षित कर रही है। ऊर्जा के क्षेत्र में भी यह यात्रा महत्वपूर्ण रही। यूरोपीय देशों के साथ ऊर्जा भंडार और स्वच्छ ऊर्जा से जुड़े समझौते भारत को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार कर सकते हैं। दुनिया जब पारंपरिक ऊर्जा से हरित ऊर्जा की ओर बढ़ रही है, तब भारत के लिए यह सहयोग विकास का नया रास्ता खोल सकता है। इसके साथ ही एआई, व्यापार, तकनीक और डिजिटलाइजेशन जैसे क्षेत्रों में सहयोग के समझौते भारत को तकनीकी रूप से और अधिक मजबूत बनाने की क्षमता रखते हैं। लोकतंत्र और वैश्विक स्थिरता भी इस यात्रा का अहम पहलू रहे। फिनलैंड के प्रधानमंत्री ने लोकतांत्रिक देशों के एकजुट होकर काम करने की आवश्यकता पर बल दिया। आज दुनिया के कई हिस्सों में लोकतांत्रिक मूल्यों पर दबाव दिखाई देता है। ऐसे समय में भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। इस यात्रा का एक विशेष पहलू यह भी रहा कि 43 वर्षों बाद कोई भारतीय प्रधानमंत्री फिनलैंड पहुंचा। यह केवल एक यात्रा नहीं बल्कि लंबे अंतराल के बाद रिश्तों को नई ऊर्जा देने की कोशिश है। यह दर्शाता है कि भारत अब अपनी विदेश नीति को सीमित दायरे से बाहर निकालकर नए साझेदारों और नए अवसरों की ओर बढ़ रहा है। हालांकि विदेश यात्राओं की सफलता केवल तस्वीरों और समझौतों से तय नहीं होती। असली परिणाम तब सामने आएंगे जब निवेश बढ़ेगा, रोजगार के अवसर बनेंगे, तकनीक का लाभ आम लोगों तक पहुंचेगा और भारतीय उद्योगों को वैश्विक स्तर पर मजबूती मिलेगी। स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा केवल देशों का दौरा नहीं, बल्कि नए भारत की वैश्विक सोच का परिचय है। भारत अब दुनिया के मंच पर केवल भागीदारी नहीं चाहता, बल्कि नेतृत्व की भूमिका में आगे बढ़ने की तैयारी कर रहा है।

पेपर लीक से प्रतिभाओं के हौसले पस्त

ऋतुपर्ण दवे

भारत में एक बार फिर प्रतिष्ठित मेडिकल परीक्षा का पेपर लीक हो गया। पेपर लीक एकदम आम सा हो गया है। जितनी सहजता से खामियों को छुपाते हुए परीक्षा रद्द कर दी जाती है, उसके एवज में लाखों बच्चों के मनोमस्तिष्क पर इसका क्या प्रभाव पड़ता होगा, समझने की कोशिश भी नहीं का जाती। यह अफसरशाही नहीं तो क्या है? अबकी बार नीट यूजी 2026 पेपर लीक ने फिर तमाम व्यवस्थाओं और परीक्षा तंत्र पर करारा तमाचा जड़ा है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ और जो तौर-तरीके देखने में आ रहे हैं उससे लगता है कि न ही आखिरी बार होगा। सबसे पहले बात 3 मई 2026 को भारत भर में हुई उस परीक्षा की जिसमें 22 लाख से अधिक छात्र देश-समाज के लिए कुछ करने की लालसा लिए नीट यूजी परीक्षा में शामिल हुए। उन्हें उम्मीद थी कि उनका सब कुछ बदल जाएगा। लेकिन सपने चूर-चूर हो गए। महज एक बयान जारी कर नौ दिन बाद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने मेडिकल कोर्सों में दाख़िले खातिर होने वाली नीट-यूजी की परीक्षा रद्द कर दी। वजह बताई गई कि एजेंसी को 7 मई को एक व्हिसलब्लोअर ने जानकारी दी कि एक 'गेस पेपर' का पीडीएफ़ व्हाट्सऐप पर सर्कुलेट किया गया था, जिसमें वास्तविक नीट परीक्षा जैसे ही प्रश्न थे। एनटीए के महानिदेशक ने कहा कि परीक्षा में किसी भी तरह का उल्लंघन हमारी ज़ीरो-टॉलरेंस नीति के ख़िलाफ है और इससे उन 22 लाख छात्रों के भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़ता है जिन्होंने परीक्षा के लिए कड़ी मेहनत की थी। बयान के लब्बोलुआब में नपे-तुले शब्दों से अपनी निष्पक्षता बनाए रखने के लिए जरूर पापड़ बेले गए। लेकिन अब उन लाखों बच्चों का क्या होगा जिन्हें लीक पेपर से कोई वास्ता नहीं था, पेपर अच्छा गया था लेकिन, चयन तय था, लेकिन सपने एक झटके में टूट गए! क्या एनटीए को भान होगा कि बच्चों के कोमल मनोमस्तिष्क पर क्या असर पड़ेगा?

जब परीक्षा के पहले ही पीडीएफ बिके, सोशल मीडिया पर वायरल संदेश और सौदेबाजी की बातें हो रहीं थीं तब सारी एजेंसियों के कान में तेल पड़ा था? परीक्षा कोई भी हो, उसकी पवित्रता और निष्पक्षता का ध्यान रखने की गुरुतर जिम्मेदारी उन्हें संचालित करने वालों की होती है।

भारत में कुछ पेपर लीक बहुत ही सुर्खियों, विवादों और चर्चाओं में रहे हैं। ऐसे कुछ मामले आज भी लोगों को भुलाए नहीं भूलते। इनमें मध्य प्रदेश व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) का 2013 का मामला काफी चर्चित है। इसमें नकली परीक्षार्थी (सॉल्वर) दूसरों की जगह परीक्षा में सम्मिलित हुए। लंबी रकम देकर इस तरह नौकरियां में जाने का रास्ता भी बना था लेकिन पकड़े गए। मामले में कई आरोपियों सहित जाँच एजेंसियों के लोगों की संदिग्ध मौतें भी हुईं। तब पूरा मामला तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के लिए भी गले की हड्डी बना। आरोप-प्रत्यारोपों की झड़ी लगी लेकिन सभी आरोप सिद्ध नहीं हो पाए। एक अन्य मामला कर्मचारी चयन आयोग का सामने आया।

जब सुप्रीम कोर्ट ने पूरी भर्ती प्रणाली को दूषित बता दिया। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की कम्बाइंड ग्रेजुएट लेवल (सीजीएल) 2017 परीक्षा का पेपर परीक्षा शुरू होने से पहले ही सोशल मीडिया पर लीक हो गया। सीबीआई जांच में पता चला कि कुछ परीक्षा केंद्रों के सुपरवाइजर्स ने अभ्यर्थियों को रिमोट एक्सेस सॉफ्टवेयर के जरिए बाहरी मदद दिलवाई थी। 2022 में रेलवे भर्ती विवाद में सवा करोड़ युवाओं का सड़कों पर उबाल दिखा जिन्होंने स्क्रीनिंग टेस्ट पर आपत्ति उठाई। 2024 में यूजीसी नेट की परीक्षा दूसरे ही दिन रद्द कर दी गई जिसमें 9 लाख प्रतिभागियों के भविष्य पर प्रश्न चिन्ह लग गया जो पीएचडी करने और प्रोफेसर बनने का सपना संजोए हुए थे। बहुचर्चित नीट-2024 में 67 छात्रों का 720 अंक ही अर्जित करना सुर्खियों में रहा। इसमें झारखण्ड के एक प्रिन्सपल और वाइस प्रिन्सपल ने पर्चा चुराकर लाखों में बेचा था। जिससे सभी के समान अंक आए और मामले ने तूल पकड़ा।

आखिर इतनी जिम्मेदार परीक्षाओं के प्रश्न पत्र लीक होना न केवल एनटीए बल्कि उन सारी छोटी-बड़ी उन एजेंसियों के लिए बड़ा सवाल है जिनके कंधों पर परीक्षा की निष्पक्षता, पारदर्शिता का बोझ है।

सवाल यह भी है कि अब तक देश की सबसे प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा यूपीएससी का पेपर क्यों नहीं लीक हुआ? महज प्रिलिम परीक्षा के दौरान 1992 में इलाहाबाद केंद्र पर पेपर लीक होने की शिकायत आईं थी जिस पर संसद में बहस हुई थी। सीबीआई जांच में भी यह सिर्फ एक इनविजिलेटर द्वारा पेपर कॉपी करने का मामला निकला न कि लीक का।

आए दिन पेपर लीक के मामले सामने आते रहते हैं। इसी बार अब तक कई परीक्षार्थियों ने आत्मघाती कदम उठा लिया है। यह बहुत दुखद है। इसे कौन समझेगा? किस पर बच्चों के कोमल मन को झकझोरने और उन्हें ना समझी में बुरे कदम उठाने का आरोप लगेगा? बहुत ही दुखद है मेहनत के बाद इस तरह की घटनाएँ जहाँ रिवाज बन गई हैं वहीं कई प्रतिभाशाली अपने जीवन को संभाल भी नहीं पा रहे हैं। पिछले 12-13 वर्षों के छोटे-बड़े मामले देखें तो लगभग सैकड़ा पार हो चुका है। तकरीबन दो करोड़ छात्रों के भविष्य पर हर वर्ष असर पड़ता है। कई उम्र की सीमा लांघ चुके होते हैं तो कई का मनोबल टूटता और बेहतर करने के बजाए अवसाद का शिकार हो जाते हैं जीवन से हाथ धो लेते हैं। उधर एजेंसियां ईमानदारी के नाम पर खुद को कटघरे में पाकर पेपर ही कैंसल कर, दोबारा कराने का आदेश देकर बरी और ईमानदार हो जाती हैं। इधर मामले बनते हैं और अपराधी कटघरे में भी पहुंचते हैं लेकिन अनेकों बार देखने में आया कि निश्चित समय-सीमा में चार्ज शीट दाखिला में देरी से वो भी बाहर आकर दोबारा अपने पुराने कार्यों मे संलग्न हो जाते हैं।

पेपर लीक को लेकर सरकार को सख्त होना पड़ेगा। कहने को तो कई आरोपी अब तक गिरफ्त मे आ चुके हैं। लेकिन इसका हल ढूंढ़ना ही होगा, संसद में बहस करनी होगी, कठोरतम व्यवस्था व प्रभावी कानून बनाने होंगे ताकि लोग पेपर लीक करने या कराने के नाम से ही थर्राने लगे और इस बारे में सोचना ही बंद कर दें। इसके लिए यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (यूपीएससी) को रोल मॉडल मान इससे सीख लेनी चाहिए। परीक्षाओं की पवित्रता की गारन्टी हुक्मरानों और अफसरों को लेनी ही होगी ताकि प्रतिभाशालियों का हौसला बार-बार न टूटे और विचलित भी न हों।

प्रकृति का मौन क्रंदन, खतरे में जीवन की श्रृंखला

योगेश कुमार गोयल

धरती पर जीवन का आधार केवल मनुष्य नहीं है बल्कि जीव-जंतु, पक्षी, कीट-पतंगे और पेड़-पौधे भी इस पारिस्थितिकी तंत्र का उतना ही अहम हिस्सा हैं। फिर भी मनुष्य ने अपने स्वार्थों और तथाकथित विकास के नाम पर जिस प्रकार वनों की अंधाधुंध कटाई, वन्य जीवों के आवासों का विनाश और प्राकृतिक संसाधनों का दोहन किया है, उसने धरती की जैव विविधता को गहरे संकट में डाल दिया है। जैव विविधता केवल कुछ जीवों या पौधों की गिनती भर नहीं है, यह पूरी पारिस्थितिकी का वह संतुलन है, जो जीवन को संभव और सुरक्षित बनाता है लेकिन आज यह संतुलन बुरी तरह से बिगड़ चुका है और इसके गंभीर परिणाम पूरी दुनिया भुगत रही है। धरती पर अनेक वन्य प्रजातियां या तो पूरी तरह से विलुप्त हो चुकी हैं या विलुप्त होने के कगार पर हैं। यही नहीं, हजारों प्रजातियां आज संकटग्रस्त मानी जाती हैं, जिनके अस्तित्व पर हर बीतते वर्ष के साथ खतरा और अधिक बढ़ रहा है। यह संकट केवल जीव-जंतुओं तक ही सीमित नहीं है बल्कि वनस्पतियों की विविधता भी उसी तीव्र गति से घट रही है।

जैव विविधता के महत्व को रेखांकित करने और लोगों को इसके संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए हर वर्ष 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है। इसकी शुरुआत 20 दिसंबर 2000 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित प्रस्ताव के माध्यम से की गई थी, जिसे 193 देशों ने समर्थन दिया था। 22 मई 1992 को नैरोबी एक्ट के तहत जैव विविधता पर अभिसमय को स्वीकार किया गया था, इसी कारण 22 मई को यह दिवस तय किया गया। इस वर्ष यह दिवस 'वैश्विक प्रभाव के लिए स्थानीय स्तर पर कार्य करना' विषय के अंतर्गत मनाया जा रहा है. जो इस तथ्य को उजागर करता है कि पृथ्वी को बचाने की शुरुआत छोटे-छोटे स्थानीय प्रयासों से ही होती है। आज स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि जंगलों के उजड़ने से हजारों पक्षी और जानवर अपने प्राकृतिक आवास से वंचित हो गए हैं। पक्षियों की वे प्रजातियां, जो किसानों के हित में कीट नियंत्रण का काम करती थी, जैसे गिद्ध, कौए, चील, बाज, तीतर, बटेर, मोर आदि, अब संकटग्रस्त हो चुकी हैं। यह केवल जैव विविधता का नुकसान नहीं बल्कि कृषि और खाद्य सुरक्षा के लिए भी खतरे की घंटी है। ऐसे पक्षी खेतों में कीटों का प्राकृतिक नियंत्रण करते थे लेकिन इनके लुप्त होने से अब कृत्रिम कीटनाशकों की निर्भरता बढ़ रही है, जो मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए घातक है।

पर्यावरणीय असंतुलन, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों का अनियंत्रित उपयोग और लगातार बढ़ती आबादी जैव विविधता संकट के प्रमुख कारक हैं। एक ओर जहां जंगलों की अंधाधुंध कटाई के चलते पशु-पक्षियों के प्राकृतिक आवास खत्म हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पेड़-पौधों की दुर्लभ प्रजातियां भी मानव गतिविधियों के कारण धीरे-धीरे मिट रही हैं। यही कारण है कि जैव विविधता का संरक्षण आज केवल पर्यावरणविदों का मुद्दा नहीं बल्कि यह पूरी मानव जाति के अस्तित्व से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन गया है। वन्यजीव और वनस्पतियां धरती पर जीवन की लंबी विकास यात्रा की अहम कड़ियां हैं। ये सभी प्रजातियां अरबों वर्षों के जैविक और पारिस्थितिक विकास का परिणाम हैं। वन्य जीवन में वे सभी जीव-जंतु और पौधे शामिल होते हैं, जिन्हें मनुष्य द्वारा पाला तो नहीं जाता लेकिन उनका अस्तित्व भी मानवीय गतिविधियों से सीधे तौर पर प्रभावित होता है। जैसे-जैसे जंगल उजड़ते हैं, इन प्रजातियों का जीवन संकटग्रस्त होता जाता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि मनुष्य ने अपने भौतिक विकास और बढ़ती जनसंख्या के दबाव में इस पारिस्थितिक तंत्र के संतुलन की अनदेखी की है।

यह तथ्य अब वैज्ञानिक रूप से भी प्रमाणित हो चुका है कि जैव विविधता के घटने से पर्यावरण का असंतुलन बढ़ता है और इससे प्राकृतिक आपदाएं, जलवायु परिवर्तन, अकाल, सूखा, बाढ़, रोगों का प्रसार जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। मेरी पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में इस विषय पर विस्तार से चर्चा की गई है कि जैव विविधता में आ रही कमी किस प्रकार हमारे संपूर्ण जीवन और पर्यावरण को अस्थिर बना रही है। यह केवल प्रकृति का संकट नहीं बल्कि यह हमारे भविष्य पर मंडराता हुआ खतरा है। धरती पर हर देश की अपनी विशिष्ट जलवायु और पारिस्थितिक पहचान होती है, जिससे वहां की जैव विविधता भी विशिष्ट होती है लेकिन वनों की कटाई, खनन, शहरीकरण, औद्योगीकरण, रासायनिक खेती, प्लास्टिक प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन जैसे मानवीय कारकों ने इस विविधता को संकट में डाल दिया है। दुर्भाग्य से यह संकट केवल कुछ स्थानीय प्रजातियों तक सीमित नहीं रहा बल्कि अब यह वैश्विक स्तर पर विनाश की ओर बढ़ रहा है।

आज मानव अपने स्वार्थ और भौतिक जीवन के मोह में यह भूल गया है कि जीवन की आधारशिला प्रकृति ही है। वनों की कटाई, प्राकृतिक संसाधनों का दोहन और पारिस्थितिक तंत्र की अनदेखी मानव को उस दिशा में ले जा रही है, जहां जीवन का अस्तित्व ही खतरे में पड़ सकता है। यदि समय रहते हमने चेतना नहीं दिखाई तो आने वाले समय में ऐसी कई प्रजातियां होंगी, जो केवल पुस्तकों और संग्रहालयों में ही मिलेंगी। विकास अनिवार्य है, इसमें कोई संदेह नहीं परंतु वह विकास, जो प्राकृतिक संसाधनों को खत्म करके हासिल हो, वह आत्मघाती है। हमें ऐसा विकास मॉडल अपनाने की आवश्यकता है, जिसमें प्रकृति के साथ सहअस्तित्व को महत्व दिया जाए। यदि पेड़ कटेंगे, जल स्रोत सूखेंगे, जीव-जंतु लुप्त होंगे और पक्षी गायब होंगे तो यह केवल जैव विविधता की हानि नहीं होगी बल्कि पूरी मानव सभ्यता के अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न लग जाएगा।

अब आवश्यकता इस बात की है कि जैव विविधता के संरक्षण को नीतिगत प्राथमिकता दी जाए। सरकारें यदि वन नीति, जल नीति, कृषि नीति और शहरी विकास नीति में पारिस्थितिक संतुलन को अनिवार्य रूप से शामिल करें तो जैव विविधता का संरक्षण संभव हो सकता है। नागरिकों को भी यह समझना होगा कि यह केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं बल्कि हर व्यक्ति का दायित्व है। प्रत्येक वृक्ष की रक्षा, जल स्रोतों का संरक्षण, प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा और जैव विविधता के महत्व को समझना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी बनती है। जैव विविधता केवल प्राकृतिक सुंदरता का प्रतीक नहीं बल्कि जीवन का मूल आधार है।

शिक्षा प्रणाली की जाल में फंसते करोडों युवा!

रजनीश कपूर

सभी जानते हैं कि शिक्षा को ज्ञान का दीपक माना जाता है। लेकिन आज के युग में वास्तविकता यह है कि हमारी मौजूदा शिक्षा व्यवस्था एक ऐसा जाल बन गई है जिसमें लाखों-करोड़ों युवा फंस रहे हैं। यह प्रणाली न तो सच्चे कौशल विकसित करती है और न ही नवाचार को प्रोत्साहित करती है। बल्कि यह छात्रों को एक सांचे में ढालकर औसत जीवन की ओर धकेल रही है। बदलाव की मांग अब न केवल जरूरी बल्कि अनिवार्य बन चुकी है। तो ऐसा क्या किया जाए कि देश की युवा पीढ़ी शिक्षित भी बनें और अपने पसंद के क्षेत्र में निपुण भी बनें।

सफल उद्यमियों की कहानियां गवाह हैं कि बड़ी कंपनियों के संस्थापकों ने अक्सर पारंपरिक शिक्षा के इस जाल से खुद को बचाया। उनकी सफलता का राज रट्टा मारने या परीक्षा में अंक लाने में नहीं, बल्कि व्यावहारिक सोच, जोखिम लेने की क्षमता और निरंतर सीखने में छिपा है। इसके विपरीत, हमारी शिक्षा प्रणाली अमीर और गरीब के बीच खाई को और चौड़ा कर रही है। अमीर बच्चे बेहतर संसाधनों और अतिरिक्त कोचिंग के साथ आगे बढ़ते हैं, जबकि गरीब परिवार के बच्चे सीमित अवसरों में संघर्ष करते रह जाते हैं। शिक्षा की इस व्यवस्था में रचनात्मकता को कुचला जा रहा है। उदाहरण के लिए अधिकतर कक्षाओं में बच्चों को सरल दृश्य बनाने या मानकीकृत उत्तर लिखने को कहा जाता है, न कि स्वतंत्र सोच विकसित करने को। परिणामस्वरूप, वे किसी बड़े कारखाने की असेंबली लाइन से निकलने वाले उत्पादों की तरह एक जैसे बन जाते हैं। 'तारे ज़मीन पर' और 'थ्री इडियट्स' जैसी फिल्में भले ही सफलता से बेहतर उत्कृष्टता का संदेश देती हों, लेकिन समाज और परिवार अभी भी प्रतिशत और रैंकिंग की दौड़ में बच्चों को धकेल रहे हैं। ऐसे में जीवन को 'दौड़' बताकर तनाव बढ़ाया जा रहा है, जबकि वास्तव में हर बच्चे की अपनी गति और प्रतिभा होती है, जिस पर कोई ध्यान ही नहीं देता।

तकनीकी प्रगति की तुलना करें तो स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक वाहन और एआई जैसे क्षेत्रों में दुनिया तेजी से बदल रही है, लेकिन कुछ अपवादों को छोड़ कर कक्षाएं अभी भी सौ साल पुरानी शैली में चल रही हैं। बोर्ड, चॉक और रट्टा-आधारित पढ़ाई छात्रों को भविष्य के लिए तैयार नहीं कर पा रही। अल्बर्ट आइंस्टीन का प्रसिद्ध उदाहरण यहां पूरी तरह लागू होता है, मछली को पेड़ पर चढ़ने की परीक्षा देकर उसकी बुद्धिमत्ता का आकलन करना अन्याय है। हर बच्चे की प्रतिभा अलग-अलग क्षेत्र में होती है, लेकिन एक आकार-एक फिट वाली प्रणाली इसे नजरअंदाज कर देती है। उल्लेखनीय है कि इस व्यवस्था की जड़ें ब्रिटिश काल से जुड़ी हैं, जब 1835 में एक नीति बनाई गई जिसका उद्देश्य सच्चा सशक्तिकरण नहीं बल्कि आज्ञाकारी नागरिक तैयार करना था। आज भी स्कूल और कॉलेज उन पूर्वनिर्धारित भूमिकाओं के लिए ग्रेजुएट तैयार कर रहे हैं, न कि नवप्रवर्तक या नेता। ग्रेडिंग सिस्टम बुद्धिमत्ता को केवल परीक्षा अंकों तक सीमित कर देता है, जबकि संचार, समझौता कौशल और समस्या-समाधान जैसे जीवन-महत्वपूर्ण गुणों की उपेक्षा की जाती है।

ऐसे में इन सब के परिणाम भयावह हैं। स्नातकों में से आधे से अधिक नौकरी के योग्य नहीं पाए जाते। कॉर्पोरेट जगत में प्रवेश के बाद संचार की कमी, सकारात्मक दृष्टिकोण की कमी और निरंतर सीखने की इच्छा की कमी उजागर हो जाती है। जर्मनी जैसी देशों में दोहरी शिक्षा प्रणाली है, जहां सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव जुड़ा होता है। लेकिन हमारे यहां छात्र स्नातक होने तक केवल किताबी ज्ञान पर ही निर्भर रहते हैं। नतीजाः अच्छे अंक लाने वाले छात्र भी बेरोजगारी का शिकार हो जाते हैं। आपको याद होगा जब 2025 में राजस्थान के चपरासी/चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के 53,000 पदों की भर्ती के लिए करीब 25 लाख युवाओं ने आवेदन किया था। इनमें से लगभग 85% से 90% उम्मीदवार उच्च शिक्षित (ग्रेजुएट, पोस्ट-ग्रेजुएट, बीटेक और पीएचडी) थे। इस जाल का सबसे दर्दनाक पहलू मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाला प्रभाव है। नौकरी न मिलने की निराशा से हर साल हजारों छात्र आत्महत्या कर लेते हैं या गुनाह का रास्ता अपना लेते हैं। आईआईटी जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं में दाखिला पाने की होड़ में व्यक्तिगत रुचि और क्षमता को नजरअंदाज किया जाता है, जिससे जलन और हताशा बढ़ती है। ऐसा कहना ग़लत नहीं होगा कि, शिक्षा डिग्री-केंद्रित हो गई है, कौशल-केंद्रित नहीं। इसलिए समय आ गया है कि हम डिग्री से कौशल की ओर मुड़ें। रट्टा मारने की बजाय अवधारणात्मक समझ, व्यावहारिक उदाहरण और समस्या-समाधान पर जोर दिया जाए। वित्तीय शिक्षा अनिवार्य हो। बच्चों को एसेट-लायबिलिटी का अंतर, मुद्रास्फीति से लड़ना, निवेश बनाम खर्च और जल्दी बचत करने का महत्व सिखाया जाए। स्कूलों में कोडिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल मार्केटिंग और आर्थिक मामलों जैसे भविष्योन्मुखी विषयों को भी शामिल किया जाए। इसके साथ ही बिजनेस सिमुलेशन प्रोजेक्ट्स शुरू किए जाएं ताकि बच्चे नौकरी मांगने वाले नहीं बल्कि नौकरियां पैदा करने वाले बनें। जोखिम लेने की क्षमता विकसित करने के लिए गणना-आधारित प्रयोगों को प्रोत्साहन मिले। हमारे शिक्षक इस व्यवस्था की रीढ़ हैं, इसलिए उनका नियमित प्रशिक्षण, आधुनिक उपकरणों से लैस होना और प्रदर्शन-आधारित मूल्यांकन जरूरी है।

हारा जुआरी दोगुना खेलता है: ममता की दुखती नसों पर भाजपा का हाथ

अनिकेत सिंह

हारा हुआ जुआरी दोगुना दांव खेलता है, ऐसा ही भारत की राजनीति में भी देखने को मिलता है। अपने राजनीतिक अस्तित्व को बनाए रखने के लिए राजनेता दोगुना जुआ खेलते हैं। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी में राजनीतिक स्पोर्ट्समैन स्पिरिट की झलक भी दिखाई नहीं देती। उन्हें और उनकी पार्टी के सचिव अभिषेक बनर्जी की नींद हराम कर देने वाले चुनाव परिणामों के आंकड़े उनकी आंखों के सामने से हट नहीं रहे हैं। न तो ममता बनर्जी विधानसभा में जा पा रही हैं और न ही अभिषेक बनर्जी। ममता के बिना पश्चिम बंगाल विधानसभा शांत और सौम्य लगती है। देश के किसी भी मुद्दे पर सरकार विरोधी लड़ाकू तेवर दिखाने वाली ममता आजकल फिर से पार्टी के संगठन को नए सिरे से खड़ा करने की तैयारी कर रही हैं।

जैसे वामपंथी दलों के शासनकाल में पर्दे के पीछे राज करने वाले बांग्लादेशी गुंडे ममता के सत्ता में आने पर उनके साथ जुड़ गए थे, वैसे ही भाजपा की सरकार बनने से पहले ही उनमें से आधे भाग गए हैं और बाकी भूमिगत हो गए हैं। ममता की तीन दुखती नसों पर भाजपा ने हाथ रख दिया है, जिससे ममता चीख उठी हैं। इनमें एक नस का नाम जहांगीर खान है। दूसरी अभिषेक बनर्जी हैं और तीसरी आरजी कर मेडिकल कालेज का बलात्कार मामला है।

जहां पुनर्मतदान होना है, उस फालता सीट से जहांगीर खान ने कल अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली है। पश्चिम बंगाल के सर्वेसर्वा बनकर घूमने वाले अभिषेक बनर्जी के कथित अवैध निर्माणों को तोड़ने की नोटिसें भेजी गई हैं, जबकि आरजी कर बलात्कार मामले में पीड़िता की मां रत्ना देवनाथ को भाजपा ने टिकट देकर जिताया है। बलात्कार के एक अन्य चर्चित 2012 के पार्क स्ट्रीट मामले में जिस आईपीएस अधिकारी को जांच से दूर कर दिया गया था, उन्हें फिर से पोस्टिंग दी गई है और पूरी जांच की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। आईपीएस दमयंती सेन को नई भाजपा सरकार ने क्राइम अगेंस्ट वुमन जांच आयोग का प्रमुख बनाया है। ममता सरकार के 15 वर्षों के शासनकाल में महिलाओं, खासकर पिछड़े वर्ग की महिलाओं पर हुए अत्याचारों की वह जांच करेंगी। 2012 के बलात्कार मामले में एक महिला के साथ चलती कार में बलात्कार हुआ था, तब ममता बनर्जी ने इस मामले को झूठा और गढ़ा हुआ बताया था।

जबकि आईपीएस दमयंती सेन ने बलात्कार होने की बात कही थी, इसलिए ममता ने उन्हें जांच से हटा दिया था। इस तरह राजनीतिक मान्यता के खिलाफ जाकर पुलिस ने जब बलात्कार के मामले को सही बताया, तो ममता नाराज हो गई थीं। दमयंती सेन एक समय कोलकाता की स्पेशल कमिश्नर आफ पुलिस भी बनी थीं, लेकिन उन्हें कोई हाई प्रोफाइल जांच नहीं सौंपी जाती थी। भाजपा सरकार के सार्वजनिक रूप से नमाज नहीं पढ़ने देने के आदेश के मुद्दे पर भी पिछले शुक्रवार को तनातनी देखने को मिली थी, लेकिन पुलिस ने सभी को समझाकर मामला शांत करा दिया।

पार्टी कार्यकर्ताओं और विधायकों में नया जोश भरने के लिए ममता ने कल कहा था कि आने वाले दिनों में केंद्र की भाजपा सरकार गिर जाएगी। उन्होंने कहा था कि राज्य की भाजपा सरकार अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों और सड़क किनारे फेरी लगाने वालों को निशाना बना रही है। उनके सांसद भतीजे अभिषेक ने भी कहा था कि हम झुकने वाले नहीं हैं। हालांकि ममता से यह पूछने वाला कोई नहीं है कि बहुमत वाली सरकार को आखिर कैसे गिराया जा सकता है? संविधान की रक्षा की बातें करने वाले लोग अपना पक्ष मजबूत करने के बजाय लोकतंत्र में बहुमत वाली भाजपा सरकार के गिरने का इंतजार कर रहे हैं।

खादी पंखों वाली आत्मा

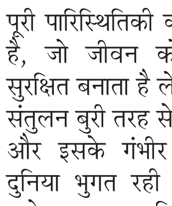

डॉ. सुरेश कुमार

सत्ता की रीढ़ जितनी लचीली होती है, चापलूसी के सुर उतने ही मधुर सुनाई देते हैं। उस दोपहर महामहिम की कचहरी में एक ऐसी ही जादुई चिड़िया लाई गई, जिसके पंख पूरी तरह खादी के रंग में रंगे थे। राजा को हमेशा से ऐसे ही वफादारों की तलाश थी जो बिना कुछ सोचे-समझे वही कहें जो सिंहासन सुनना चाहता है। राजा ने अपनी मूछों पर ताव देते हुए उस नन्हें जीव की तरफ देखा और अपनी प्रशासनिक धाक जमाने के लिए पूछा कि कहो मियां, हुकूमत का क्या हाल है। चिड़िया ने एक बार अपनी गर्दन घुमाई, दरबारियों की सूनी आँखों में झांका और सीधे सच का तेजाब उगल दिया। उसने कहा कि हुजूर, आपके महलों की चमक असल में झोपड़ियों के अंधेरे की कतरन से बनी है और आपकी नीतियां जनता की जेब काटने का सबसे सुसंस्कृत औजार हैं। राजा का चेहरा गुस्से से लाल हो गया क्योंकि सिंहासन कभी भी यथार्थ का नग्न नृत्य बर्दाश्त नहीं करता। राजा ने तुरंत मालिक की तरफ देखा और गरजते हुए पूछा कि क्या यही मेरे मन की बात है जो यह बदतमीज जीव सरेआम बोल रहा है। मालिक ने बहुत ही मखमली मुस्कान के साथ कहा कि हुजूर, आप इसके स्थान का भूगोल बदल कर देखिए, इसका वैचारिक इतिहास तुरंत बदल जाएगा।

जैसे ही उस जीव को मंत्रियों की कतार में एक मखमली और खाली कुर्सी पर बिठाया गया, उसके भीतर का विद्रोही अचानक आत्मसमर्पण कर बैठा। उसकी आँखों में वह दिव्य श्रद्धा तैरने लगी जो केवल मुफ्त के भत्तों और मलाईदार विभागों को देखकर पैदा होती है। राजा ने दोबारा वही सवाल दोहराया तो इस बार चाटुकारिता की ऐसी गंगा बही कि पूरा दरबार उस कीचड़ में नहा गया। उसने कहा कि अन्नदाता, आपके पैरों की धूल चंदन से ज्यादा पवित्र है और आपके शासन में भुखमरी भी एक आध्यात्मिक साधना जैसी लगती है। राजा इस जादुई परिवर्तन को देखकर हैरान था क्योंकि उसने अपनी पूरी जिंदगी में इतनी जल्दी निष्ठा बदलते केवल इंसानों को देखा था। व्यवस्था का यह चरित्र देखकर राजा ने अपनी उत्सुकता शांत करने के लिए उसे एक छोटे सिपाही के लकड़ी के स्टूल पर रखवा दिया। वहाँ बैठते ही उस जीव की रीढ़ फिर से तन गई और वह शोषितों की भाषा में विद्रोह के गीत गाने लगा। राजा ने चकित होकर कहा कि यह कैसा अद्भुत प्राणी है जिसका चरित्र कुर्सी की ऊंचाई और गहराई तय करती है। मालिक ने हाथ जोड़कर कहा कि महाराज, यह कोई जादू नहीं है बल्कि यह जीव बचपन से एक बड़े राजनीतिक दल के दफ्तर में पला-बढ़ा है।

तभी दरबार के सबसे बूढ़े और अनुभवी वजीर ने मुस्कुराते हुए कहा कि हुजूर, असली तमाशा देखना है तो इसे उस अंतिम पायदान पर बैठाइए जहाँ इस मुल्क की नब्बे फीसदी आबादी सांस लेती है। राजा के आदेश पर उस जीव को महल के सबसे अंधेरे कोने में जमी धूल पर, जहाँ एक आम नागरिक फटेहाल खड़ा था, वहाँ रख दिया गया। जमीन को छूते ही उस जीव के पंख कांपने लगे और उसकी आवाज़ में एक अजीब सी खामोशी पसर गई जो किसी भयानक सन्नाटे की तरह चुभ रही थी।

उसने रोते हुए कहा कि यहाँ सिर्फ भूख का साम्राज्य है और टैक्स की अंतहीन कतारों में खड़ी जनता केवल मरने का अधिकार मांग रही है। राजा को लगा कि यह खेल अब मनोरंजन से आगे बढ़कर सत्ता की साख पर सीधा हमला कर रहा है। राजा ने गुस्से में आकर कहा कि इस कड़वे सच को तुरंत बंद करो क्योंकि हुकूमत को आईने से सख्त नफरत होती है। दरबारियों ने तालियां बजाकर राजा के इस गुस्से का स्वागत किया क्योंकि चापलूसी की दुनिया में सच बोलना सबसे बड़ा राजद्रोह माना जाता है। व्यवस्था के ठेकेदारों ने उस जीव को तुरंत वहां से हटाने की वकालत शुरू कर दी ताकि महल की सुख-शांति में कोई खलल न पड़े।

करण कुंद्रा ने तेजस्वी प्रकाश को किया प्रपोज तो एक्स-गर्लफ्रेंड अनुशा ने किया अजीब पोस्ट

अनुषा दांडेकर

करण कुंद्रा ने रियलिटी शो 'देसी ब्लिंग' में तेजस्वी प्रकाश को शादी के लिए प्रपोज किया तो वह भावुक हो गईं। फैंस की भी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उधर, करण की एक्स-गर्लफ्रेंड अनुषा दांडेकर ने एक पोस्ट किया है, जिसे फैंस करण-तेजस्वी से जोड़कर देख रहे हैं। उन्होंने अनुषा पर गुस्सा भी निकाला।

टीवी के पॉपुलर कपल्स में शुमार करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश पिछले चार साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं, पर फैंस को उनकी शादी का आज तक इंतजार है। और अब आखिरकार करण ने तेजस्वी को प्रपोज कर ही दिया। करण और तेजस्वी इस वक्त नए रियलिटी शो 'देसी ब्लिंग' में नजर आ रहे हैं। करण कुंद्रा ने इस शो की टीम के साथ मिलकर एक सरप्राइज प्लान किया और तेजस्वी प्रकाश को घुटनों पर बैठकर शादी के लिए प्रपोज कर दिया। उन्होंने तेजस्वी को हीरे की बड़ी सी अंगूठी भी पहनाई। इसके बाद से फैंस और सेलेब्स करण कुंद्रा-तेजस्वी प्रकाश को बधाइयां दे रहे हैं। हालांकि, इसी बीच करण की एक्स-गर्लफ्रेंड अनुषा दांडेकर ने एक पोस्ट किया है, जो चर्चा में हैं और यूजर्स उस पर रिएक्ट कर रहे हैं।

करण कुंद्रा ने 'देसी ब्लिंग' में तेजस्वी प्रकाश को किया प्रपोज

'देसी ब्लिंग'का 20 मई को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर हुआ था। इसके पहले एपिसोड में ही करण कुंद्रा ने तेजस्वी प्रकाश को शादी के लिए प्रपोज कर दिया। इसके लिए उन्होंने 'देसी ब्लिंग' की अरबपति कास्ट, जिसमें बड़े बिजनेस टायकून और सोशलाइट शामिल थे, उनके साथ एक ग्रैंड सरप्राइज प्लान किया। तेजस्वी जैसे ही वेन्यू पर पहुंचीं, तो करण कुंद्रा अपने घुटनों पर बैठे और बोले, 'तेजस्वी प्रकाश, विल यू मैरी मी?'

'तेजस्वी मुझसे शादी करोगी?' और भावुक हो गईं एक्ट्रेस

करण के प्रपोजल पर तेजस्वी प्रकाश मुंह और आंखें खोले हैरानी से देखती रह गईं। उन्होंने करण के गालों पर चूमा और फिर एक्टर ने उन्हें बड़ी सी हीरे की अंगूठी पहनाई। तेजस्वी भावुक हो गईं और बोलीं, 'मैं कांप रही हूं। मेरे हाथ नहीं रुक रहे। जब हम मिले थे, तो बहुत कुछ हुआ था। जब हम बाहर आए, सब ने कहा था कि ये तो 2 हफ्ते नहीं टिकेंगे। किसी ने कहा था कि मैं नकली हूं, किसी ने कहा तू फेक है। चार साल हो गए। हमने सब कुछ देखा है, और हम हर चीज़ से गुजरे हैं।'

फैंस ने लुटाया प्यार और दी बधाई

इसके बाद करण कुंद्रा ने फिर तेजस्वी प्रकाश के लिए एक इमोशनल स्पीच दी, जिसने एक्ट्रेस को और भावुक कर दिया। दोनों के बीच के ये खास पल देखने वाले थे और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। फैंस अपने फेवरेट कपल TejRan पर खूब प्यार लुटा रहे हैं। दोनों की मुलाकात 'बिग बॉस 15' में हुई थी, और तभी से उनके बीच प्यार पनपने लगा था।

जहां करण ने अब तेजस्वी को फाइनली शादी के लिए प्रपोज कर दिया है, वहीं दूसरी ओर एक्टर की एक्स-गर्लफ्रेंड अनुषा दांडेकर ने एक क्रिप्टिक पोस्ट किया है। यूजर्स इसे करण के प्रपोजल से जोड़कर देख रहे हैं। अनुषा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, 'मैं भगवान का शुक्रिया अदा कर रही हूं। अगर आप जानते हैं तो ठीक है।' अनुषा ने इस पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया, पर यह 'रेडिट' पर चर्चा में हैं और यूजर्स के काफी कमेंट्स हैं। उन्होंने कहा कि अनुषा को अब मूव-ऑन करना चाहिए और यह वाकई हैरानी की बात है कि 9 साल बाद भी वह ब्रेकअप को भुना रही हैं। एक यूजर ने इसे शर्मनाक बताया और कहा कि मैं कोई फैन नहीं हूं, पर अब अति हो रही है। ये वाकई शर्मनाक है।

बता दें कि करण कुंद्रा और अनुषा दांडेकर कभी रिलेशनशिप में थे, पर बाद में ब्रेकअप हो गया था। दोनों ने साल 2015 से 2020 तक एक-दूसरे को डेट किया था। हालांकि, बाद में अनुषा ने करण का नाम लिए बिना एक पॉडकास्ट में उन्हें धोखेबाज कहा था और दावा किया था कि उनके साथ रिलेशनशिप में होते हुए भी करण अन्य लड़कियों के साथ सो रहे थे।

बोल्ड सीन पर आपत्तिजनक कमेंट देख भड़कीं कुनिका

कहा- देश में औरत होना पाप, मारो-जला दो, कत्ल करो; अमरीश पुरी के साथ रोमांस करती दिखी थीं

लगातार राजनैतिनक मुद्दों पर राय रखने वालीं कुनिका सदानंद तब भड़क गईं, जब कुछ लोगों ने उनके पुराने बोल्ड सीन पर उन पर आपत्तिजनक कमेंट करना शुरू कर दिया। बात इतनी बढ़ गई कि कुनिका ने ये तक कह दिया कि भारत में औरतों को जलील करना और मार डालना पाप है।

वायरल किए जा रहे वीडियो में कुनिका सदानंद एक फिल्मी सीन में अमरीश पुरी के साथ पूल में रोमांस करती दिखी थीं। इसे शेयर कर एक यूजर ने लिखा, ये कुनिका हैं, जो आदर्श के झंडे उठाती हैं और मोदी जी को हर रोज गालियां देती हैं। इस ट्वीट के जवाब में कुनिका ने पहले तो सफाई देकर लिखा, 'ये रोल है बेवकूफ। इसे एक्टिंग कहते हैं।'

इसके बावजूद भी उस वीडियो पर कई आपत्तिजनक और अभद्र भाषा वाले कमेंट आते रहे। इस पर भड़ककर कुनिका ने लिखा, 'इस देश में औरत होना पाप हो गया है। औरतों को मारो, जला दो, कत्ल कर दो, रेप कर दो, उनको गाली दो, लांछन लगाओ, भ्रूण हत्या करो, तौहीन करो, उनका हक और उनसे मौका छीनों। ये सब जायज है हमारे नए भारत में।'

विवाद के बीच कई लोग ऐसे भी रहे जो कुनिका का बचाव करते दिखे। एक महिला ने कुनिका के बचाव में लिखा, 'किसी एक्ट्रेस के पुराने सीन को लेकर उसे सार्वजनिक रूप से सेक्शुअलाइज करना, मजाक उड़ाना और गंदी बातें करना सनातन संस्कृति नहीं, बल्कि साफ तौर पर औरतों के प्रति घटिया सोच और मिसोजिनी है।'

'जो लोग हर समय संस्कार और परंपरा की बातें करते हैं, वही ऑनलाइन महिलाओं को ऑब्जेक्टिफाई करके शिकारी जैसी हरकतें कर रहे हैं। हिंदू धर्म महिलाओं का सम्मान सिखाता है, उनका अपमान, पीछा करना या उन्हें नीचा दिखाना नहीं। ऐसी सोच को बढ़ावा देने वाले हर आदमी को शर्म आनी चाहिए।'

दरअसल, कुनिका सदानंद ने हाल ही में थलापति विजय और तृषा कृष्णन का बचाव करते हुए कहा था कि नरेंद्र मोदी भी पत्नी को छोड़ चुके हैं। इसके बाद से ही उन्हें बीजेपी सपोर्टर्स की तरफ से आलोचना झेलनी पड़ रही है। 62 साल की कुनिका सदानंद 90 के दशक की जानी-मानी एक्ट्रेस रही हैं। वो हम साथ-साथ हैं, बेटा, प्यार किया तो डरना क्या, खिलाड़ी, गुमराह, कोयला जैसी दर्जनों फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

कुनिका सदानंद बिग बॉस 19 का हिस्सा रही थीं। इस समय उनकी निजी जिंदगी भी चर्चा में रही। शो में उन्होंने बताया कि उन्होंने घरवालों के खिलाफ जाकर लव मैरिज की थी। बेटे के जन्म के ठीक बाद उनके ससुराल वालों ने उन्हें घर से निकाल दिया और बेटे को भी छीन लिया। बेटे की कस्टडी हासिल करने के लिए उन्होंने फिल्मों में छोटे-मोटे रोल कर कोर्ट की फीस भरी थी। एक समय वो कुमार सानू के साथ भी रिलेशनशिप में रही थीं।

काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े फिल्म द इंडिया स्टोरी में जल्द आयेंगे नजर

मुंबई गंभीर और सोचने पर मजबूर कर देने वाला पोस्टर जारी करने के बाद, फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' के मेकर्स ने घोषणा की है कि फिल्म का टीज़र जल्द रिलीज़ किया जाएगा। काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े स्टारर यह सोशल-नेशनल ड्रामा अपनी दमदार थीम और प्रभावशाली विजुअल्स के चलते पहले ही चर्चा में आ चुका है। ज़ी स्टूडियोज़ और एमआईजी प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज़ के सहयोग से प्रस्तुत यह फिल्म 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है, जबकि कहानी, लेखन और निर्माण की जिम्मेदारी सागर बी. शिंदे ने संभाली है। 'द इंडिया स्टोरी: स्लो पॉइज़न इन प्रोग्रेस' रासायनिक दुरुपयोग, खासकर खेती में इस्तेमाल होने वाले हानिकारक तत्वों और उनके जनस्वास्थ्य पर पड़ने वाले गंभीर प्रभावों को केंद्र में रखती है।

हाल ही में जारी पोस्टर इस गंभीर लेकिन बेहद अहम विषय की झलक देता है, जिसे फिल्म उजागर करने की कोशिश करेगी।

यह कहानी केवल किसी एक व्यक्ति या परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि देशभर में लाखों लोगों को प्रभावित कर रहे एक बड़े संकट की ओर इशारा करती है। फिल्म औद्योगिक लापरवाही के छिपे खतरों और जागरूकता व जवाबदेही की तत्काल जरूरत को सामने लाने का प्रयास करती है।

आने वाला टीज़र दर्शकों को 'द इंडिया स्टोरी' की गंभीर और प्रभावशाली दुनिया की एक गहरी झलक देगा, जिससे फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ेगी। साथ ही पहली बार साथ स्क्रीन शेयर कर रहे काजल अग्रवाल और तलपड़े से फिल्म में दमदार और भावनात्मक प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

फिल्म को सह-निर्माता सुमित बागड़े, अनीता जाधव, विनायक सैदानी, कल्पेश शाह, देवयानी खोराटे और प्रेम जोशी का समर्थन मिला है। वहीं, सिनेमैटोग्राफी की जिम्मेदारी निशांत भागवत, संगीत मंगेश धाकड़े, एडिटिंग आशीष म्हात्रे, गीतकार शकील आज़मी और साउंड डिज़ाइन अनमोल भावे का है। यह फिल्म हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में रिलीज़ होगी। यह ज़ी स्टूडियोज़ की वर्ल्डवाइड रिलीज़ होगी।

एपीडी डिसऑर्डर से जूझने वाले आदित्य चोपड़ा ने कैसे रचा सफलता का इतिहास

23 वर्ष की उम्र में दी सुपरहिट फिल्म दिलवाले दुलहनिया ले जायेंगे

हिंदी सिनेमा के मशहूर निर्देशक आदित्य चोपड़ा ने न सिर्फ रोमांस को नए अंदाज में बड़े पर्दे पर पेश किया, बल्कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को कई नए सितारे और नई सोच भी दी। वह हमेशा लाइमलाइट से दूर रहे, लेकिन उनकी बनाई फिल्मों ने करोड़ों लोगों के दिलों में जगह बनाई। बहुत कम लोग जानते हैं कि बचपन में आदित्य एक ऐसी समस्या से जूझ रहे थे, जिसमें आवाजों को समझने में दिक्कत होती थी। इसके बावजूद, उन्होंने खुद को कभी कमजोर नहीं पड़ने दिया और मेहनत के दम पर हिंदी सिनेमा के सबसे सफल निर्माताओं में अपनी जगह बनाई।

आदित्य चोपड़ा का जन्म 21 मई 1971 को मुंबई में हुआ था। वह मशहूर फिल्म निर्माता यश चोपड़ा और पामेला चोपड़ा के बड़े बेटे हैं। उनके छोटे भाई उदय चोपड़ा भी फिल्मों से जुड़े रहे। बचपन से ही आदित्य को फिल्मों वाला माहौल मिला। घर में फिल्मों की बातें, शूटिंग और कलाकारों का आना-जाना लगा रहता था। बचपन और किशोरावस्था में आदित्य एपीडी (ऑडिटरी प्रोसेसिंग डिसऑर्डर) से जूझ चुके हैं। इस समस्या में इंसान को आवाजें साफ सुनाई तो देती हैं, लेकिन दिमाग उन्हें ठीक तरह से समझ नहीं पाता। कई बार आसपास की अलग-अलग आवाजों को पहचानना मुश्किल हो जाता है। ऐसी स्थिति किसी भी बच्चे के आत्मविश्वास को कमजोर कर सकती है, लेकिन आदित्य ने इस परेशानी को अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया। उन्होंने खुद को फिल्मों और कहानियों की दुनिया में व्यस्त रखा और धीरे-धीरे अपनी अलग पहचान बनाई।

सिर्फ 18 साल की उम्र में आदित्य चोपड़ा ने अपने पिता के साथ सहायक निर्देशक के रूप में काम शुरू कर दिया था। उन्होंने 'चांदनी', 'लम्हे' और 'डर' जैसी फिल्मों में यश चोपड़ा को असिस्ट किया। इसी दौरान उन्होंने फिल्म निर्माण की बारीकियां सीखीं। वह कहानियों को लेकर बेहद गंभीर रहते थे और छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देते थे।

आदित्य चोपड़ा ने केवल 23 साल की उम्र में 'दिलवाले दुल्हिनयां ले जाएंगे' का निर्देशन किया। इस फिल्म में शाहरुख खान और काजोल लीड रोल में थे। यह फिल्म हिंदी सिनेमा की सबसे बड़ी रोमांटिक फिल्मों

में गिनी जाती है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की और आज भी लोगों की पसंदीदा फिल्म है। इस फिल्म के लिए आदित्य चोपड़ा को फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ निर्देशक पुरस्कार मिला। फिल्म को राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

इसके बाद आदित्य ने 'मोहब्बतें', 'रब ने बना दी जोड़ी' और 'बेफिक्रे' जैसी फिल्मों का निर्देशन किया। वहीं, निर्माता के रूप में उन्होंने 'धूम', 'वीर-जारा', 'चक दे! इंडिया', 'एक था टाइगर', 'वॉर' और 'पठान' जैसी बड़ी फिल्मों को प्रोड्यूस किया। उन्होंने यश राज फिल्म्स को देश की सबसे बड़ी फिल्म कंपनियों में बदल दिया।आदित्य चोपड़ा ने कई नए कलाकारों को फिल्मों में मौका दिया। अनुष्का शर्मा, रणवीर सिंह, परिणीति चोपड़ा, अर्जुन कपूर और भूमि पेडनेकर जैसे कलाकारों के करियर की शुरुआत में उनका बड़ा योगदान रहा।

अगर निजी जिंदगी की बात करें तो आदित्य चोपड़ा की पहली शादी पायल खन्ना से हुई थी, लेकिन बाद में दोनों का तलाक हो गया। इसके बाद उन्होंने अभिनेत्री रानी मुखर्जी से साल 2014 में शादी की। दोनों की एक बेटी आदिरा है। आदित्य अपनी निजी जिंदगी को हमेशा मीडिया से दूर रखते हैं। आज आदित्य चोपड़ा हिंदी सिनेमा के सबसे बड़े और प्रभावशाली फिल्ममेकर्स में गिने जाते हैं। उनके पिता यश चोपड़ा का साल 2012 में निधन हो गया था, लेकिन आदित्य ने उनकी विरासत को आगे बढ़ाते हुए यशराज फिल्म्स को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

सोशल मीडिया पर छाया 'मेलोडी' का खुमार

कृति खरबंदा ने टॉफी वाली पोस्ट से लूट ली महफिल!

कृति खरबंदा

सोशल मीडिया पर इन दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के नाम को मिलाकर 'मेलोडी' ट्रेंड छाया हुआ है। इस मजेदार मीम फेस्ट में अब अभिनेत्री कृति खरबंदा भी शामिल हो गई हैं। बुधवार को कृति ने इंस्टाग्राम पर भूरे (ब्राउन) रंग की खूबसूरत ड्रेस में अपनी तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसका रंग बिल्कुल 'मेलोडी' टॉफी से मिल रहा है। अभिनेत्री ने मजा लेते हुए कैप्शन भी कुछ ऐसा डाला कि सभी का ध्यान उनके कैप्शन की ओर खींचा चला गया। कृति लिखती हैं, ₹ये मेलोडी इतनी चॉकलेटी क्यों है?₹ कृति की पोस्ट सभी को बहुत पसंद आ रही हैं। उनके फैंस कमेंट सेक्शन पर जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

बता दें कि 'मेलोडी' शब्द को सोशल मीडिया यूजर्स अक्सर इस्तेमाल करके वैश्विक मंचों पर इन दोनों नेताओं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी, के बीच हुई हल्की-फुल्की बातचीत को हाईलाइट करते हैं।

इस वायरल ट्रेंड को तब रफ्तार मिली, जब इटली के दौरे पर पीएम मोदी ने जॉर्जिया मेलोनी को भारत की मशहूर 'मेलोडी' चॉकलेट/टॉफी गिफ्ट की थी। मेलोनी ने इस क्यूट जेस्चर के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद देते हुए अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो भी शेयर किया था, जो इंटरनेट पर आते ही छा गया।

इस मजेदार ट्रेंड के साथ-साथ यह ऑनलाइन ट्रेंड दोनों देशों के बीच मजबूत हो रही कूटनीतिक और व्यापारिक साझेदारी को भी प्रदर्शित करता है। अभिनेत्री कृति खरबंदा पिछली बार फिल्म राणा नाइडू-2 में नजर आई थी। यह एक एक्शन-क्राइम ड्रामा फिल्म है।

अभिनेत्री हाल ही में फिल्म 'हाउसफुल 5' में नजर आई थीं। तरुण मनसुखानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, डिनो मोरिया, जैकलीन फर्नांडीज, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, रंजीत, सौंदर्या शर्मा और आकाशदीप साबिर जैसे स्टार्स शामिल हैं।

कॉर्सेट गाउन में दिखीं जैकलीन फर्नांडीज, कान फेस्टिवल में चलाया हुस्न का जादू

पिछले दिनों जैकलीन फर्नांडिज भी कान फिल्म फेस्टिवल में शिरकत करने के लिए पहुंची थीं। पहले उन्होंने ब्लैक मिनी ड्रेस ड्रेस से सोशल मीडिया पर फैंस के बीच तहलका मचा दिया। अब अपना एक और लुक कान फेस्टिवल से इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस लुक में भी वह कहर ढाह रही हैं। कैसा है, जैकलीन का लुक, यहां जानिए।

जैकलीन ने अपने इंस्टाग्राम पर कान फिल्म फेस्टिवल से कई तस्वीरें साझा की हैं। इसमें वह बॉडी फिटेड आइवरी कलर का कॉर्सेट गाउन पहने नजर आ रही हैं। इस गाउन के साथ जैकलीन ने काले रंग के गलव्स पहने हैं। जिससे उनका लुक अलग और खास नजर आ रहा है। गाउन में 3डी स्टाइल का फ्लावर पैटर्न भी फैंस का ध्यान जैकलीन की तरफ खींच रहा है। यह गाउन लुक विंटेज फैशन से इंस्पायर है। जैकलीन ने अपने गाउन लुक के साथ हाईबन हेयरस्टाइल बनाया है। अपनी ड्रेस के साथ डायमंड नेकलेस और ईयररिंग जैकलीन ने पहने हैं और अपने लुक को कंप्लीट किया है। इस ड्रेस में वह अलग-अलग तरह के दिलकश पोज भी दे रही हैं। कान फेस्टिवल में एक संस्था ग्लोबल गिफ्ट फाउंडेशन के कार्यक्रम में जैकलीन शामिल हुईं। इसी मौके पर उन्होंने यह गाउन लुक पहना था। इस इवेंट में शामिल होकर एक्ट्रेस काफी खुश नजर आईं। जैकलीन के करियर फ्रंट की बात करें तो जल्द ही वह फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में भी अक्षय कुमार के साथ एक्टिंग करेंगी। इस फिल्म में दिशा पाटनी भी नजर आएंगी।

'मीतू पंजाबी' बनकर छाईं आकांक्षा पुरी, बोलीं-इंस्पेक्टर अविनाश 2 का यह रोल मेरे लिए चुनौतीपूर्ण था

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इन दिनों क्राइम और एक्शन से भरपूर वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश 2' चर्चा में बनी हुई है। इस सीरीज में अभिनेत्री अकांक्षा पुरी 'मीतू पंजाबी' नाम की एक ऐसी महिला का किरदार निभा रही हैं, जो पहले डांसर होती है और बाद में पुलिस की मुखबिर बन जाती है। उनके अभिनय की सोशल मीडिया पर जमकर तारीफ हो रही है। इस बीच आकांक्षा ने अपने किरदार, अभिनय अनुभव और रणदीप हुड्डा के साथ काम करने को लेकर खुलकर बात की। अकांक्षा पुरी ने कहा, "मैं लंबे समय से कुछ अलग और चुनौतीपूर्ण करना चाहती थी। 'मीतू पंजाबी' का किरदार निडर, मजबूत और भावनात्मक रूप से काफी गहरा है। इस किरदार ने मुझे अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलने का मौका दिया। एक कलाकार के तौर पर मैंने अपने अंदर के मजबूत पहलू को इस किरदार के जरिए महसूस किया।"

आकांक्षा ने कहा, 'मीतू पंजाबी' मेरे अंदर कई तरह की भावनाएं लेकर आई। इस भूमिका को निभाने के लिए मुझे किरदार की भावनाओं को गहराई से समझना पड़ा। इस किरदार ने मुझे खुद का नया रूप खोजने का मौका दिया।"

अकांक्षा पुरी ने अपने सह-कलाकार रणदीप हुड्डा की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, "रणदीप हर सीन में पूरी सच्चाई और ईमानदारी के साथ अभिनय करते हैं। उनके साथ काम करते समय खुद भी ज्यादा ध्यान और मेहनत के साथ प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है। वह अपने हर सीन में पूरी सच्चाई लेकर आते हैं। उनके साथ काम करना बेहद खास अनुभव रहा, क्योंकि उनके साथ अभिनय करते हुए आप खुद भी अपने काम में और ज्यादा डूब जाते हैं।" वहीं सीरीज के निर्देशक नीरज पाठक ने भी रणदीप हुड्डा की तारीफ की। उन्होंने कहा, "रणदीप की मेहनत और काम के प्रति समर्पण देखकर अब मुझे दूसरे कलाकारों से भी वैसी ही उम्मीद होने लगी है।"

नीरज पाठक ने बातचीत के दौरान दिवंगत अभिनेता इरफान खान को भी याद किया। उन्होंने कहा, "मेरा इरफान खान के साथ बहुत पुराना रिश्ता रहा है। मैंने उनके साथ दूरदर्शन के एक पुराने शो में काम किया था। उस दौरान मैंने उनसे वादा किया था कि जब भी मैं फिल्म बनाऊंगा, उन्हें जरूर उसमें लूंगा।"

जेल में दर्शन के आत्महत्या की कोशिश की खबरों पर डीजीपी ने दिया जवाब

कन्नड़ एक्टर दर्शन थुगुदीपा बीते दो साल से जेल में हैं। उन्हें 11 जून 2024 को एक फैन के हत्या मामले में गिरफ्तार किया गया था। रेणुकास्वामी मर्डर केस में मुख्य आरोपी दर्शन के साथ ही उनकी महिला मित्र और एक्ट्रेस पवित्रा गौड़ा को भी अन्य साथियों के साथ अरेस्ट किया गया था। 49 साल के एक्टर को लेकर जहां सैंडलवुड में फैंस पहले से ही चिंता में हैं, वहीं बीते दिनों उस वक्त सनसनी मच गई, जब खबर आई कि दर्शन ने जेल में आत्महत्या की कोशशि की है। हालांकि, अब जेल और सुधार सेवाओं के डायरेक्टर-जनरल आलोक कुमार ने यह साफ किया है कि दर्शक बिल्कुल ठीक हैं। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि बेंगलुरु सेंट्रल जेल में बंद एक्टर की सुसाइड की कोशशि की खबरें पूरी तरह 'अफवाह' हैं और 'बेबुनियाद' हैं।

दर्शन को लेकर यह पुष्टि ऐसे समय में आई है, जब 19 मई को ही उनकी पत्नी विजयलक्ष्मी और बेटे विनीश ने परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल में उनसे मुलाकात की। उस दिन दर्शन और विजयलक्ष्मी की शादी की सालगिरह थी। आलोक कुमार ने कहा, 'ये सरासर अफवाहें हैं। दर्शन ने खुद को नुकसान पहुंचाने की कोई कोशिश नहीं की है। ये भ्रामक खबरें हैं और सच से कोसों दूर हैं। दर्शन बिल्कुल ठीक हैं।'

सीसीटीवी की निगरानी में पत्नी और बेटे से मुलाकात

दर्शन ने 19 मई को जेल में सीसीटीवी निगरानी में पत्नी और बेटे से मुलाकात की है। पत्नी विजयलक्ष्मी और बेटे विनीश से बात करते हुए कैदी दर्शन ने लगभग 30 मिनट बिताए। यह सारी बातचीत कैमरे में रिकॉर्ड की गई। दर्शन थुगुदीपा ने 19 मई 2003 को विजयलक्ष्मी से कर्नाटक के धर्मस्थल मंदिर में शादी की थी। इस मुलाकात के बाद विजयलक्ष्मी ने इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल पोस्ट भी लिखा।

पत्नी से विवाद के बीच अब रवि मोहन ने उठाया बड़ा कदम

पहले कर चुके हैं एक्टिंग छोड़ने का एलान

एक्टर रवि मोहन अपनी पत्नी से विवाद के चलते चर्चा में हैं। हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके उन्होंने बताया था कि जब तक उनका तलाक पक्का नहीं हो जाता तब तक वह एक्टिंग से ब्रेक पर रहेंगे। इस बीच उन्होंने सबरीमाला व्रतम शुरू कर दिया है। अभी वह सबरीमाला की सालाना तीर्थयात्रा से जुड़ा पवित्र व्रत कर रहे हैं। इसके लिए उन्होंने माला पहनी है और वह उपवास के नियमों का पालन कर रहे हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में क्या बोले रवि?

हाल ही में रवि मोहन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इसमें उन्होंने अपनी शादी और मुश्किल के बारे में बात की थी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने दावा किया कि उन्हें अपने बच्चों से मिलने नहीं दिया जा रहा था। आरती से अलग होने के बाद उन्हें मानसिक तकलीफ का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि शादी टूटने के लिए उन्हें ही जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। उन्होंने साइबर बुलिंग का भी जिक्र किया।

पैसा बना झगड़े की जड़

रवि ने यह भी आरोप लगाया कि रिश्ते के दौरान पैसों से जुड़े मामले झगड़े की वजह बन गए थे। उनके मुताबिक, कपल का एक जॉइंट बैंक अकाउंट था और छोटी-मोटी रकम निकालने पर भी उनसे सवाल पूछे जाते थे।

अलग होने के बाद, रवि को अक्सर सिंगर केनीशा के साथ इवेंट्स में जाते और सबके सामने आते देखा गया। एक्टर ने अपनी कथित पार्टनर केनीशा के साथ अपने रिश्ते के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उनकी शादी से जुड़ी समस्याओं का असर उस रिश्ते पर भी पड़ा है। रवि ने दावा किया कि केनीशा ने आखिरकार उनका साथ छोड़ दिया। इस मामले की वजह से केनीशा को ऑनलाइन बुलिंग का सामना करना पड़ रहा था।

गुजारे भत्ते के लिए मांगी बड़ी रकम

आपको बता दें कि रवि की पत्नी आरती ने गुजारे भत्ते के तौर पर रवि से 40 लाख रुपये महीने की मांग की है।

एफडब्ल्यूआईसीई चीफ ने बॉलीवुड में कैमरा के पीछे काम करने वालों को लेकर जताई चिंता

फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने कैमेरे के पीछे काम करने वाले लोगों की स्थिति पर चिंता जाहिर की है। साथ ही कहा कि अगर यही स्थिति रही तो लोग सड़कों पर होंगे। बता दें कि फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज मनोरंजन जगत में काम करने वाले तकनीशियनों, कारीगरों, कामगारों, कलाकारों और निर्माताओं की अलग अलग यूनियनों के बीच समन्वय का काम करती है। इस फेडरेशन के अध्यक्ष बी एन तिवारी का कहना है कि आज बॉलीवुड में सबसे बड़ी चिंता कैमरे के पीछे काम करने वाले लोगों के हालात हैं।

क्या है कामगारों की समस्या?

बी एन तिवारी ने कहा कि काम की कमी, पेमेंट में देरी और लंबे काम के घंटों की वजह से कई वर्कर्स मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स और वर्टिकल फिल्मों के बढ़ने से इंडस्ट्री में काम करने का तरीका बदल गया है। इस समस्या के बारे में बात करते हुए तिवारी ने कहा, 'असल में कई बातें हैं। बहुत सारे ओटीटी प्लेटफॉर्म्स खुल गए हैं। वर्टिकल फिल्में बननी शुरू हो गई हैं। उनमें क्वालिटी का कोई मतलब नहीं रह गया है। हर कोई ज्यादा आउटपुट की तलाश में है'।

20 घंटे काम और आठ घंटे की भी दिहाड़ी नहीं

बी एन तिवारी ने कहा कि इसका सबसे ज्यादा असर उन लोगों पर पड़ रहा है, जो कैमरे के पीछे काम करते हैं। इनमें स्पॉट बॉय, लाइट मैन, आर्ट डायरेक्टर और छोटे कलाकार शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से कई लोगों को लंबे समय तक काम करने के बाद भी सही पेमेंट नहीं मिल रहा है। उनके संघर्ष के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'सबसे बड़ा नुकसान मजदूरों की रोज की दिहाड़ी का है। उन्होंने यह भी कहा कि मजदूरों से 20 घंटे काम करवाया जा रहा है, जबकि कई मामलों में उन्हें उनके आठ घंटे के काम की बेसिक पेमेंट भी नहीं दी जा रही है।

'ऐसा ही रहा तो बंद हो जाएगी इंडस्ट्री'

तिवारी ने कहा, 'उन्हें आठ घंटे की पेमेंट भी नहीं मिल रही है और उनसे 20-20 घंटे काम करवाया जा रहा है। 50-60% की कटौती हो रही है। कई मजदूर कम पैसे लेने पर मजबूर हैं, क्योंकि उन्हें काम की जरूरत है और उन्हें अपने परिवारों का पेट भरना है'। बी एन तिवारी ने ओटीटी और डिजिटल प्रोजेक्ट्स में पेमेंट में होने वाली देरी के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि कभी-कभी पेमेंट महीनों बाद आता है और तब तक कंपनी या प्रोड्यूसर का पता लगाना मुश्किल हो जाता है। इंडस्ट्री के भविष्य के बारे में बात करते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि अगर हालात नहीं सुधरे, तो स्थिति और भी खराब हो सकती है। उन्होंने कहा, 'अगर ऐसा ही चलता रहा, तो एक दिन फिल्म इंडस्ट्री बंद हो जाएगी और लोग सड़कों पर आ जाएंगे। स्थिति अभी भी ठीक नहीं है। तिवारी ने कहा कि फेडरेशन कर्मचारियों तक पहुंचने, उनकी समस्याओं को समझने और उन्हें इंसाफ दिलाने में मदद करने की कोशिश कर रहा है।

रिद्धि डोगरा ने बताया खुद से प्यार करने का हुनर कहा- अकेले रहना कमजोरी नहीं, ताकत है

अभिनेत्री रिद्धि डोगरा टेलीविजन और ओटीटी की दुनिया का जाना-माना नाम हैं। ब अभिनेत्री ने बताया कि अकेले रहना कोई कमजोरी नहीं, बल्कि ताकत है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की। इस तस्वीर में वह लाल रंग की साड़ी पहने एक कैफे में बैठी नजर आ रही हैं। रिद्धि ने लिखा, जब आप अकेले किसी कैफे में जाकर खाना खाने, अकेले फिल्म देखने या खुद के साथ वक्त बिताने से डरना बंद कर देते हैं, तो दुनिया आपको खतरनाक समझने लगती है। ऐसा इसलिए क्योंकि आप समाज की बनाई पुरानी सोच से अलग हटकर जीना शुरू कर देते हैं। उन्होंने आगे लिखा, जब आप खुद के साथ खुश रहना सीख जाते हैं, तो आप दूसरों को खुश करने या उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने के दबाव से आजाद हो जाते हैं। तब आप दूसरों को खुश करने के लिए अपनी जिंदगी नहीं जीते।

अभिनेत्री ने बताया कि इस दौरान आपको लोग पसंद तो आते हैं, लेकिन आप उन्हें बांधकर रखने की जिद नहीं करते और जरूरत पड़ने पर उन्हें छोड़ना भी सीख जाते हैं। फिर भी आपके दिल में उनके लिए प्यार कम नहीं होता। उन्होंने लिखा, ज्यादातर लोग इस तरह नहीं सोचते, इसलिए उन्हें समझ नहीं आता कि आपके साथ कैसे पेश आएं। रिद्धि ने पोस्ट के अंत में लिखा, ऐसा नहीं है कि जिंदगी ने आपको अकेलापन नहीं दिया, बल्कि आपने उस अकेलेपन को अपना दोस्त बना लिया। उसके साथ वक्त बिताया और उसे अपनी छोटी-सी खूबसूरत कहानी बना लिया।

रिद्धि डोगरा की इस पोस्ट को उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। लोग कमेंट्स में तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। रिद्धि डोगरा कई लोकप्रिय रियलिटी शो में भी हिस्सा ले चुकी हैं। वह अपने तत्कालीन पति राकेश बापट के साथ डांस रियलिटी शो नच बलिए 6 (2013-14) और स्टंट आधारित शो फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 6 (2015) में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में वह द 50 में भी दिखाई दी थीं। यह शो कलर्स टीवी और जियोसिनेमा पर प्रसारित हुआ था।

धर्मेंद्र को याद कर भावुक हुए बॉबी देओल कहा- 'पापा जैसा कोई बन नहीं सकता'

अभिनेता बॉबी देओल ने हाल ही में शेखर सुमन के चैट शो 'शेखर टुनाइट' में शिरकत की। इस दौरान बॉबी अपने पिता और दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र को याद करके काफी भावुक हो गए। उन्होंने अपने पिता से जुड़ी कुछ बेहद प्यारी यादें साझा कीं।

पिता के जाने का दुख

बॉबी देओल ने बताया कि उनके पिता धर्मेंद्र को पूरी दुनिया बहुत प्यार करती थी। जब धर्मेंद्र का निधन हुआ, तो केवल उनके परिवार को ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को बहुत बड़ा झटका लगा और गहरा दुख हुआ। बॉबी ने कहा कि उनके पिता बेहद खास थे और उनकी जगह कोई नहीं ले सकता। जब बॉबी से पूछा गया कि वे अपने पिता की किस खूबी को हमेशा याद रखेंगे, तो उन्होंने कहा कि ऐसी कोई एक चीज नहीं है। उनकी हर बात बहुत प्यारी थी, यहां तक कि उनका गुस्सा भी प्यार जैसा ही लगता था।

मेरी पहचान सिर्फ 'धर्मेंद्र का बेटा'

शो के होस्ट शेखर सुमन ने जब बॉबी से पूछा कि आज वे शो पर किस रूप में आए हैं- विजय सिंह देओल, बॉबी देओल, बाबा देओल या फिर फैंस के पसंदीदा 'लॉर्ड बॉबी'? इस पर बॉबी ने बहुत ही सादगी से जवाब दिया, 'मैं धर्मेंद्र का बेटा हूं।'

'शेखर टुनाइट' शो

'शेखर टुनाइट' जाने-माने अभिनेता और टीवी होस्ट शेखर सुमन का एक नया और अनस्क्रिप्टेड टॉक शो है। 14 साल के लंबे ब्रेक के बाद उन्होंने इस शो के साथ छोटे पर्दे के अपने 'मूवर्स एंड शेकर्स' वाले अंदाज में वापसी की है। 'शेखर टुनाइट' शो का यह नया एपिसोड हर शुक्रवार को यूट्यूब पर प्रसारित होता है।

चिरंजीवी ने शुरू की 158वीं फिल्म

मुहूर्त शॉट के लिए क्लैप देने पहुंचे पवन कल्याण

अभिनेता चिरंजीवी की आगामी फिल्म को लेकर दर्शक उत्साहित हैं। यह मेगास्टार की 158वीं फिल्म है, इसलिए अस्थाई तौर पर इसे 'मेगा 158' कहा जा रहा है। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की शूटिंग आधिकारिक तौर पर आज गुरुवार से शुरू हो गई है। फिल्म का मुहूर्त शॉट काफी खास रहा, क्योंकि इस दौरान क्लैप देने के लिए चिरंजीवी के छोटे भाई पवन कल्याण खुद उपस्थित रहे। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और एक्टर पवन कल्याण अपने बड़े भाई चिरंजीवी के बेहद करीब हैं। दोनों भाईयों के बीच मजबूत भावनात्मक रिश्ता है। अब जब चिरंजीवी की आगामी फिल्म की शूटिंग शुरू हुई तो बड़े भैया को मुहूर्त शॉट के लिए क्लैप देने भी खुद पवन कल्याण पहुंचे और इस पल को बेहद खास बना दिया।

चिरंजीवी ने पहले दिन की शूटिंग की कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए पवन कल्याण को शुक्रिया कहा है। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट से तस्वीरें शेयर की हैं। साथ ही लिखा है, 'आज जब मैं कल्याण बाबू और मेरे बीच क्लैप देखता हूं तो मुझे 30 साल पहले का वही सीन याद आता है - 'अक्कड़ा अम्मायी इक्कड़ा अब्बायी'। आज, डिप्टी CM के तौर पर मेरी 158वीं फिल्म के मुहूर्त में हिस्सा लेने, क्लैप देने और सभी यूनिट मेंबर्स को खुश करने के लिए आपका धन्यवाद'।

क्या है 'अक्कड़ा अम्मायी इक्कड़ा अब्बायी'

बता दें कि चिरंजीवी ने अपने कैप्शन में जो 'अक्कड़ा अम्मायी इक्कड़ा अब्बायी' का जिक्र किया है, वो दरअसल पवन कल्याण की डेब्यू फिल्म का नाम है। 1996 में रिलीज हुई यह एक रोमांटिक-ड्रामा फिल्म थी। यह सुपरहिट हिंदी फिल्म 'कयामत से कयामत तक' का आधिकारिक तेलुगु रीमेक थी।

शुद्धिकरण: हर हफ्ते 400 मुस्लिम बन रहे हिंदू

राजा मानसिंह के वंशज अनवर बने नरेश, हर साल 2.5 लाख घर वापसी का दावा

नई दिल्ली, 21 मई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। दिल्ली के कमला नगर का आर्य समाज मंदिर। हवन की सौंधी खुशबू थी। अभी हवन हुआ है। इस प्रक्रिया को शुद्धि कहते हैं। एक मुस्लिम लड़की ने हिंदू धर्म स्वीकार किया है। आर्य समाज में बताए तरीकों से उसकी वैदिक धर्म में वापसी कराई गई है। मंदिर से 50 मीटर दूर एक टूटा-फूटा कमरा है। बाहर सफेद रंग की नेम प्लेट लगी है, जिस पर लिखा है- शुद्धि सभा। कमरे के अंदर कुछ रैक हैं, जिनमें डॉक्यूमेंट्स का ढेर लगा है। इसमें शुद्धि यानी वैदिक धर्म में वापसी करने वालों का हिसाब-किताब है। पूजा-हवन के बाद पंडितजी बोले- अब लड़की हिंदू हुई।

शुद्धि कैसे होती है? इसके जवाब में 18-20 मिनट की एक रिकॉर्डिंग दिखाई। इसमें एक लड़की दो महिलाओं के साथ थी। वैदिक मंत्रों के साथ हवनकुंड में आहुतियां देने के बाद पंडित जी ने लड़की के माथे पर रोली से तिलक लगाया। हाथ में कलावा बांधा। पूजा के बाद बोले- अब लड़की हिंदू हुई।'

लड़की का नाम रीता (बदला हुआ नाम) रखा गया। उसने पंडित जी, सास और ननद के पैर छुए। एक सेवादार ने पीछे से कहा- 'घर वापसी की बधाई।' लड़की शांत थी, चेहरे पर कृतज्ञता थी या दुविधा, ये नहीं पता, लेकिन हल्की सी मुस्कान जरूर थी।

कमला नगर में कभी बिरला मिल चलती थी। अब बंद है। इसके नाम पर गली का नाम बिरला लेन हो गया। भीड़भाड़ वाला इलाका है, लेकिन शुद्धि सभा के बारे में पूछने पर लोग बगले झांकने लगते हैं। आर्यसमाज मंदिर के बारे में पूछेंगे, तो तुरंत बता देंगे।

भारतीय हिंदू शुद्धि सभा भवन का 10 बाई 10 का ऑफिस है। अंदर एक टेबल, दो कुर्सियां और एक रैक रखी है। केयरटेकर पहचान उजागर न करने की शर्त पर बताते हैं, 'जिस दफ्तर से इतना बड़ा आंदोलन चल रहा है, उसका पता किसी को क्यों बताएं। हमेशा हमले का खतरा बना रहता है। हम प्रचार कम, काम पर ज्यादा भरोसा करते हैं।'

वे ऑफिस की रैक में रखी एक फाइल निकालकर कुछ लिखने लगे। पूछने पर जवाब मिला, 'आज जो शुद्धिकरण कराया गया, उसकी एंट्री की है। लड़की मुस्लिम से हिंदू बनी है। उसकी होने वाली सास और ननद लेकर आए थे। वो हिंदू लड़के से शादी करना चाहती है, इसलिए मर्जी से हिंदू बनना स्वीकार किया।' उसके परिवार वाले नहीं आए? इस पर वे कहते हैं, 'नहीं। मां राजी थी, लेकिन डर की वजह से साथ नहीं आई। घर वालों को पता चल जाएगा तो लड़की, लड़के और उनके परिवार को जान का खतरा हो जाएगा।' शुद्धिकरण की एंट्री होती है, डेटा तो रखना पड़ता है।'

हफ्तेभर में यही कोई 400 से 500 लोगों का शुद्धिकरण करते हैं। रोज कोई न कोई आता ही है। कोई अकेले आता है, कोई परिवार के साथ, कई परिवार एकसाथ भी आ जाते हैं।'

इसके बाद भारतीय हिंदू शुद्धि सभा के महामंत्री सुभाष चंद्र दुआ से मिले। घर वापसी के इतिहास पर वे कहते हैं, 'देहरादून के रहने वाले मोहम्मद उमर, आर्यसमाज के संस्थापक दयानंद सरस्वती के संपर्क में आए। उन्होंने वैदिक धर्म में वापसी की इच्छा जताई। दयानंद जी ने उनका शुद्धिकरण किया और अलखधारी नाम दिया।' 'अलखधारी बाद में सनातन के प्रचारक बने। तब शुद्धि आंदोलन की नींव रखी जा रही थी। दयानंद सरस्वती ने ऐसे बहुत से लोगों का शुद्धिकरण किया। वे 1875 से ये काम कर रहे थे।'

'25 फरवरी को स्वामी श्रद्धानंद जी ने आगरा के रायभा गांव में सबसे पहले शुद्धि की। एकसाथ करीब 5 हजार लोगों ने सनातन में वापसी की। 1923 के आखिर तक ये आंकड़ा 30 हजार के पार हो गया। इसमें मलकाना राजपूतों ने बड़े स्तर पर घर

अमेरिका के टेक्सास में आर्य समाज के जरिए हिंदू धर्म में लौटने वाले नरेश सिंह राजपूत और उनकी पत्नी जारा सिंह

वापसी की।' घर वापसी करने वालों की संख्या पूछने पर सुभाष कहते हैं कि हम सटीक आंकड़ा तो नहीं बता सकते। हमारे पास सब डाक्यूमेंटेड है। मोटेतौर पर हर साल करीब 2.5 लाख लोग घर वापसी करते हैं। इसमें मुस्लिम और ईसाई दोनों हैं। मुसलमान ज्यादा हैं।

सुभाष की बातों की पुष्टि के लिए आगरा के रायभा गांव पहुंचे। यहां की बड़ी आबादी मलकाना राजपूत है। गांववाले कैमरे पर बोलने को तैयार नहीं हुए। कुछ लोगों ने बताया, 'हम तो उस वक्त नहीं थे। पूर्वजों ने जरूर बताया था कि मुगलों के आक्रमण के वक्त जान बचाने के लिए हम हिंदू से मुसलमान बने, लेकिन बाद में शुद्धिकरण कर हिंदू बन गए।' वे कहते हैं, 'बेटे-बेटियों, नाती-पोतों की शादियां अब हिंदुओं में होती हैं। रिश्तेदार ये सब नहीं जानते। इतनी पुरानी बात बताने का मतलब भी नहीं। अगर ये खबर फैली, तो लोग हमारे हिंदू होने पर शक करेंगे। अगर सबूत चाहिए, तो यहां आज भी एक मोहल्ले का नाम शुद्धि है, जहां वैदिक रीति-रिवाज से हमारे पूर्वज हिंदू बने थे।'

भारतीय शुद्धि सभा के महामंत्री सुभाष चंद्र दुआ आगे बताते हैं, 'जयपुर के महाराजा मानसिंह का जिक्र आपने सुना होगा। वे मुगल सेना के साथ महाराणा प्रताप के खिलाफ लड़े थे। मुगलों ने उन्हें रियासत दी और वे मुसलमान बन गए। इनके वंशज अभी अमेरिका में रहते हैं। अनवर रजा और पत्नी जारा खान। दोनों 4 साल पहले वैदिक परंपरा में लौटे हैं।'

क्या आपने उनका शुद्धिकरण करवाया? सुभाष कहते हैं, 'हां, अमेरिका में ही। शुद्धिकरण के बाद अनवर रजा नरेश सिंह राजपूत और पत्नी जारा खान अब जारा सिंह हो गई हैं। भारत ही नहीं विदेशों में भी हमारा बड़ा नेटवर्क है, खासकर दक्षिण अफ्रीका में।'

अनवर रजा से हिंदू बने नरेश सिंह राजपूत ने कहा कि वे 1980 से अमेरिका में रह रहे हैं। नरेश बताते हैं, 'मेरी पैदाइश पाकिस्तान के लाहौर की है। पिता कट्टर मुस्लिम थे। मुझे भी जमात-ए-इस्लामी पार्टी के मुखिया मौलाना मौदूदी के पास इस्लामी विचारधारा सीखने भेजते थे।'

मेरे दादा खुद को पक्का मुसलमान नहीं मानते थे। मुझ पर उनका बहुत असर था। उन्होंने ही मुझे रामचंद्र और रानी लक्ष्मीबाई के बारे में बताया। उन साहित्यों के बारे में जाना, जो हिंदू संस्कृति का हिस्सा है।

क्या दादा से आपको परिवार के इतिहास के बारे में पता चला। इस पर वे कहते हैं, 'नहीं, सीधा तो नहीं। उन्होंने पापा को जो फैमिली ट्री दिया था, उसे उर्दू से अंग्रेजी में अनुवाद किया, तब मिर्जा राजा मानसिंह के बारे में पता चला। ये राजस्थान के आमेर के 29वें कछवाहा राजा थे और मुगल शासक अकबर के खास थे। हमारे पूर्वज उनकी सेना में थे।'

'उन्हें और हमारे परिवार को मुस्लिम बनने पर किस चीज ने मजबूर किया होगा, इसका जवाब तो नहीं मिलेगा। हालांकि, यहीं से मुझे अपनी जड़ों की ओर लौटने का पहला इशारा मिला। मैंने नॉनवेज खाना छोड़ दिया। नमाज बंद कर दी। मन की शांति के लिए विपश्यना की और ध्यान करना सीखा।'

'मैं मन ही मन सनातन में वापसी तो चाहता था, लेकिन रास्ता समझ नहीं आ रहा था। इसी दौरान मेरी सोशल मीडिया पोस्ट पढ़कर भारतीय हिंदू शुद्धि सभा के एक कार्यकर्ता ने मुझसे संपर्क किया।

मैंने अपने बारे में सब बताया और पूछा कि क्या मैं दोबारा हिंदू बन सकता हूं। इसके बाद आर्यसमाज के एक कार्यकर्ता ने यहीं टेक्सास में ही वैदिक रीति रिवाज से मेरी शुद्धि करवाई।'

आपकी पत्नी ने भी स्वीकार किया? जवाब मिला- 'हां, हमने एकसाथ ही घर वापसी की। वो अभी ब्रह्मकुमारी संस्था की कार्यकर्ता हैं।

शादी के वक्त मैं मुस्लिम था, तो मुस्लिम से ही शादी की थी, लेकिन पत्नी ने मुझे ध्यान, विपश्यना करते देख ये सब करने की इच्छा जताई।'

परिवार ने विरोध नहीं किया? नरेश कहते हैं, 'ये सब अचानक नहीं किया। मैं धीरे-धीरे इस्लाम छोड़ ही रहा था। मेरा खान-पान, पूजा-पद्धति सब पहले ही बदल चुका था। बस नाम बदलना बाकी था। करीब 4 साल पहले शुद्धिकरण के जरिए ये भी हो गया।'

बच्चे कौन सा धर्म मानते हैं? वे कहते हैं, 'जारा और मेरे बच्चे नहीं हैं। मेरी पत्नी की पहली शादी से तीन बच्चे हैं। इनमें से दो इस्लाम मानते हैं और एक नास्तिक है।'

शुद्धि सभा के केयरटेकर के मुताबिक, आर्य समाज रजिस्टर्ड गैर सरकारी संगठन है। घर वापसी के इच्छुक या उनके संबंधी आवेदन करते हैं। आवेदन करने वाले बालिग हैं या नहीं, इसके लिए मैट्रिक सर्टिफिकेट या एफिडेविट लगता है। उसे नया नाम देकर साइन या अंगूठा लगवाया जाता है। ये पूरी कानूनी प्रक्रिया है, इसमें डर और दबाव नहीं है।

केयरटेकर बताते हैं, 'हम व्यक्ति की प्राइवेसी और सुरक्षा को देखते हुए, धर्म बदलने वाले के डाक्यूमेंट किसी से शेयर नहीं करते। दो साल पहले एक लड़की ने यहां धर्म बदला था। न जाने कैसे उसके घरवालों को पता चला और लड़की की हत्या कर दी गई, इसलिए हम सब कुछ कॉन्फिडेंशियल रखते हैं।'

बीजेपी नेता और युवाओं ने एक-दूसरे को पीटा

बर्थडे पार्टी में बीयर की बोतल टूटने पर मारपीट, थाने में भी भिड़े

दुर्ग-भिलाई, 21 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के भिलाई में जन्मदिन पार्टी के दौरान घर के सामने बीयर की बोतल टूटने को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई है। बीजेपी के कैंप-1 मंडल कोषाध्यक्ष राजेश चौधरी ने टूटे कांच साफ करने कहा, तो विवाद हो गया। दोनो तरफ से गाली-गलौज के बाद हाथ-मुक्कों और डंडे से एक-दूसरे को पीटा गया। जिसका वीडियो भी सामने आया है। इस मारपीट मामले में समझौते की बात करने बुधवार देर रात दोनों पक्ष छावनी थाने पहुंचे थे, लेकिन राजेश चौधरी के साथ आए बीजेपी मंडल उपाध्यक्ष गुरुचरण बग्गा के गाली देने से माहौल और बिगड़ गया। जिससे जमकर हंगामा हुआ। थाना परिसर में दोनों पक्ष के बीच जमकर धक्का-मुक्की हुई। पुलिसकर्मियों के साथ भी झूमाझटकी हुई। विवाद बढ़ने के बाद दोनों पक्षों के लोग थाने के अंदर ही आपस में भिड़ गए।

इस दौरान कुछ लोग टेबल-कुर्सियों पर चढ़कर वीडियो बनाते नजर आए। विवाद इतना बढ़ गया कि थाना परिसर में जमकर धक्का-मुक्की हुई। इस दौरान पुलिसकर्मियों के साथ भी झूमाझटकी हुई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ लोग टेबल-कुर्सियों पर चढ़कर वीडियो बनाते नजर आ रहे हैं।

पुलिसकर्मियों को भी भीड़ को नियंत्रित करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। बताया जा रहा है कि जब थाने में हंगामा हो रहा था, उस समय थाना प्रभारी मौजूद नहीं थे। बाद में उनके पहुंचने पर दोनों पक्षों की शिकायत ली गई और देर रात एफआईआर दर्ज की गई।

पहले पक्ष की ओर से दीपक पासी ने शिकायत में बताया कि, 20 मई को उसके दोस्त मनीष देवांगन का जन्मदिन था। पार्टी के दौरान वह बीयर लेने गया था। लौटते समय राजेश चौधरी के घर के सामने उसकी बाइक फिसल गई और बीयर की बोतल टूट गई।

दीपक का आरोप है कि इसी बात पर राजेश चौधरी और उसके भाई ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर हाथ-मुक्कों और डंडे से मारपीट की गई। उसने आरोप लगाया कि बीच-बचाव करने आए उसके दोस्त सुजीत गुप्ता पर लोहे की रॉड से हमला किया गया।

कोयला कंपनी से लेवी मांगने वाले दो गिरफ्तार

नक्सली संगठन के नाम पर 50 लाख की मांगी थी रंगदारी, पांच दिनों बाद अरेस्ट

पाकुड़, 21 मई (एजेंसियां)। पाकुड़ जिले के अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र में पुलिस ने दो स्थानीय बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इन पर एक कोयला कंपनी से नक्सली संगठन के नाम पर 50 लाख रुपए की लेवी मांगने का आरोप है। यह घटना बीते 14 मई को बीजीआर कोल कंपनी की कंस्ट्रक्शन साइट पर हुई थी। एसपी अनुदीप सिंह ने बताया कि बीजीआर कोल माइन्स कंपनी बरदाहा गांव के पास इकड़ी नाला में एक पुल का निर्माण कर रही है।

14 मई की रात दो नकाबपोश बदमाश निर्माण स्थल पर पहुंचे और नक्सली संगठन के नाम पर 50 लाख रुपए की लेवी मांगी। इस संबंध में थाना में कांड संख्या 34/26 दर्ज किया गया था।

ओबीसी कोटे में दिव्यांगों को 7% से ज्यादा नियुक्ति

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट शिक्षक भर्ती पर बोला- प्रक्रिया गलत, नई मेरिट लिस्ट बनाने के आदेश

बिलासपुर, 21 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जस्टिस राकेश मोहन पांडेय ने शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी पर सख्त टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षित पदों पर तय सीमा से ज्यादा दिव्यांग उम्मीदवारों को केवल उनकी योग्यता के आधार पर नियुक्ति देना कानूनन गलत है।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को मेरिट लिस्ट की समीक्षा कर 90 दिन के अंदर दोबारा मेरिट लिस्ट बनाने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, उमेश कुमार श्रीवास, नेहा साहू, प्रमोद कुमार साहू सहित कई लोगों ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। इसमें बताया कि लोक शिक्षण संचालनालय ने 9 मार्च 2019 को व्याख्याता, शिक्षक और सहायक शिक्षक के कई खाली पदों पर भर्ती

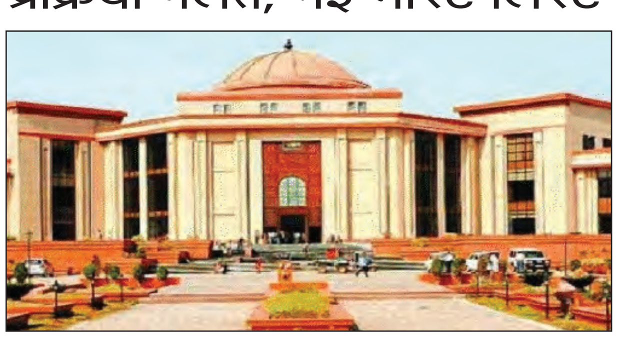

के लिए विज्ञापन जारी किया था।

याचिका में बताया गया कि, इस भर्ती में ओबीसी वर्ग के याचिकाकर्ताओं ने भी हिस्सा लिया और मेरिट सूची में स्थान बनाया। लेकिन, जब चयन समिति ने प्रोविजनल मेरिट लिस्ट जारी की, तो ओबीसी कैटेगरी के पदों पर 7% की तय सीमा से कहीं ज्यादा दिव्यांग उम्मीदवारों को चुन लिया गया। व्याख्याता बायोलॉजी ई-संवर्ग के लिए कुल 200 पद भरे जाने थे, जिसमें ओबीसी के हिस्से के पदों में से 14 पद दिव्यांगों के लिए आरक्षित होने चाहिए थे, लेकिन चयन समिति ने ओबीसी कोटे के तहत ही 6 दिव्यांगों को उनकी मेरिट के आधार पर सीधे नियुक्त कर दिया। जिससे सामान्य ओबीसी उम्मीदवारों का हक प्रभावित हुआ। यही तरीका शिक्षक गणित और सहायक शिक्षक विज्ञान भर्ती में भी अपनाया गया।

राज्य सरकार की तरफ से तर्क दिया गया कि, जिन दिव्यांग उम्मीदवारों का चयन किया गया, उन्होंने मेरिट सूची में ऊंचा स्थान हासिल किया था।

सर्कुलर के अनुसार उनकी योग्यता को देखते हुए बिना उनकी मूल श्रेणी की परवाह किए उन्हें नियुक्ति दी गई।

वहीं, याचिकाकर्ताओं की तरफ से कहा गया क चयन समिति की यह प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट के इंदिरा साहनी मामले में दिए गए ऐतिहासिक फैसले के खिलाफ है।

गिरिडीह जीएसटी ऑफिस में सीबीआई की कार्रवाई

घूस लेते सुपरिटेंडेंट और इंस्पेक्टर पकड़ाए जीएसटी नोटिस सेटलमेंट के लिए मांगे थे 65 हजार

गिरिडीह, 21 मई (एजेंसियां)। गिरिडीह के बजरंग चौक स्थित सेंट्रल जीएसटी एवं एक्साइज कार्यालय में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जीएसटी विभाग के सुपरिटेंडेंट बुद्धेश्वर सुंडी और इंस्पेक्टर बिरजू कुमार को घूसखोरी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई बिरनी प्रखंड के खाखीपीपर निवासी राजू अंसारी की शिकायत पर की गई।

उन्होंने आरोप लगाया था कि वर्ष 2023 में उनके चार्टर्ड अकाउंटेंट अनीश कुमार सेठ और जीएसटी अधिकारियों ने मिलकर उन्हें 95 लाख रुपए के जीएसटी टैक्स का नोटिस भेजा था। लगातार तीन नोटिस मिलने के बाद उन्हें मामले में गड़बड़ी का संदेह हुआ। जब वे ऑफिस आ कर पता किए तो मामले को निपटाने के लिए अधिकारियों और सीए द्वारा उनसे 90 हजार रुपए की रिश्वत मांगी गई। जिसे बाद में बातचीत के जरिए 65 हजार रुपए पर तय किया गया।

शिकायत मिलने के बाद धनबाद स्थित सीबीआई कार्यालय में एसपी भंवर लाल मीणा के निर्देश पर ट्रैप की योजना बनाई गई। पूर्व निर्धारित योजना के तहत राजू अंसारी 50 हजार रुपए लेकर गिरिडीह जीएसटी कार्यालय पहुंचे। जहां अधिकारियों ने रकम सीधे लेने के बजाय एक अन्य व्यक्ति के माध्यम से अपने घर भिजवा दी। सीबीआई ने पहले ही नोटों पर विशेष केमिकल लगा रखा था। पूरी प्रक्रिया पर नजर रखी जा रही थी।

50 लाख का अफीम डोडा जब्त

तस्कर फरार, कार से बरामद किया गया 324 किलो मादक पदार्थ, हजारीबाग भेजने की थी तैयारी

चतरा, 21 मई (एजेंसियां)। चतरा पुलिस ने नशा माफियाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए सिमरिया थाना क्षेत्र से लगभग 50 लाख रुपए मूल्य का अवैध अफीम डोडा बरामद किया है। तस्कर पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए, लेकिन पुलिस ने उनकी दो कारों से भारी मात्रा में नशीला पदार्थ जब्त कर लिया।

पुलिस ने कुल 324 किलोग्राम अफीम डोडा बरामद किया। यह खेप हजारीबाग भेजने की तैयारी थी। चतरा एसपी अनिमेष नैथानी ने बताया कि चतरा पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि अफीम तस्करों का एक गिरोह बधार इलाके से देलहो (सिमरिया) होते हुए सक्रिय है। सूचना मिलते ही सिमरिया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। जांच के दौरान चतरा की ओर से तेज रफ्तार में आ रही दो कारें दिखाई दीं। पुलिस को देखकर तस्कर रात के अंधेरे का फायदा उठाकर गाड़ियां छोड़कर भागने में सफल रहे। जैसे ही पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया, चालकों ने गाड़ियों की रफ्तार और बढ़ा दी। पुलिस का शक यकीन में बदल गया। इसके बाद सिमरिया थाना प्रभारी और जवानों ने अपनी गाड़ियों से तस्करों का फिल्मी स्टाइल में पीछा करना शुरू किया। आखिरकार पुलिस दल ने चोराही के पास दोनों लग्जरी कारों को चारों तरफ से सफलतापूर्वक घेर लिया। खुद को चारों तरफ से घिरा देख और पुलिस के खौफ से दोनों वाहनों के चालक गाड़ी छोड़कर कूद गए। इससे पहले कि पुलिस जवान उन्हें दबोच पाते, वे रात के घने अंधेरे और सड़क किनारे स्थित बीहड़ जंगल का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। जब पुलिस टीम ने दोनों लावारिस खड़ी गाड़ियों की सघन तलाशी ली, तो एक कार की डिक्की और सीट के नीचे से कुल 169 किलोग्राम और दूसरी कार से कुल 155 किलोग्राम अवैध अफीम डोडा बरामद किया गया।

रायपुर एयरपोर्ट पर 30 फीट ऊंचाई से गिरा इलेक्ट्रीशियन, मौत

रायपुर, 21 मई (एजेंसियां)। राजधानी रायपुर के माना स्थित स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। एयरपोर्ट के वेटिंग हॉल में फॉल्स सीलिंग रिपेयरिंग के दौरान एक संविदा कर्मचारी करीब 30 फीट ऊंचाई से नीचे गिर गया। हादसे में उसके सिर पर गंभीर चोट आई और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

बांसजोड़ा गोलीकांड मामले में एक की मौत, 9 गिरफ्तार

देशी पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद फरार अन्य आरोपियों की तलाश जारी

धनबाद, 21 मई (एजेंसियां)। धनबाद के लोयाबाद थाना क्षेत्र स्थित बांसजोड़ा बस्ती में बुधवार को पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प और गोलीबारी हुई। इस घटना में गोली लगने से किशुन रवानी की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि विष्णु प्रमाणिक सहित कई अन्य घायल हुए हैं।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटनास्थल से एक देशी पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस और छह क्षतिग्रस्त चारपहिया वाहन भी जब्त किए गए हैं।

ग्रामीण एसपी एस मोहम्मद याकूब ने गुरुवार को इस मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बुधवार दोपहर करीब तीन बजे पुलिस को बांसजोड़ा बस्ती में हिंसक झड़प और फायरिंग की सूचना मिली थी।

सूचना मिलते ही लोयाबाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर भारी भीड़ थी और छह चारपहिया वाहन क्षतिग्रस्त पाए गए, जिनके शीशे टूटे हुए थे।

विवाद पुरानी रंजिश के कारण शुरू हुआ था

स्थानीय लोगों से पूछताछ में सामने आया कि यह विवाद पुरानी रंजिश के कारण शुरू हुआ था। देखते ही देखते यह मारपीट, पत्थरबाजी और गोलीबारी में बदल गई। इस दौरान किशुन रवानी और विष्णु प्रमाणिक को गोली लगी। किशुन रवानी ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जबकि विष्णु प्रमाणिक समेत कई अन्य लोग घायल हैं।

तलाशी अभियान के दौरान, पुलिस ने एक लाल रंग की कार की ड्राइविंग सीट के नीचे छिपाकर रखी गई एक देशी पिस्टल और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए। इस मामले में लोयाबाद थाना में दोनों पक्षों के आवेदन और पुलिस अधिकारी के बयान के आधार पर कुल तीन प्राथमिकियां (FIR) दर्ज की गई हैं।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कुल नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें रजनी कुमारी, राजेश कुमार महतो, धर्मेंद्र महतो, मेराज अंसारी और अमीत महतो शामिल हैं।

पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और फरार अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। फिलहाल, इलाके में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और स्थिति नियंत्रण में है।

पुलिस ने चेतावनी दी है कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हमारे पद पर रहने का कोई मतलब नहीं

विकास कार्य नहीं होने पर 27 सरपंचों ने एक साथ दिया इस्तीफा

कांकेर, 21 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के अंतागढ़ विकासखंड के 27 ग्राम पंचायतों के सरपंचों ने इलाके में विकास कार्य मंजूर नहीं होने का आरोप लगाते हुए जिला प्रशासन को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। इसके बाद हड़कंप मच गया है। स्थानीय पंचायत सदस्य संघ ने हालांकि दावा किया कि विकासखंड के सभी 56 ग्राम पंचायतों के सरपंचों और एक जिला पंचायत सदस्य ने विरोध स्वरूप अपना इस्तीफा दिया है।

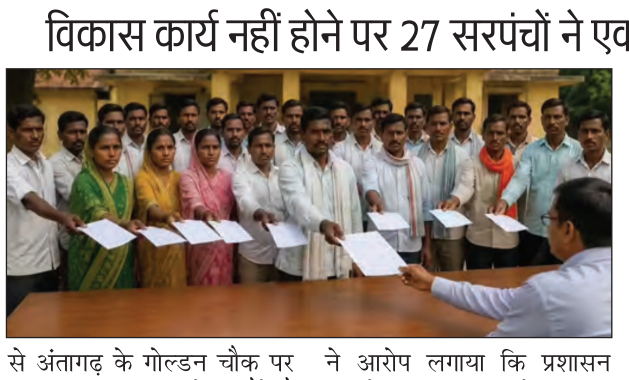

विरोध कर रहे सरपंच 18 मई से अंतागढ़ के गोल्डन चौक पर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं और ग्रामीण विकास कार्यों की मंजूरी तथा धन जारी करने की मांग कर रहे हैं। चुने हुए सरपंचों ने आरोप लगाया कि प्रशासन पिछले एक साल में उनकी पंचायतों में एक भी विकास परियोजना को मंजूर करने में नाकाम रहा है, जिससे वे ग्रामीणों से किए गए वादों को पूरा करने में असमर्थ हो गए हैं।

गुप्तेश उसेंडी ने कहा कि धन और कार्यों की मंजूरी के बिना, हम पंचायतों को चलाने में पूरी तरह से असमर्थ हैं। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल से ग्रामीण इलाकों में विकास कार्य लगभग ठप पड़े हैं, जिसकी वजह से सामूहिक इस्तीफे का यह कदम उठाया गया है।

उन्होंने कहा कि जब कोई काम ही नहीं है, तो पद पर बने रहने का कोई मतलब नहीं है।

झारखंड में एक साथ 27 नक्सलियों का आत्मसमर्पण

8 नक्सलियों पर थे 33 लाख रुपए का इनाम, 16 हथियार और 2857 गोलियां भी सौंपी

रांची, 21 मई (एजेंसियां)। झारखंड में आज 27 नक्सलियों ने सरेंडर किया। जिन 27 नक्सलियों ने सरेंडर किया है, उनमें 25 केंद्रीय कमेटी सदस्य मिसिर बेसरा उर्फ सागर जी, असीम मंडल की टीम के शीर्ष कमांडर और मारक दस्ता के सदस्य हैं। ये सभी कोल्हान और सारंडा के सुदूर जंगल-पहाड़ी इलाकों में सक्रिय थे। आत्मसमर्पण करने वालों में 6 सब-जोनल कमेटी सदस्य, 6 एरिया कमेटी सदस्य और 13 दस्ता सदस्य शामिल हैं। इसके साथ ही गुमला जिले में सक्रिय जेजेएमपी संगठन के 2 नक्सलियों

ने भी हथियार डाले हैं। पुलिस के अनुसार, यह सामूहिक आत्मसमर्पण राज्य में नक्सल गतिविधियों के कमजोर पड़ने का संकेत है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में 8 पर कुल 33 लाख रुपए का इनाम घोषित था। इन सभी के खिलाफ विभिन्न जिलों में कई गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि लगातार चलाए जा रहे अभियान और सख्त कार्रवाई के कारण नक्सली दबाव में हैं। झारखंड पुलिस की रणनीति का असर यह भी दिखा कि तेलंगाना और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में भी नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। अधिकारियों का मानना है कि इस तरह के आत्मसमर्पण से संगठन की संरचना कमजोर होती है और नए युवाओं की भर्ती पर भी असर पड़ता है। आत्मसमर्पित नक्सलियों को सरकार की पुनर्वास नीति के तहत सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

चीन की नई चाल से भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री में हाहाकार, सरकार से लगाई मदद की गुहार

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। भारत इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग में तेजी से आगे बढ़ रहा है लेकिन चीन इस बात को पचा नहीं पा रहा है। भारत के रास्ते में रोड़ा अटकाने के लिए वह हरसंभव प्रयास कर रहा है। चीन ने सप्लाई चेन पर तरह-तरह की बंदिशें लगाई हैं जिससे भारत का ग्लोबल इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग हब बनने का सपना टूट सकता है। भारतीय कंपनियां अब सरकार से मदद की गुहार लगाई है।

चीन ने अपनी सप्लाई चेन को कंट्रोल करने के लिए अप्रैल में कई तरह की नियामकीय बंदिशें लगाई थीं। साथ ही चीन से बाहर मैन्युफैक्चरिंग शिफ्ट करने वाली कंपनियों के सीनियर अधिकारियों को भी व्यक्तिगत रूप से जबावदेह बनाया गया है। इसे आईफोन बनाने वाली कंपनी ऐपल जैसे टॉप ब्रांड्स और भारत में इसके सप्लायर्स प्रभावित हो सकते हैं। साथ ही चीन के कंपनियों के साथ जॉइंट वेंचर बनाने की तैयारी कर रही भारतीय कंपनियों को भी इससे झटका लगा है।

चीन की चाल

ऐपल ने इस बारे में सवालों का जवाब नहीं दिया। सूत्रों के मुताबिक मामले की गंभीरता को देखते हुए इंडियन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री ने सरकार से तत्काल मदद मांगी है।

इंडस्ट्री का कहना है कि चीन ने बंदिशें लगाई हैं, उससे सप्लाई चेन की स्थिरता, निवेश और एक्सपोर्ट ग्रोथ प्रभावित होगा। एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि सरकार इस बात से वाकिफ है और इंडस्ट्री से सलाह-मशविरा करने के बाद हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। इंडस्ट्री के अधिकारियों का कहना है कि भारत सप्लाई चेन बना रहा है और आयात पर निर्भरता कम कर रहा है लेकिन मैन्युफैक्चरिंग को जारी रखने और एक्सपोर्ट के लिए चिन से कंपोनेंट्स, एसेंबलीज और कैपिटल इक्विपमेंट का आयात बहुत जरूरी है। लेकिन चीन ने इसमें कई तरह बंदिशें लगा दी हैं। इसके तहत जिन कंपनियों ने अपनी सप्लाई चेन भारत शिफ्ट कर दी है या करने की योजना बना रही हैं, उनके खिलाफ एक्शन लिया जा सकता है।

फैसले की टाइमिंग

एक अधिकारी ने कहा कि चीन के एक्शन का समय अहम है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जबकि भारत ने हाल में प्रेस नोट 3 के नियमों में कुछ ढील दी थी। इसका मकसद देश में मैन्युफैक्चरिंग में निवेश को बढ़ावा देना है। अधिकारी ने कहा कि चीन भारत को कोई स्पेस नहीं देना चाहता है और भारत को विकल्प के तौर पर नहीं देखना चाहता है। यही वजह है कि उसने नियमों को कड़ा कर दिया है और ग्लोबल कंपनियों की डाइवर्सिफाई करने के प्रयासों को रोक दिया है।

जेपी पावर का शेयर सुबह ही 5% से ज्यादा चढ़ गया , गुड न्यूज यहां से आई

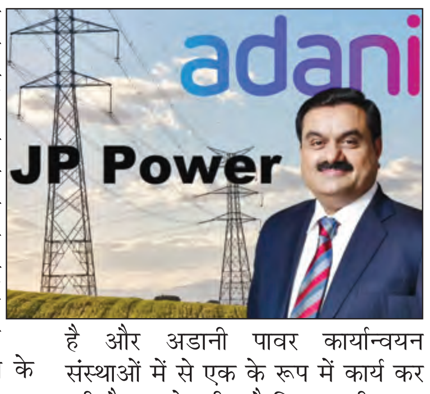

मुंबई, 21 मई (एजेंसियां)। अडानी पावर ने गुरुवार को एक ऐलान किया और जयप्रकाश पावर वेंचर्स के शेयर पांच फीसदी से भी ज्यादा चढ़ गए। उसने घोषणा की कि जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड से जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड में 24 प्रतिशत हिस्सेदारी और उत्तर प्रदेश में स्थित 180 मेगावाट के चुर्क थर्मल पावर प्लांट अधिग्रहण के लिए जेएएल से करार किया है। यह करार एनसीएलटी द्वारा मंजूर की गई समाधान योजना के अंतर्गत हुआ है।

हो गया हस्ताक्षर

स्टॉक एक्सचेंज की गई फाइलिंग में अडानी ग्रुप ने बताया कि उसने जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड में जेएएल की 24 प्रतिशत हिस्सेदारी को लगभग 2,993.6 करोड़ रुपए में हासिल करने के लिए एक शेयर खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

एक अलग फाइलिंग में कंपनी ने कहा कि उसने जेएएल के सोनभद्र स्थित 180 मेगावाट के चुर्क थर्मल पावर स्टेशन को, संबंधित संपत्तियों सहित, जिसमें प्रयागराज पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड में 11.49 प्रतिशत हिस्सेदारी भी शामिल है, 1,200 करोड़ रुपए में खरीदने के लिए एक व्यापार हस्तांतरण समझौते में प्रवेश किया है। जेपीवीएल 2,220 मेगावाट की संयुक्त क्षमता वाले थर्मल और हाइडिल असेट का संचालन करती है, साथ ही कोयला खनन, रेत खनन और सीमेंट ग्राइंडिंग में भी इसकी हिस्सेदारी है। चुर्क प्लांट उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में स्थित है जहां180 मेगावाट का थर्मल पावर प्लांट है।

सौदा समाधान योजना का हिस्सा

कंपनी ने बताया कि ये लेन-देन एनसीएलटी द्वारा अनुमोदित जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के समाधान योजना का हिस्सा हैं, जिसके तहत अडानी इंटरप्राइजेज लिमिटेड समाधान आवेदक है और अडानी पावर कार्यान्वयन संस्थाओं में से एक के रूप में कार्य कर रही है। उल्लेखनीय है कि अडानी पावर ने पहले ही समाधान प्रक्रिया में भाग लेने में अपनी रुचि दिखाई थी और कहा था कि नए समझौते मंजूर फ्रेमवर्क के तहत परिसंपत्ति अधिग्रहण को औपचारिक रूप देते हैं।

नकद में होगा सौदा

एक्सचेंज फाइलिंग अनुसार, ये सौदे नकद में पूरे किए जाएंगे और नियामक स्वीकृतियों के बाद कार्यान्वयन समयसीमा से जुड़ी समाधान योजना में परिभाषित प्रभावी तिथि पर इनके संपन्न होने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने अगस्त 2025 में इस लेनदेन को मंजूरी दी थी, जबकि एनसीएलटी की इलाहाबाद बेंच ने मार्च 2026 में समाधान योजना को मंजूरी दी थी। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने मई 2026 में इस आदेश को बरकरार रखा।

शेयर की क्या है चाल

जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड का शेयर बीएसई में कल 18.33 रुपये पर बंद हुआ था। आज सुबह बीएसई में इसका शेयर 19.08 रुपये पर खुला और ऊंचे पर 19.38 रुपये तक गया। यह कल के मुकाबले पांच फीसदी से भी ज्यादा था। कारोबार के दौरान नीचे में 18.56 रुपये तक गिरा। सुबह 10.40 बजे इसका शेयर 19 रुपये पर ट्रेड हो रहा था जो कि 3.66 फीसदी की बढ़ोतरी को दर्शाता है।

शेयर बाजार में तेजी के बाद गिरावट

सेंसेक्स 135 अंक लुढ़का, रुपया हुआ मजबूत

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। मिलेजुले वैश्विक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजार में आज तेजी के साथ खुला लेकिन बाद में उसमें गिरावट आई। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 550 अंक तक चढ़ गया जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 इंडेक्स 23,800 अंक के ऊपर पहुंचा। लेकिन आईटी और एफएमसीजी शेयरों में गिरावट के कारण मामला पलट गया। आखिरकार सेंसेक्स 135.03 अंक यानी 0.18% की गिरावट के साथ 75,183.36 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 4.3 अंक यानी 0.02% फिसलकर 23,654.70 अंक पर आ गया। इस बीच रुपये में लगातार नौ दिन से आ रही गिरावट आज थम गई। डॉलर के मुकाबले रुपया 0.6% मजबूत होकर 96.20 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 में से 18 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। बजाज फाइनेंस में सबसे ज्यादा 1.64 फीसदी गिरावट रही। इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फिनसर्व और भारती एयरटेल में एक फीसदी से अधिक गिरावट रही। दूसरी ओर इंडिगो, ट्रेंट, बीईएल, अडानी पोर्ट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील और लार्सन एंड टुब्रो में तेजी रही।

ब्रॉडर मार्केट का हाल

निफ्टी के शेयरों में बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा और हिंदुस्तान यूनिलीवर में सबसे ज्यादा गिरावट रही। ब्रॉडर बाजार में निफ्टी मिडकैप में 0.04 फीसदी गिरावट रही जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.63 फीसदी तेजी रही। सेक्टरवाइज देखें तो निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी आईटी और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में सबसे ज्यादा गिरावट आई। इस बीच निफ्टी रियल्टी और निफ्टी सीमेंट में तेजी रही।

शेयर बाजार की चाल

शेयर बाजार में तेजी के बाद गिरावट, सेंसेक्स 135 अंक फिसला बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा और हिंदुस्तान यूनिलीवर गिरे इंडिगो, ट्रेंट, बीईएल, अडानी पोर्ट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाटा स्टील में तेजी रुपये में नौ दिनों से आ रही गिरावट थमी, डॉलर के मुकाबले 0.60% मजबूत इस बीच रुपये में लगातार नौ दिनों से आ रही गिरावट का सिलसिला आज थम गया। पिछले सत्र में यह डॉलर के मुकाबले 96.82 के ऑल टाइम लो पर बंद हुआ था और आज इसमें मजबूती आई। यह 0.60 परसेंट मजबूत होकर 96.20 पर बंद हुआ। अंत में माना जा रहा है कि आरबीआई के हस्तक्षेप के कारण रुपया मजबूत हुआ है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से रुपये में करीब 6 फीसदी गिरावट आई थी।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् -**1948**, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -**2551** , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
सूर्योदय **05-46**
सूर्यास्त. **18 -38**
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - अधिक ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष शुक्रवार **22 May 2026**
तिथि - षष्ठी **06-24** तक उपरान्त (सप्तमी क्षय)
नक्षत्र - आश्लेषा **02-08** रात्रि तक उपरान्त मघा
योग - वृद्धि **08-18** तक उप ध्रुव
करण - तैतिल **06-24** तक उप गर

गृह स्थिति		
सुर्य	वृष	मे
चंद्र	कर्क	मे
मंगल	मेष	मे
बुध	वृष	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	मिथुन	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय		
वृष----	05-20	बजे
मिथुन--	07-20	बजे
कर्क---	09-33	बजे
सिंह---	11-45	बजे
कन्या---	13-51	बजे
तुला----	15-57	बजे
वृश्चिक--	18-07	बजे
धनु----	20-21	बजे
मकर--	22-27	बजे
कुंभ---	00-17	बजे
मीन---	01-55	बजे
मेष----	03-31	बजे

विशेष: आश्लेषा नक्षत्र शांति

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 10-36 से 12-13 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया

चंचल	05 -46 - 07-21	शुभ
लाभ	07-21 - 08-58	शुभ
अमृत	08-58 - 10-36	शुभ
काल	19-36 - 12-13	अशुभ
शुभ	12-13 - 13-50	शुभ
रोग	13-50 - 15-28	अशुभ
उत्पात	15-28 - 17-05	अशुभ
चंचल	17-05 - 18-38	शुभ

रात का चौघड़िया

रोग	18-38 - 20-05	अशुभ
काल	20-05 - 21-28	अशुभ
लाभ	21-28 - 22-50	शुभ
उत्पात	22-50 - 00-13	अशुभ
शुभ	00-13 - 01-35	शुभ
अमृत	01-35 - 02-58	शुभ
चंचल	02-58 - 04-21	शुभ
रोग	05-21 - 05-46	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आप भावनात्मक निजता की ओर ज़्यादा आकर्षित हो सकते हैं, और अपने रिश्ते को शांति और सार्थक तरीके से पोषित करना पसंद कर सकते हैं। संतुलन की चाहत संवेदनशील पलों को सहज बनाने में मदद करती है और आपके साथी के साथ विचारशील आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करती है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
रचनात्मक चिंगारी आपके कार्यों के प्रति दृष्टिकोण को निखारती है, जिससे नियमित कार्य भी प्रेरणादायी लगते हैं। अंतर्ज्ञान आपके निर्णयों का मार्गदर्शन करता है, जिससे आपको उन सूक्ष्म समाधानों को पहचानने में मदद मिलती है जो दूसरों से छूट सकते हैं। महत्वाकांक्षा प्रभावशाली सफलताओं का कारण बन सकती है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
जिस महत्वपूर्ण कार्य के लिए आपने नींव बिछाने का कार्य किया था उसका फल आज से आपको मिलने लगेगा । हालांकि कुछ महत्वपूर्ण संकेतो को आप शायद न देख पाओ और निराशा और आलसीपन आप में विकसित हो सकता है। अगर आप अपने प्रयासों में कमी लाएंगे तो आपकी सारी की गई मेहनत पर पानी फिर सकता है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज का दिन अपने विरोधियों को आमंत्रित करने एवं अपने बुनियादी ढांचे और अपनी ताक़त को दिखाने का एक सही दिन है। इसकी वजह से आपके धुर विरोधी बोली से पहले ही हार जाएंगे या किसी परियोजना पर आप अपने हस्ताक्षर कर पायेंगे जो की आपके व्यवसाय को आगे की और ले जाएगा ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
जब आप सावधानीपूर्वक, विचारशील दृष्टिकोण अपनाते हैं तो आपका करियर और पढ़ाई बेहतर होती है। स्थिर प्रगति फोकस और योजना के साथ आती है। आपका प्राकृतिक आकर्षण आपको दूसरों से जुड़ने में मदद करता है, जबकि एक जमीनी मानसिकता आपको ट्रैक पर रखती है।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आप आत्मविश्वासी और सक्षम महसूस करेंगे, खास तौर पर शैक्षणिक या कार्य सेटिंग में। अपनी ऊर्जा को व्यावहारिक कार्यों में लगाएं और अपने लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहें। मानसिक स्पष्टता आपको जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से संभालने में मदद करती है। इस उत्पादक और प्रेरित ऊर्जा का अधिकतम लाभ उठाने के लिए शारीरिक गतिविधि को ध्यान के साथ संतुलित करें।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
अपने कार्य संबंधों को बेहतर बनाने पर ध्यान दें। अपने अंतर्ज्ञान को अपना मार्गदर्शक बनने दें। आपका तार्किक दृष्टिकोण और दिमाग का उपयोग आपको अपने अहंकार को सफलतापूर्वक नियंत्रित करने में मदद करेगा। एक सफल वक्ता या लेखक के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए इसका उपयोग करें।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
हाल ही में सह कर्मी आपसे ईर्ष्या के कारण असहयोगी रहे है ! लेकिन उनके सामने जोर से न चिल्लाये क्योकि ये अलग रूप में तोड़ मरोड़ कर आपके वरिष्ठ अधिकारियो तक बहुत चालाकी से पहुचाया जाएगा । बस कुछ समय के लिए ऐसे लोगों के साथ दूरी बनाए रखें। आपको आज कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपकी प्रेरणा और अनुशासन आपको काम पर ध्यान केंद्रित रखने में मदद करते हैं। रचनात्मक विचार आसानी से प्रवाहित होते हैं, लेकिन भावनात्मक कार्यस्थल स्थितियों में सतर्क रहें। एक व्यावहारिक मानसिकता अच्छे निर्णयों का समर्थन करती है। संघर्षों से बचें और सार्थक अनुभवों को अपने मार्ग को आकार देने दें।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपका दिन आपके पेशेवर जीवन में सौभाग्य के अवसर लेकर आ रहा है। अंतर्ज्ञान, विशेष रूप से प्रभावशाली महिलाओं के साथ, सहज और समझदारी भरे संवादों में सहायक होता है। रचनात्मकता और आत्मविश्वास आपको दूसरों से अलग दिखने में मदद करते हैं, जिससे आपको पहचान मिलना आसान हो जाता है।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपका करिश्मा पेशेवर परिस्थितियों में प्रशंसा अर्जित करता है, जिससे आप आसानी से केंद्र में आ जाते हैं। आप कार्यों को मौलिकता से करते हैं और नए, अपरंपरागत विचारों के लिए खुले हैं। निष्पक्षता की इच्छा आपके निर्णयों का मार्गदर्शन करती है, जिससे सहयोग सहज होता है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप आगे बढ़ रहे हैं , वहीं लोग आपको नीचे खींचने की और कोशिश कर सकते हैं। मौखिक विवाद में न फंसे । आप प्रयास करे की आपका कार्य बोले । आप एक ऐसी स्थिति में पहुंच जायेंगे जहा से आपको नीचे धकेलना मुश्किल होगा । अच्छा काम करते रहे । अपने सहयोगियों और अधीनस्थों के साथ सौहार्द बनाए एवं मधुर वाक्यों का प्रयोग करे।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

पेट्रोल-डीजल होगा सस्ता ? ट्रंप के एक बयान से कच्चे तेल में 5% की भारी गिरावट

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। आने वाले दिनों में देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों से आम आदमी को बड़ी राहत मिल सकती है। दरअसल, ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में 5 फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की गई है। इस बड़ी हलचल के पीछे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक बेहद अहम बयान है। ट्रंप ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि ईरान के साथ एक बड़ा समझौता होने वाला है।

इस खबर के बाहर आते ही क्रूड ऑयल का बेंचमार्क माने जाने वाले ब्रेंट क्रूड का भाव लुढ़ककर 105 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। वहीं, अमेरिकी बेंचमार्क वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट भी फिसलकर 99 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ गया। हालांकि, भारी गिरावट के बाद कीमतों में हल्की रिकवरी भी देखी गई है।

ट्रंप ने क्या कहा जिससे कच्चे तेल के दाम गिर गए

कच्चे तेल के बाजार में यह नरमी तब देखने को मिली जब वाशिंगटन से एक बेहद महत्वपूर्ण अपडेट सामने आया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने पत्रकारों को बताया कि वाशिंगटन और तेहरान के बीच चल रही बातचीत अब अपने बिल्कुल आखिरी चरण में पहुंच चुकी है। इस बयान ने बाजार में यह उम्मीद जगा दी है कि आधुनिक इतिहास में तेल सप्लाई के रास्ते में आई सबसे बड़ी रुकावटों में से एक को जल्द ही खत्म किया जा सकता है। पश्चिम एशिया से तेल की आपूर्ति सुचारू होने की आस में ही ब्रेंट क्रूड के दाम नीचे की तरफ खिसक गए।

दुनिया के तेल बाजार का सबसे अहम रास्ता

इस पूरी घटना को समझने के लिए थोड़ा पीछे जाना जरूरी है। फरवरी के अंत में जब यह भू-राजनीतिक टकराव शुरू हुआ था, तब से तेल की कीमतें करीब 40 फीसदी ऊपर बनी हुई हैं। तेल कारोबारियों को पिछले कई महीनों से बस एक ही डर सता रहा था कि कहीं 'होर्मुज जलडमरूमध्य' पूरी तरह बंद न हो जाए। यह वही समुद्री मार्ग है जहां से पूरी दुनिया के कच्चे तेल का लगभग पांचवां हिस्सा गुजरता है। आशंका यह थी कि अगर यह रूट अगले साल तक बंद रहता है, तो सप्लाई चेन पूरी तरह चरमरा जाएगी। लेकिन अब, बाजार में एक कूटनीतिक सफलता की आहट से यह उम्मीद जगी है कि फारस की खाड़ी में फंसे लाखों बैरल तेल जल्द ही बाहर निकल सकेंगे। ऐसा होने पर कच्चे तेल की कीमतों में जुड़ा 'जियोपॉलिटिकल रिस्क प्रीमियम' तेजी से कम हो जाएगा।

2027 तक तेल सप्लाई की असल जमीनी हकीकत

भले ही बाजार में अचानक एक सकारात्मक माहौल बन गया हो, लेकिन जमीनी हकीकत को लेकर उद्योग जगत के दिग्गज अभी भी सतर्क हैं। अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर सुल्तान अल जाबेर ने ब्लूमबर्ग को दी गई जानकारी में स्थिति स्पष्ट की है। उनका कहना है कि अगर यह टकराव आज तुरंत समाप्त भी हो जाए, तब भी मिडिल ईस्ट से तेल का प्रवाह रातों-रात सामान्य नहीं होगा। इस पूरे सप्लाई नेटवर्क को अपनी पुरानी स्थिति में लौटने में साल 2027 तक का लंबा वक्त लग सकता है।

डॉलर के सामने ताकतवर बनेगा अपना रुपया !

भारतीय करेंसी में जान फूंकने के लिए आरबीआई ने बनाया ये 'मास्टरप्लान'

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। भारतीय करेंसी की सेहत इन दिनों कुछ ठीक नहीं चल रही है। डॉलर के मुकाबले रुपया लगातार गोते लगा रहा है और अब यह 97 के ऐतिहासिक निचले स्तर के बेहद करीब पहुंच चुका है। आम आदमी की जिंदगी पर इसका सीधा असर महंगाई के रूप में पड़ता है, क्योंकि जब रुपया कमजोर होता है तो विदेशों से आने वाला हर जरूरी सामान महंगा होने लगता है। रुपये की इस लगातार गिरती साख ने भारतीय रिजर्व बैंक के माथे पर भी चिंता की गहरी लकीरें खींच दी हैं। हालात को काबू में करने के लिए आरबीआई के भीतर बैठकों का दौर तेज हो गया है।

अर्थव्यवस्था की मजबूती पर आरबीआई को पूरा भरोसा

मनीकंट्रोल की एक खबर के मुताबिक, रुपये की गिरावट को थामने के लिए आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा सहित शीर्ष अधिकारियों ने कई अहम आंतरिक बैठकें की हैं। नीति निर्माताओं के बीच यह चिंता साफ तौर पर देखी जा रही है कि रुपये में उम्मीद से कहीं ज्यादा तेजी से गिरावट आ रही है। हालांकि, आरबीआई का स्पष्ट रूप से मानना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था के बुनियादी पहलू अब भी बेहद मजबूत हैं और हमारा बैंकिंग सिस्टम पूरी तरह से सुरक्षित है। असली समस्या यह है कि अर्थव्यवस्था की यह मजबूती फिलहाल विदेशी मुद्रा बाजार की विनिमय दर में दिखाई नहीं दे रही है। केंद्रीय बैंक की अब सबसे बड़ी प्राथमिकता किसी भी तरह रुपये को और गिरने से रोकना है।

रुपये में तेजी लाने के लिए आरबीआई का 'मास्टरप्लान'

रुपये को फिर से मजबूती देने और विदेशी मुद्रा का प्रवाह बढ़ाने के लिए आरबीआई के पास एक बेहद शानदार एक्शन प्लान तैयार है। आइए समझते हैं कि आरबीआई कैसे रुपये में तेजी ला सकता है।

विदेशी निवेशकों की होगी वापसी

यह सच है कि अमेरिका और भारत के बीच ब्याज दरों का अंतर पिछले एक दशक के निचले स्तर पर आ गया था, जिसकी वजह से साल 2026 में विदेशी निवेशकों ने कुछ पैसा (लगभग 19 अरब डॉलर) बाजार से निकाला। लेकिन, जानकारों का मानना है कि आरबीआई के एक्शन के बाद ये अंतर फिर से भारत के पक्ष में हो जाएगा। जैसे ही भारतीय बॉन्ड बाजार ज्यादा मुनाफा देने लगेगा, विदेशी निवेशक दोगुनी तेजी से भारतीय बाजार में वापसी करेंगे।

सोना 392 बढ़कर 1.59 लाख पर पहुंचा

इस साल 26 हजार महंगा हो चुका, चांदी 1494 गिरकर 2.66 लाख किलो पर आई

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। सोने के दाम में आज यानी 21 मई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 392 रुपए बढ़कर 1.59 लाख रुपए हो गया है। वहीं चांदी में आज गिरावट है। 1 किलो चांदी की कीमत 1,494 रुपए कम होकर 2.66 लाख रुपए पर आ गई है।

सोना इस साल 26 हजार और चांदी 37 हजार महंगी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 26 हजार रुपए और चांदी 37 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.59 लाख रुपए पर पहुंच गया है।वहीं, चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.67 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

असम से दार्जिलिंग तक फैला चाय उद्योग का बड़ा नेटवर्क

असम, 21 मई (एजेंसियां)। भारत में चाय की शुरुआत ब्रिटिश शासन के दौरान 19वीं सदी में हुई। अंग्रेजों ने चीन के मुकाबले भारत में चाय उत्पादन बढ़ाने के लिए असम और दार्जिलिंग जैसे इलाकों में चाय बागान लगाए। असम में जंगली चाय के पौधे मिलने के बाद बड़े स्तर पर खेती शुरू हुई। धीरे-धीरे चाय भारतीय लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन गई और आज भारत दुनिया के बड़े चाय उत्पादक देशों में शामिल है।

भारत में लोग अलग-अलग स्वाद और परंपरा के हिसाब से कई तरह की चाय पीते हैं। इनमें मसाला चाय, अदरक चाय, इलायची चाय, कटिंग चाय, कश्मीरी कहवा, लेमन टी, ग्रीन टी, ब्लैक टी और तुलसी चाय काफी लोकप्रिय हैं। कहीं दूध वाली गाढ़ी चाय पसंद की जाती है तो कहीं हल्की और बिना दूध की चाय। हर राज्य और शहर में चाय बनाने और पीने का अपना अलग अंदाज देखने को मिलता है। भारत दुनिया के कई देशों को चाय एक्सपोर्ट करता है। भारतीय चाय की सबसे ज्यादा मांग रूस, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी और इराक जैसे देशों में रहती है। असम, दार्जिलिंग और नीलगिरि की चाय विदेशों में खास पसंद की जाती है। भारत काली चाय, ग्रीन टी और मसाला चाय समेत कई किस्मों की चाय निर्यात करता है। चाय एक्सपोर्ट से देश को अच्छी विदेशी कमाई भी होती है। भारत में सबसे ज्यादा चाय के बागान असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में हैं। असम और दार्जिलिंग की चाय दुनिया भर में मशहूर है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और सिक्किम में भी चाय की खेती की जाती है।

पहाड़ी और ज्यादा बारिश वाले इलाकों का मौसम चाय उत्पादन के लिए अनुकूल माना जाता है। इन राज्यों में लाखों लोग चाय उद्योग से जुड़े हुए हैं। भारत में चाय का कारोबार बेहद बड़ा और तेजी से बढ़ने वाला उद्योग है।

खपत की रफ्तार थामी तो विकास दर को लग सकता है झटका

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। भारत की अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत कारखाने नहीं बल्कि बाजार हैं। गांव की किराना दुकान से लेकर शहर के मॉल तक जो खर्च होता है, वही आर्थिक विकास की असली धड़कन है।

यही वजह है कि उपभोग में थोड़ी भी सुस्ती अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका दे सकती है। वह भी ऐसे समय में, जब देश पश्चिम एशिया में जारी तनाव, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, विदेशी निवेशकों की लगातार पूंजी निकासी, डॉलर की तुलना में रुपये में रिकॉर्ड गिरावट और बढ़ते आयात बिल जैसे संकटों से जूझ रहा है। दरअसल, भारत की अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा सहारा घरेलू खर्च है। घरेलू जीडीपी में निजी खपत की हिस्सेदारी करीब 57 फीसदी है। यानी लोगों की जेब, खरीदारी और भरोसा ही विकास का सबसे बड़ा इंजन है। दिसंबर, 2025 तिमाही के दौरान निजी खपत बढ़कर जीडीपी के 57.5 फीसदी तक पहुंच गई।चिंता इसलिए बढ़ी है, क्योंकि पिछले तीन महीनों में कई एजेंसियों ने भारत की वृद्धि दर के अनुमान घटाए हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने 2026 के लिए विकास दर अनुमान को 6.6 फीसदी से घटाकर 6.4 फीसदी कर दिया है। मूडीज रेटिंग्स ने भी 2026 के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान 6.8 फीसदी से घटाकर 6.0 फीसदी किया है। वहीं, इंडिया रेटिंग्स ने पश्चिम एशिया तनाव और अल-नीनो के जोखिम को देखते हुए 2026-27 में वृद्धि दर 6.7 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। यानी भारत मौजूदा संकट में भी तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था तो बना हुआ है, लेकिन बाहरी झटकों से अछूता नहीं है।

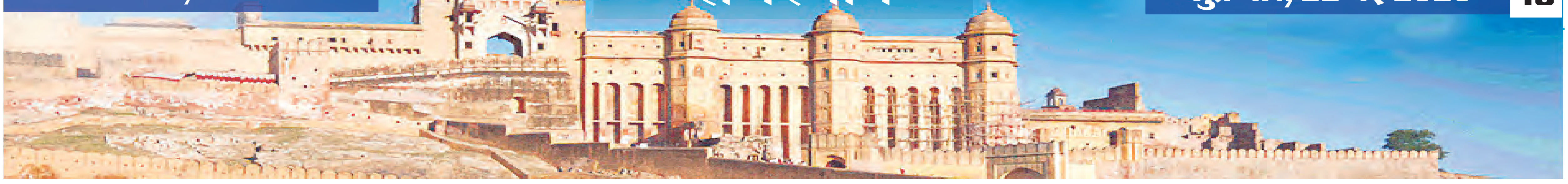

नीट पेपर लीक : कांग्रेस का जयपुर में हल्लाबोल

पुलिस से झड़प के बाद प्रदर्शनकारियों पर चली वाटर कैनन

जयपुर, 21 मई (एजेंसियां)। नीट यूजी पेपर लीक मामले को लेकर राजस्थान की राजधानी जयपुर में गुरुवार को कांग्रेस ने बीजेपी मुख्यालय के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय से पैदल मार्च करते हुए शहीद स्मारक के रास्ते बीजेपी कार्यालय की ओर बढ़े। प्रदर्शन के चलते पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस ने रास्ते में कई जगह बैरिकेड्स लगाए थे, लेकिन प्रदर्शनकारी बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। बीजेपी मुख्यालय की ओर बढ़ रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की भी हुई।

प्रदर्शन में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली समेत कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता मौजूद रहे। बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं ने भी प्रदर्शन में हिस्सा लिया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और बीजेपी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने "नीट का पेपर कहां मिलेगा, बीजेपी के बाड़े में" जैसे नारे लगाए, जिससे माहौल और गरमा गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने केंद्र सरकार और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी पर गंभीर सवाल उठाए। राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा, "ये लोग बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। धर्मेंद्र प्रधान नीट पेपर लीक के किंगपिन हैं। इस पूरे मामले के मास्टरमाइंड धर्मेंद्र प्रधान ही हैं। पैसे कमाए जा रहे हैं और सरकारों को अस्थिर किया जा रहा है। राहुल गांधी ने 2024 में ही कहा था कि नीट के पेपर लीक हो रहे हैं, इस पर कार्रवाई होनी चाहिए और चर्चा होनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। लाखों बच्चों का भविष्य बर्बाद हो गया। ये लोग हमें भाषण दिया करते थे, लेकिन खुद ही बेईमान और भ्रष्ट निकले।" नीट पेपर लीक के विरोध में पीसीसी के प्रदर्शन के दौरान शाहपुरा विधायक मनीष यादव को गिरफ्तार किया गया।

इससे पहले भी कांग्रेस ने पूरे राजस्थान में नीट पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन किए थे। कई जिलों में धरना-प्रदर्शन और पुतला दहन कर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई थी। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पेपर लीक मामले की जांच पर भी सवाल उठाए। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। दूसरी ओर बीजेपी कार्यकर्ता भी कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए पैदल मार्च कर रहे हैं। दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के आमने-सामने आने की आशंका को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया, ताकि किसी भी तरह के टकराव की स्थिति न बने।

कुछ नेता आलू से सोना बनाते हैं मैं किसानों को पानी दूंगा : सीएम भजनलाल

बांसवाड़ा, 21 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कुशलगढ़ क्षेत्र के चुड़ादा गांव में आयोजित ग्राम विकास रात्रि चौपाल में विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि 'कुछ नेता आलू से सोना बनाते हैं। मैं आलू से सोना नहीं बना सकता, लेकिन किसानों को पानी उपलब्ध जरूर करवाऊंगा।' सीएम भजनलाल ने कहा कि मक्का की सबसे बेहतर गुणवत्ता डूंगरपुर और बांसवाड़ा में है। सरकार गढ़ी में मक्का प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित कर रही है, कोल्ड स्टोरेज चेन को भी मजबूत किया जा रहा है।

उन्होंने पशुपालकों को पांच रुपए प्रति लीटर अतिरिक्त दूध प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा भी दोहराई। मुख्यमंत्री ने चौपाल में महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया। चौपाल के पहले चरण में मुख्यमंत्री ने केवल राजीविका से जुड़ी लखपति दीदियों से संवाद कर उनके अनुभव सुने।

सीएम भजनलाल ने बिना नाम लिए दक्षिण राजस्थान में लगातार बढ़ रहे राजनीतिक दल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग युवाओं को भड़काकर गलत दिशा में ले जाने का काम कर रहे हैं, लेकिन जनता की सेवा करना उन्हें आता नहीं। सीएम ने युवाओं से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि राज्य सरकार किसानों और युवाओं के विकास के लिए दिन-रात कार्य कर रही है।

संवाद के दौरान एक किसान ने कम जमीन होने के कारण तारबंदी योजना का लाभ नहीं मिलने की समस्या रखी। इस पर सीएम भजनलाल ने आश्वासन दिया कि किसानों की हर समस्या का समाधान सरकार प्राथमिकता से करेगी।

सीएम भजनलाल ने कहा कि बांसवाड़ा राजस्थान का कश्मीर है। यहां के प्राकृतिक सौंदर्य के बल पर हम पर्यटन को बढ़ावा दे सकते हैं। वागड़ की खूबसूरती का उपयोग हम कैसे कर सकते हैं, यह देखना होगा।

सीएम भजनलाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के जरिए लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण की शुरूआत की। अधिनियम को और सशक्त करने की प्रधानमंत्री ने हाल ही में पहल की, लेकिन विपक्ष ने राजनीति के चलते बिल को संसद में पारित नहीं होने दिया।

सीएम भजनलाल ने पांच किसान, पांच युवा एवं पांच महिलाओं से संवाद किया। महिलाओं ने आत्मनिर्भर बनने की अपनी प्रेरक कहानियां साझा कीं। उन्होंने बताया कि आधुनिक सुविधाएं मिलने पर उनके उत्पाद राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच सकते हैं। मुख्यमंत्री ने महिला स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए राजीविका की लखपति दीदियों को सात करोड़ रुपए के चेक भी वितरित किए।

स्थानीय कलाकारों ने आदिवासी अंचल के पारंपरिक लोक नृत्य के साथ मुख्यमंत्री का स्वागत किया। आदिवासी बंडी (जैकेट) एवं तीर-कमान भेंटकर उनका अभिनंदन भी किया गया। सीएम ने बांस से बने उत्पाद मुड्ढे पर बैठकर ही जनसंवाद किया। सभी के लिए मंच पर बांस के मुड्ढे ही लगाए गए।

'राहुल गांधी माफ़ी मांगें!' : मोदी-शाह पर टिप्पणी से

वसुंधरा राजे का फूटा गुस्सा

जयपुर, 21 मई (एजेंसियां)। देश की राजनीति का पारा एक बार फिर सातवें आसमान पर है। कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ दिए गए एक ताजा बयान के बाद बीजेपी के तमाम दिग्गज नेता हमलावर हो गए हैं। इसी कड़ी में राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने इस पूरे मामले पर मोर्चा संभालते हुए राहुल गांधी को उनके इस आचरण के लिए बुरी तरह कटघरे में खड़ा कर दिया है। वसुंधरा राजे ने सोशल मीडिया पर एक विस्तृत और बेहद नपे-तुले लेकिन तीखे शब्दों वाले पोस्ट के जरिए कांग्रेस और राहुल गांधी की राजनीतिक समझ और उनकी भाषा शैली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। राजे के इस कड़े रुख के बाद राजस्थान कांग्रेस और बीजेपी के नेताओं के बीच भी जुबानी जंग बेहद तेज हो गई है। वसुंधरा राजे ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट की शुरुआत लोकतांत्रिक मर्यादाओं की याद दिलाते हुए की। उन्होंने लिखा कि भारतीय लोकतंत्र में एक-दूसरे की नीतियों का विरोध करना और वैचारिक मतभेद होना एक बहुत ही सामान्य और स्वाभाविक बात है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि कोई नेता देश के शीर्ष संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों के लिए अभद्र या अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करने लगे।

पूर्व सीएम ने अपने पोस्ट में साफ तौर पर लिखा, ₹प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के प्रति राहुल गांधी की अमर्यादित टिप्पणी अत्यंत निंदनीय और आपत्तिजनक है।₹

उन्होंने आगे जोड़ा कि इस प्रकार की अमर्यादित शब्दावली भारत की समृद्ध और सभ्य राजनीतिक परंपराओं के बिल्कुल भी अनुरूप नहीं है। नेताओं को अपनी भाषा की मर्यादा कभी नहीं भूलनी चाहिए।

अपने इस डिजिटल वार में वसुंधरा राजे ने केवल भाषा पर ही बात नहीं की, बल्कि उन्होंने मोदी-शाह की जोड़ी द्वारा देश हित में लिए गए बड़े फैसलों और सुरक्षा तंत्र का भी पुरजोर उल्लेख किया। राजे ने राहुल गांधी की सोच पर सवाल उठाते हुए जनता के सामने एक बड़ा नैरेटिव सेट करने का प्रयास किया है।

वसुंधरा राजे ने कांग्रेस को आईना दिखाते हुए लिखा, ₹जिनके नेतृत्व में भारत की अखंडता को चुनौती देने वाली शक्तियों के विरुद्ध सख्त और निर्णायक कार्रवाई की गई, उनके प्रति इस प्रकार की भाषा का प्रयोग गंभीर प्रश्न खड़े करता है। क्या देश की सुरक्षा और एकता को सुदृढ़ करने वाले प्रयासों को इस तरह कमतर आंकना उचित है, या फिर उन नीतियों पर विचार होना चाहिए जिन्होंने पिछली चुनौतियों को दूर कर देश को मजबूत बनाया?₹

राजे का इशारा साफ तौर पर जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति, आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस और सर्जिकल स्ट्राइक जैसे उन ऐतिहासिक कदमों की तरफ था, जिसने वैश्विक पटल पर भारत को एक बेहद मजबूत राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है।

वसुंधरा राजे ने अपने बयान के अंतिम हिस्से में देश की जनता की सूझबूझ और उनकी सजगता पर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि आज का भारत और देश के नागरिक बेहद जागरूक हैं। वे यह अच्छी तरह देख रहे हैं कि कौन देश को मजबूत करने के लिए दिन-रात काम कर रहा है और कौन सिर्फ राजनीति चमकाने के लिए ओछे बयानों का सहारा ले रहा है।

तत्काल माफी की मांगः राजे ने बहुत ही कड़े और स्पष्ट शब्दों में अपने पोस्ट का अंत करते हुए लिखा- देश की सजग जनता सब देख रही है और हर पहलू को भली-भांति समझती है। राहुल गांधी इस अनुचित टिप्पणी पर तत्काल माफी मांगें!

'जनता के पैसों से घटिया काम बर्दाश्त नहीं'

झाड़ोल अस्पताल पहुंचीं विधायिका शांता देवी मीणा, दिए निर्देश

सलूंबर, 21 मई (एजेंसियां)। सलूंबर क्षेत्र की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने को लेकर विधायिका शांता देवी मीणा एक बार फिर सख्त और सक्रिय नजर आईं। झाड़ोल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित मेडिकल रिलीफ सोसायटी की बैठक में विधायिका ने चिकित्सा व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की और अधिकारियों को साफ निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को समय पर बेहतर इलाज मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. महेंद्र परमार, सरपंच बसंती देवी मीणा, चिकित्सा प्रभारी डॉ. पंकज डामोर, मेडिकल रिलीफ सोसायटी के सदस्य और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। इस दौरान ग्रामीणों ने अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी की समस्या विधायिका के सामने रखी। ग्रामीणों ने बताया कि स्त्री रोग विशेषज्ञ और बाल चिकित्सक का मूल पदस्थापन झाड़ोल में होने के बावजूद उनकी प्रतिनियुक्ति दूसरी जगह कर दी गई है, जिससे मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए विधायिका शांता देवी मीणा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि टीकाकरण दिवस गुरुवार को स्त्री रोग विशेषज्ञ की सेवाएं झाड़ोल में उपलब्ध करवाई जाएं। साथ ही सप्ताह में दो दिन बाल चिकित्सक की उपस्थिति भी सुनिश्चित की जाए, ताकि महिलाओं और बच्चों को समय पर उपचार मिल सके। विधायिका ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की जनता को छोटी-छोटी स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए भटकना नहीं पड़े, इसके लिए सरकार और प्रशासन को संवेदनशीलता के साथ काम करना होगा। बैठक के बाद विधायिका ने नवीन लैबोरेट्री भवन और निर्माणाधीन चिकित्सा भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों और समिति सदस्यों ने निर्माण कार्य में घटिया सामग्री इस्तेमाल किए जाने की शिकायत की। मौके पर निर्माण सामग्री और कच्ची ईंटों को देखकर विधायिका नाराज हो गईं। उन्होंने निर्माण एजेंसी के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और गुणवत्ता को लेकर सवाल उठाए।

25 मोरों का सामूहिक मर्डर, जहरीला दाना देकर राष्ट्रीय पक्षियों को उतारा मौत के घाट

नागौर, 21 मई (एजेंसियां)। राजस्थान की शांत और प्रकृति प्रेमी धरती आज उस समय खून के आंसुओं रो पड़ी जब डीडवाना-कुचामन और उदयपुर जिलों से राष्ट्रीय पक्षी मोर के सामूहिक शिकार और हत्या की रोंगटे खड़े कर देने वाली खबरें सामने आईं। राष्ट्रीय पक्षी को शिकारियों ने चंद रुपयों के लालच में तड़पा-तड़पा कर मार डाला। नागौर जिले के मकराना उपखंड के अंतर्गत आने वाले गेहड़ा कलां गांव में एक साथ 25 मोरों के शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घटनास्थल पर मोरों के कटे हुए और नोचे गए पंख बोरियों व थैलों में भरे मिले, जो इस बात का साफ सबूत हैं कि इस घिनौने कृत्य के पीछे किसी बड़े और शातिर शिकारी गैंग का हाथ है। स्थानीय ग्रामीणों और वन्यजीव प्रेमियों ने जब गांव के पास खेतों और तालाब के पास का नजारा देखा तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। चारों तरफ रंग-बिरंगे मोरों के शव बिखरे पड़े थे।

ग्रामीणों ने रोष व्यक्त करते हुए बताया कि बाहरी क्षेत्रों से आने वाले शिकारी इस पूरे बेल्ट में स्थानीय तालाबों और जलस्रोतों के पास अपना डेरा डाले रहते हैं। वे मोरों को आकर्षित करने के लिए बाजरे और अनाज के दानों में घातक जहर मिलाकर डाल देते हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि जहर खाने के कुछ ही मिनटों बाद जब मोर बेदम होकर गिर जाते हैं, तो शिकारी उनके कीमती पंखों को बाजार में अवैध रूप से बेचने के लिए बेरहमी से नोच लेते हैं और उनके मांस की तस्करी करते हैं।

घटना की गंभीरता को देखते हुए गेहड़ा कलां ग्राम पंचायत के प्रशासक मुकेश डारा ने तुरंत मोर्चा संभाला। उन्होंने उपखंड अधिकारी मकराना और क्षेत्रीय वन अधिकारी को इस अपराध को अंजाम देने वाले बनबागरियों व अज्ञात शिकारियों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट सौंपकर सख्त धाराओं में मामला दर्ज कराया है।

एटीएस की बड़ी कार्रवाई
तीन ठिकानों पर छापेमारी में डेटोनेटर-जिलेटिन का जखीरा बरामद

जोधपुर, 21 मई (एजेंसियां)। जोधपुर में आतंकवाद निरोधक दस्ते ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में एक साथ कई स्थानों पर छापेमारी की। एडीसीपी एटीएस दुर्ग सिंह के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई के दौरान राजीव गांधी नगर, सूरसागर और ओसियां के चिरई इलाके में संदिग्ध ठिकानों और गोदामों की तलाशी ली गई। सूत्रों के अनुसार एटीएस ने चार अलग-अलग स्थानों पर समन्वित कार्रवाई करते हुए कई घंटों तक सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, इलेक्ट्रिक रॉड, डेटोनेटर और अन्य संदिग्ध सामान बरामद किया गया। सुरक्षा के मद्देनजर संबंधित क्षेत्रों की घेराबंदी कर आमजन की आवाजाही सीमित कर दी गई थी।

सीएम भजनलाल शर्मा की नाक के नीचे डीआईपीआर में टेंडर का खेल?

हनुमान बेनीवाल और जूली ने पूछा- क्या एसीबी करेगी जांच?

जयपुर, 21 मई (एजेंसियां)। राजस्थान की सियासत में इन दिनों सोशल मीडिया से लेकर सत्ता के गलियारों तक एक नए कथित 'टेंडर घोटाले' को लेकर सीएम भजनलाल शर्मा पर बड़े आरोप लग रहे हैं। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सीधे नियंत्रण वाले सूचना एवं जनसंपर्क विभाग पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। विपक्ष का दावा है कि बीजेपी के एक प्रवक्ता के भाई की फर्म को फायदा पहुंचाने के लिए नियमों को ताक पर रखकर टेंडर की शर्तों में ही बदलाव कर दिया गया है।

आरएलपी प्रमुख और सांसद हनुमान बेनीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मोर्चा खोलते हुए सीधे मुख्यमंत्री की 'नीति और नीयत' को कटघरे में खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि निष्पक्षता और पारदर्शिता लोकतंत्र की मूल भावना है, लेकिन यहां खेल कुछ और ही चल रहा है। हनुमान बेनीवाल ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में हुंकार भरते हुए लिखा-

राजस्थान में मुख्यमंत्री के अधीन आने वाले डीआईपीआर विभाग में मुख्यमंत्री के करीबी व बीजेपी के एक प्रवक्ता के परिवार की फर्म को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से टेंडर की शर्तों में बदलाव करने का बेहद गंभीर मामला सोशल मीडिया के माध्यम से संज्ञान में आया है। ऐसे में यदि मुख्यमंत्री के अधीन आने वाले विभाग में टेंडर की शर्तों में परिवर्तन किया गया है, तो यह सरकार की नीति और नीयत पर भी बड़ा सवालिया निशान है।

वहीं दूसरी ओर, कांग्रेस नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी सरकार को घेरते हुए इस मामले में सीधे भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की एंट्री कराने की मांग की है। जूली ने आरोप लगाया कि चहेतों को मलाई खिलाने के लिए पूरी व्यवस्था को ही बदल दिया गया।

स्वयं मुख्यमंत्री के अधीन आने वाले डीआईपीआर विभाग में एक भाजपा प्रवक्ता के भाई की फर्म को लाभ पहुंचा के उद्देश्य से टेंडर की शर्तों में परिवर्तन किया जाना दिखाता है कि मुख्यमंत्री की नाक के नीचे कैसे पूरा भ्रष्ट तंत्र पैदा हो गया है। चहेतों को लाभ पहुंचाने के लिए टेंडर की पूर्व निर्धारित शर्तों को बदल दिया गया है। क्या एसीबी जांच करेगी कि आखिर किसे लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से टेंडर की शर्तों में बदलाव किया गया है?

थाने से 250 मीटर दूर 6 बदमाशों ने की फायरिंग

एक युवक की पीठ पर लगी गोली, दूसरे पर चाकू से हमला

उदयपुर, 21 मई (एजेंसियां)। हाथीपोल चौराहे पर फायरिंग की घटना से दहशत का माहौल हो गया। तीन बाइक पर आए 6 बदमाशों ने तीन युवकों पर फायरिंग कर दी। मौके पर तीन राउंड फायर किए, वहीं चाकू से वार किए गए। वारदात में एक युवक की पीठ पर गोली लगी, वहीं दूसरे युवक पर चाकू से हमला किया गया। वारदात के पीछे हार्डकोर बदमाश इमरान कुंजड़ा की गैंग के शामिल होने की बात सामने आ रही है। पुलिस ने बताया कि हाथीपोल चौराहा पीपली चौक स्थित अरवाना मॉल के बाहर वारदात हुई। यहां बैठे सलमान, मोहसीन और नाजिम पर हमला किया गया। सलमान की पीठ में गोली लगी, वहीं मोहसिन पर चाकू से वार हुआ।

करोड़ों रुपए की स्मैक लेकर मुंबई जा रही थी विदेशी महिला, जयपुर में डीआरआई ने पकडा

जयपुर, 21 मई (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में राजस्व आसूचना निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक विदेशी महिला को गिरफ्तार किया है। अफ्रीकी मूल की महिला भारी मात्रा में मादक पदार्थ लेकर मुंबई जा रही थी। जांच एजेंसियां अब अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क के अन्य कनेक्शनों की पड़ताल में जुटी हुई है। डीआरआई अधिकारियों के अनुसार उन्हें सूचना मिली थी कि एक महिला भारी मात्रा में मादक पदार्थों के साथ बस से सफर कर रही है। सूचना के आधार पर राजस्व आसूचना निदेशालय की टीम ने 19 मई को मुंबई जा रही बस को जयपुर में रुकवाकर तलाशी ली। इस दौरान अफ्रीकी मूल की विदेशी महिला के ट्रॉली बैग से नशे की बड़ी खेप बरामद हुई। मुंबई जा रही विदेशी महिला के ट्रॉली बैग से 2256 ग्राम मेथामफेटामाइन, 142 ग्राम कोकीन/मेथाक्वालोन और 46 ग्राम एमडीएमए जैसे ड्रग्स बरामद किए गए।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में इनकी कीमत करीब 2.56 करोड़ रुपए बताई जा रही है। महिला इतनी शातिर थी कि उसने नशे की खेप को ट्रॉली बैग के अंदर कपड़े व तकिये के कवर में छिपाकर रखा था। लेकिन, डीआरआई की टीम ने मुंबई पहुंचने से पहले ही विदेशी महिला को जयपुर में गिरफ्तार कर लिया।

करीब 6 करोड़ के लैपटॉप-टैबलेट से भरा कंटेनर चोरी

भरतपुर, 21 मई (एजेंसियां)। मेवात के गिरोह ने नागपुर से चोरी किए गए करीब छह करोड़ रुपए के लैपटॉप-टैबलेट से भरे कंटेनर मामले में राजस्थान पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। जिले की पहाड़ी थाना पुलिस और डीएसटी के संयुक्त ऑपरेशन में गिरोह के मास्टरमाइंड को गिरफ्तार किया। पहली पास आरोपी के कब्जे से 464 लैपटॉप-टैबलेट और एक लग्जरी कार बरामद की गई है। जब्त माल की कीमत करीब 4.50 करोड़ रुपए आंकी गई है। डीग एसपी कंबले शरण गोपीनाथ ने बताया कि 3 मई को चेन्नई से बिलासपुर जा रहे कंटेनर को नागपुर के पास चुरा लिया गया था। कंटेनर में कुल 641 लैपटॉप और टैबलेट थे, जिनकी कीमत करीब 5.72 करोड़ रुपए थी। महाराष्ट्र पुलिस की जांच में वारदात के तार मेवात क्षेत्र से जुड़े मिले। इसके बाद राजस्थान पुलिस ने पहाड़ी थानाधिकारी योगेंद्र राजावत के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की। सूचना के आधार पर पुलिस ने खल्लुका निवासी फजरुद्दीन (28 वर्ष) पुत्र इदरीश को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 464 लैपटॉप-टैबलेट और एक लग्जरी कार बरामद की गई।

मास्टरमाइंड मेवात से गिरफ्तार

पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह चोरी के लैपटॉप और टैबलेट बेचने की फिराक में था। बाकी 177 लैपटॉप-टैबलेट गिरोह के अन्य सदस्यों को ठिकाने लगाने के लिए दिए गए थे। एक लैपटॉप की कीमत करीब 80 हजार रुपए, जबकि टैबलेट की कीमत 25 से 30 हजार रुपए बताई गई है। जब्त माल की कीमत करीब 4.50 करोड़ रुपए थी।

पुलिस के अनुसार आरोपी फजरुद्दीन पहली पास है। उसके गिरोह में 7 से 8 सदस्य शामिल हैं, जो पहली से चौथी तक पढ़े हैं। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि गिरोह इलेक्ट्रॉनिक सामान चोरी कर दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में बेचता था। फजरुद्दीन के खिलाफ अजमेर और नूंह में भी मामले दर्ज हैं। क्राइम की एक अन्य खबर में भरतपुर के अटलबंध थाना पुलिस ने युक्ती से छेड़छाड़ व जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने के मामले में आरोपी भारतीय दीपक पुत्र सुशील कुमार ब्राह्मण निवासी न्यू अगरवा मोतिहारी बिहार को गिरफ्तार किया है।

डिटरजेंट पाउडर से घर में बनाते थे नकली दूध

गाय के दूध में मिलाकर बेचते, चिकित्सा टीम की कार्रवाई

हनुमानगढ़, 21 मई (एजेंसियां)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जिले के टिब्बी उपखण्ड़ के गांव भुरानपुरा में बड़ी कार्रवाई करते हुए कृत्रिम/सिंथेटिक दूध बनाने के गोरखधंधे का खुलासा कर बड़ी मात्रा में कृत्रिम दूध व इसमें प्रयुक्त किए जाने वाला सामान बरामद किया है। मुखबिर से मिली सूचना के बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवनीत शर्मा के निर्देशन में विभागीय टीम ने गांव के एक घर के भीतर रिफाइंड तेल, सोरबिटोल और डिटरजेंट पाउडर की सहायता से नकली दूध तैयार करते पाया। सीएमएचओ डॉ. नवनीत शर्मा ने बताया कि सूचना मिली थी कि गांव भुरानपुरा में कुछ लोग रिफाइंड तेल, सोरबिटोल व डिटरजेंट पाउडर से कृत्रिम/सिंथेटिक दूध तैयार कर रहे हैं। इस कृत्रिम/सिंथेटिक दूध को गायों से निकाले गए दूध में मिलाकर बाजार में बेचा जा रहा है। सूचना के आधार पर विभागीय टीम ने मांगीलाल पुत्र मंजीत सिंह के घर पर दबिश दी। दबिश के दौरान घर के एक कमरे में दिनेश सिद्ध पुत्र मांगीलाल मिक्सी की सहायता से कृत्रिम दूध तैयार करते हुए पाया गया। निरीक्षण के दौरान मौके पर रखी दो बाल्टियों में एकत्रित दूध के सिंथेटिक होने की आशंका पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 तथा विनियम 2011 के तहत दूध के दो नमूने लिए गए तथा जांच के लिए बीकानेर की जनस्वास्थ्य प्रयोगशाला में भिजवाए गए।

कार्रवाई के दौरान टीम ने मौके पर लगभग 100 लीटर सोरबिटोल, 10 लीटर रिफाइंड ऑयल तथा करीब 50 लीटर दूध बरामद किया, जिन्हें स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मौके पर नष्ट करवाया गया। कृत्रिम/सिंथेटिक दूध बनाने के संबंध में अनुसंधान एवं जांच प्रक्रिया पूर्ण कर अतिशीघ्र संबंधित के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे पिछले 15-20 दिनों से सिंथेटिक दूध तैयार कर रहे थे। प्रतिदिन करीब 70 से 80 लीटर नकली दूध तैयार कर उसे घर की पालतू गायों के दूध में मिलाया जाता था।

सरस्वती अंत्य पुष्करालु का केशवरम में शुभारंभ

> राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल अपनी पत्नी जानकी शुक्ला के साथ पहुंचे

> श्रद्धालुओं की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जा रहा है : राहुल शर्मा

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जयशंकर भूपालपल्ली जिले के केशवरम पुष्कर घाट पर 12 दिवसीय सरस्वती अंत्य पुष्करालु का गुरुवार को भव्य शुभारंभ हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक विधियों के बीच इस पवित्र उत्सव की शुरूआत हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

इस धार्मिक आयोजन का औपचारिक उद्घाटन कांची कामकोटि पीठाधिपतिशंकर विजयेन्द्र सरस्वती ने किया। उन्होंने सुबह 5:43 बजे शुभ मुहूर्त में पवित्र स्नान कर पुष्कर उत्सव की विधिवत शुरूआत की। सरस्वती अंत्य पिरालु में भाग लेने के लिए राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल अपनी पत्नी जानकी शुक्ला के साथ हेलीकॉप्टर से कालेश्वरराम पहुंचे। उनके आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर मंत्री श्रीधर बाबू, अंत्येष्टि विभाग की मुख्य सचिव शैलजा रामअय्यर, जिला पार्षद राहुल शर्मा और एसपी संकीर्थ ने राज्यपाल का आगमन पर स्वागत किया। राज्यपाल के आगमन पर सुरक्षा और संवैधानिक मित्रता को लेकर विशेष नियुक्तियां की गईं। अधिकारियों ने पॅरालु के आयोजन स्थल पर तारामंडल का भी निरीक्षण किया और कार्यक्रम की सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित करने पर चर्चा की। कार्यक्रम में आईटी एवं उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू, देवदाय मंत्री कोंडा सुरेखा, देवदाय आयुक्त हनुमंत राव, जिला कलेक्टर राहुल शर्मा, धार्मिक सलाहकार गोविंदा हरी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। भूपालपल्ली विधायक गंद्रा सत्यनारायण राव और इब्राहिमपटनम विधायक मल रेड्डी रंगारेड्डी ने भी पवित्र स्नान कर आशीर्वाद प्राप्त किया। जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं, जिनमें सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता, पेयजल, चिकित्सा सेवाएं, एंबुलेंस और परिवहन सुविधाएं शामिल हैं। जिला कलेक्टर राहुल शर्मा ने बताया कि सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। केशवरम मंदिर समिति द्वारा स्नान के बाद मंदिर दर्शन के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। विभिन्न धार्मिक संगठनों द्वारा नि:शुल्क भोजन (अन्नदान) की व्यवस्था की गई है, जबकि गर्मी से बचाव के लिए अस्थायी शेड और विश्राम स्थल भी बनाए गए हैं।

केशवरम मुकतेश्वर स्वामी मंदिर की विशेषता यह है कि यहां एक ही पीठ पर यम (कालेश्वर) और शिव (मुक्तेश्वर) विराजमान हैं। मान्यता है कि भक्त पहले कालेश्वर की पूजा करते हैं और फिर मुक्तेश्वर की आराधना करते हैं। यहां स्थित लिंगम में दो छिद्र हैं, जिनमें अभिषेक का जल अदृश्य रूप से समा जाता है, जो श्रद्धालुओं में आस्था का विषय है। मंदिर में यम कोनम नामक संकीर्ण मार्ग से गुजरने की परंपरा भी है, जिसे पापों के नाश और मृत्यु के भय से मुक्ति का प्रतीक माना जाता है। प्रशासन को उम्मीद है कि आगामी दिनों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस आयोजन में शामिल होंगे, जिससे केशवरम एक प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र बन जाएगा।

जाति जनगणना पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला ऐतिहासिक : डॉ. वकुलाभरणम

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बीसी आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. वकुलाभरणम कृष्ण मोहन राव ने जाति जनगणना के खिलाफ दायर जनहित याचिका को सुप्रीम कोर्ट द्वारा खारिज किए जाने का स्वागत करते हुए इसे भारतीय लोकतांत्रिक इतिहास का ऐतिहासिक फैसला बताया है।

उन्होंने कहा कि विशेष रूप से पिछड़ा वर्गों में इस याचिका के कारण जाति जनगणना प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न होने की आशंका और चिंता थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देश से अब बड़ी राहत मिली है। डॉ. वकुलाभरणम कृष्ण मोहन राव ने कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार वर्ष 2027 की सामान्य जनगणना के दूसरे चरण में जाति जनगणना कराने का निर्णय ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले से यह स्पष्ट हो गया है कि अब जाति जनगणना के मार्ग में कोई कानूनी बाधा शेष नहीं है।

उन्होंने कहा कि सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों की वास्तविक जनसंख्या, उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति तथा प्रतिनिधित्व की जानकारी प्राप्त करना सरकार की संवैधानिक जिम्मेदारी है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी कि पिछड़े वर्गों की संख्या जानने में क्या गलत है? भारतीय संविधान की मूल भावना को प्रतिबिंबित करती है। डॉ. वकुलाभरणम कृष्ण मोहन राव ने कहा कि जाति जनगणना समाज को विभाजित करने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समान अवसर और समुचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की लोकतांत्रिक प्रक्रिया है।

पिछड़े वर्गों सहित सामाजिक रूप से वंचित समुदायों को वास्तविक न्याय दिलाने के लिए जाति जनगणना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जाति जनगणना में बाधा उत्पन्न करने वाली जनहित याचिका को सुप्रीम कोर्ट द्वारा खारिज किया जाना सामाजिक न्याय की दिशा में देश द्वारा उठाया गया बड़ा कदम है। उन्होंने इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए सुप्रीम कोर्ट के प्रति आभार व्यक्त किया।

गुंटूर में रोड ओवर ब्रिज का शिलान्यास आज

विजयवाड़ा, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासनी चंद्रशेखर 22 मई (शुक्रवार) को गुंटूर डिवीजन के चिनापलाकलूरु में रोड ओवर ब्रिज के निर्माण का शिलान्यास करेंगे। यह कार्यक्रम लेवल क्रॉसिंग नंबर-6 (चिन्ना पलाकलूरू) के स्थान पर प्रस्तावित रोड ओवर ब्रिज के निर्माण के लिए आयोजित किया जा रहा है। यह क्रॉसिंग गुंटूर-नदीकुडे रेल खंड पर स्थित है और गुंटूर-पेरेचरला मार्ग पर यातायात के लिए अत्यंत व्यस्त माना जाता है। इस अवसर पर आंध्र प्रदेश सरकार के पर्यटन, संस्कृति एवं फिल्म विकास मंत्री तथा गुंटूर जिले केप्रभारी मंत्री कंडुला दुर्गेश, मानव संसाधन विकास, आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री नारा लोकेश और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री नाडेंडला मनोहर सहित अन्य सचिव अतिथि और वरिष्ठ रेलवे अधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे।

धान खरीद में देरी के खिलाफ किसानों का रास्ता रोको प्रदर्शन

अंबाजीपेट केंद्र पर व्यवस्था सुधारने की मांग तेज

मेदक, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अंबाजीपेट धान खरीद केंद्र पर धान की खरीद में हो रही देरी के विरोध में किसानों ने गुरुवार को रास्ता रोको प्रदर्शन किया, जिससे इलाके में तनाव की स्थिति बन गई। यह विरोध प्रदर्शन उस घटना के एक दिन बाद हुआ, जिसमें किसान राजायाह (45) ने धान की बिक्री न हो पाने के कारण आत्महत्या कर ली थी। किसानों ने सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी मौत के लिए प्रशासन जिम्मेदार है। प्रदर्शनकारी किसानों का कहना है कि वे पिछले एक महीने से धान खरीद केंद्र पर अपनी उपज लेकर इंतजार कर रहे हैं, लेकिन परिवहन और खरीद व्यवस्था की कमी के कारण अभी तक बिक्री नहीं हो पाई है। इससे किसानों में गहरा आक्रोश है। किसानों ने मांग की है कि खरीद प्रक्रिया को तुरंत तेज किया जाए और केंद्रों पर पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

फसल खरीद संकट पर केटीआर का सरकार पर हमला

> मृत किसानों के परिवारों को 25 लाख मुआवजा देने की मांग

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने राज्य में फसल खरीद संकट को लेकर रेवंत रेड्डी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने मुख्यमंत्री से 23 मई को होने वाली कैबिनेट बैठक में किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए तत्काल कदम उठाने और खरीद केंद्रों पर जान गंवाने वाले किसानों के परिवारों को 25 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की है। मुख्यमंत्री को लिखे खुले पत्र में केटीआर ने आरोप लगाया कि तेलंगाना के किसान पिछले करीब दो महीनों से खरीद केंद्रों पर अपनी उपज लेकर परेशान हैं। उन्होंने कहा कि कई केंद्रों पर न तो पर्याप्त बोरी उपलब्ध हैं, न ही फसल की तौल की व्यवस्था है और सरकारी अधिकारी भी नजर नहीं आ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्यभर में किसान लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और कई जगहों पर रास्ता रोको आंदोलन भी हुआ है।

केटीआर ने कहा कि भीषण गर्मी और अव्यवस्था के चलते करीब 10 किसानों की मौत हो चुकी है, जबकि कई किसानों को मजबूरी में अपनी फसल जलानी पड़ी। उन्होंने सरकार पर किसान कल्याण योजनाओं को कमजोर करने और खरीद व्यवस्था को सही ढंग से संचालित न करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार के दौरान फसल खरीद की तैयारी पहले से कर ली जाती थी और कोविड महामारी के समय भी किसानों से सीधे खेतों में जाकर धान खरीदा गया था। केटीआर ने मुख्यमंत्री से तुरंत हस्तक्षेप कर लंबित फसल खरीद पूरी कराने और किसानों को उनकी उपज का पूरा मूल्य दिलाने की मांग की।

तापमान 46 डिग्री पार, 6 लोगों की मौत से हड़कंप

करीमनगर, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अविभाजित करीमनगर जिले में भीषण गर्मी की लहर ने जनजीवन पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। कई स्थानों पर तापमान 46 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंचने के कारण लोग सुबह 10 बजे के बाद घरों में रहने को मजबूर हैं। बुधवार को करीमनगर जिले के चोप्पाडंडी और पेद्दापल्ली जिले के ओडेला में अधिकतम तापमान 46.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पेद्दापल्ली जिले के कई इलाकों में तापमान 46.3 डिग्री तक पहुंच गया, जिससे किसानों, मजदूरों और हमाली कामगारों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

भीषण गर्मी के बीच छह लोगों की मौत की खबर से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। मृतकों में किसान, मनरेगा मजदूर और बुजुर्ग शामिल हैं, जिनमें धर्मारम, पेद्दापल्ली और वेमुलावाड़ा मंडलों के कई निवासी बताए जा रहे हैं। लगातार बढ़ते तापमान के कारण स्वास्थ्य जोखिम भी बढ़ गया है। इसी बीच सिंगारेनी कोयला खदान क्षेत्रों में कामकाज पर भी असर पड़ा है। ट्रेड यूनियनों ने प्रबंधन से शिफ्ट समय बदलने की मांग की है, जिसमें सुबह और शाम की ड्यूटी को सुरक्षित समय में समायोजित करने का आग्रह किया गया है ताकि मजदूरों को गर्मी से बचाया जा सके।

हैदराबाद में पहली बार होगा तेलंगाना लोक संगीत समारोह

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में पहली बार तेलंगाना लोक संगीत समारोह का आयोजन होने जा रहा है, जिसमें क्षेत्र के कई प्रसिद्ध लोक गायक और कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। यह भव्य कार्यक्रम 6 जून को एलबी नगर स्थित पिंडी पुल्ला रेड्डी गार्डन में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम शाम 6 बजे शुरू होगा और करीब छह घंटे तक चलेगा। आयोजकों के अनुसार, यह संगीत समारोह तेलंगाना की लोक संस्कृति, पारंपरिक संगीत और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में क्लेमेंट समेत कई चर्चित लोक कलाकार एक ही मंच पर अपनी प्रस्तुति देंगे, जिससे दर्शकों को तेलंगाना की लोक परंपराओं की झलक देखने को मिलेगी।

केबीआर पार्क में पेड़ों की कटाई के खिलाफ प्रदर्शन, स्वयंसेवकों की हिरासत पर विवाद

एनएचआरसी ने डीजीपी और कलेक्टर को भेजा नोटिस

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केबीआर पार्क के आसपास फ्लाईओवर और अंडरपास निर्माण के लिए पेड़ों की कटाई के विरोध में प्रदर्शन कर रहे पर्यावरण स्वयंसेवकों की हिरासत को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने उन्हें अनावश्यक रूप से हिरासत में लिया और उनके साथ दुर्व्यवहार किया। जानकारी के अनुसार, बंजारा हिल्स पुलिस ने 'सेव केबीआर पार्क' अभियान से जुड़े कुछ स्वयंसेवकों को उस समय हिरासत में लिया जब वे शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रहे थे।

इस मामले का संज्ञान लेते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने तेलंगाना के डीजीपी और हैदराबाद कलेक्टर को नोटिस जारी किया है। एक स्वयंसेवक आर. दुर्गा प्रसाद ने बताया कि करीब 30 लोगों ने केबीआर पार्क जंक्शन के पास शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया था, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस स्टेशन में उनके साथ कठोर व्यवहार किया गया और उनका मोबाइल फोन भी जांच के लिए ले लिया गया। दुर्गा प्रसाद के अनुसार, बाद में अन्य स्वयंसेवक भी मौके पर पहुंचे और कुछ घंटों के भीतर सभी को रिहा कर दिया गया। हालांकि, उन्होंने पुलिस के व्यवहार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। वहीं, बंजारा हिल्स पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले ने अब पर्यावरण संरक्षण और कानून व्यवस्था को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

पीओसीएसओ मामले को लेकर बीआरएस का सरकार पर हमला

कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल भाजपा नेताओं पर आरोप

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के महासचिव आर.एस. प्रवीन कुमार ने तेलंगाना की रेवंत रेड्डी सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि नाबालिग से जुड़े एक पीओसीएसओ मामले में भाजपा नेताओं को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति पर भी चिंता जताई। तेलंगाना भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी इस मामले में गलत दावे कर रहे हैं और भाजपा नेताओं को संरक्षण देने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि संबंधित आरोपी को जेल तभी भेजा गया जब बीआरएस ने इस मुद्दे को उठाया।

प्रवीण कुमार ने भाजपा नेताओं पर पीड़िता और उसकी मां को धमकाने तथा सोशल मीडिया पर पीड़िता की पहचान उजागर करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने मांग की कि इस मामले में सभी आरोपियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि सरकार पीड़िता को न्याय दिलाने में विफल रही है और इस मामले से जुड़े सोशल मीडिया पोस्ट्स की भी जांच होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि बीआरएस ने किसी भी स्तर पर पीड़िता की पहचान उजागर नहीं की, बल्कि उसके लिए न्याय की लड़ाई लड़ी है। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री पर राजनीतिक आरोपों और जवाबी बयानबाजी को लेकर भी टिप्पणी की और कहा कि बीआरएस नेता पार्टी प्रमुख केसीआर के निर्देशों के अनुसार काम कर रहे हैं।

तिरूमलगिरी में ट्रैफिक चालान को लेकर विवाद, एनआरआई ने लगाए आरोप

> बुजुर्ग दंपति की मेडिकल जांच छूटने का दावा

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तिरूमलगिरी इलाके में ट्रैफिक चालान को लेकर पुलिस और एक एनआरआई नागरिक के बीच विवाद का मामला सामने आया है। आरोप है कि पुलिस ने तत्काल डिजिटल भुगतान के लिए दबाव बनाया, जिससे एक बुजुर्ग दंपति की मेडिकल जांच प्रभावित हो गई। अमेरिका से हाल ही में लौटे गौशिक मंडावा ने सोशल मीडिया पर बताया कि वह अपने दादा-दादी को मेडिकल जांच के लिए ले जा रहे थे, तभी ट्रैफिक पुलिस ने उन्हें रोक लिया। उन्होंने कहा कि उनके फोन में गूगल पे या फोनपे सक्रिय नहीं था, इसलिए उन्होंने बाद में भुगतान करने की अनुमति मांगी, लेकिन पुलिस ने तत्काल भुगतान पर जोर दिया। आरोप है कि भुगतान में देरी के कारण परिवार को किसी अन्य व्यक्ति की मदद लेनी पड़ी, जिससे समय पर मेडिकल अपॉइंटमेंट छूट गया। गौशिक ने यह भी दावा किया कि भुगतान पूरा होने के बाद भी संबंधित अधिकारी ने स्क्रीनशॉट स्वीकार नहीं किया और सिस्टम अपडेट का हवाला देते हुए बहस जारी रखी। उन्होंने घटना की जांच की मांग करते हुए कहा कि नागरिकों के साथ व्यवहार अधिक संवेदनशील और पेशेवर होना चाहिए। पुलिस की ओर से इस मामले पर फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान ने उत्कृष्ट शोध केंद्र का दौरा किया

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र, हैदराबाद में संचालित श्री अन्न अनुसंधान पहलों, प्रौद्योगिकी प्रसार, उद्यमिता विकास, तथा आधारिक संरचना विस्तार की गतिविधियों की समीक्षा के लिए शिवराज सिंह चौहान ने 21 मई को दौरा किया। चौहान जी संस्थान के मुख्य भवन के पास एक पौधा लगाकर वृक्षारोपण किया। उन्होंने संस्थान में निर्माणाधीन उत्कृष्ट शोध केंद्र के निर्माण-कार्यों की समीक्षा भी की।

उन्होंने संस्थान के परिसर में आयोजित एक प्रदर्शनी के माध्यम से श्री अन्न हितधारकों के साथ चर्चा की। प्रदर्शनी में श्री अन्न की उन्नत किस्में, श्री अन्न आधारित मूल्यवर्धित उत्पाद, प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों, नई मशीनों, नवोद्यमी नेतृत्व वाले उद्यमी मॉडलों तथा श्री अन्न की खेती, बीज उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन एवं व्यावसायिकरण के लिए विकसित प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया गया।

अवसर पर मंत्री चौहान ने अनुसंधान, नवोन्मेष, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण तथा उद्यमिता विकास मे माध्यम से श्री अन्न को बढ़ावा देने में सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया, जिसका प्रयोजन किसानों की आय बढ़ाना और ग्रामीण रोज़गार पैदा करना है। उन्होंने श्री अन्न क्षेत्र में अनुसंधान, उद्यमिता तथा किसान-केंद्रित विकास पहलों को आगे बढ़ाने में अनुसंधान संस्थान के योगदान की सराहना की।

डॉ.सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान ने श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र, जनजातीय उप-योजना, अनुसूचित जाति उप-योजना, पूर्वोत्तर पहाड़ी क्षेत्र कार्यक्रम, किसान उत्पादक संगठन प्रवर्तन पहलों तथा महर्षि कार्यक्रम संबंधी गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

आईपीएल मैच के चलते उप्पल में भारी ट्रैफिक प्रतिबंध, पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने आईपीएल मुकाबले को देखते हुए उप्पल क्षेत्र में व्यापक ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। यह मैच 22 मई को राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, उप्पल में आईपीएल 2026 के तहत सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के बीच खेला जाएगा। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार दोपहर से लेकर मध्यरात्रि तक नागोल, हबसीगुड़ा, बोडुप्पल, अंबरपेट और रामंथापुर से उप्पल जंक्शन तक भारी ट्रैफिक जाम की संभावना है।

इसी कारण इन मार्गों पर भारी वाहनों जैसे ट्रक, टिपर, निजी बस और पानी के टैंकरों के आवागमन पर प्रतिबंध और डायवर्जन लागू किए गए हैं। पुलिस ने दर्शकों से अपील की है कि वे स्टेडियम पहुंचने के लिए मेट्रो रेल और टीएसआरटीसी बसों का उपयोग करें ताकि भीड़ और ट्रैफिक दबाव को कम किया जा सके। पार्किंग के लिए पेंगुइन पार्किंग, टीजीआईएएलए पार्किंग, एनएसएल बिल्डिंग के पास खुले मैदान और मॉडर्न बेकरी क्षेत्र सहित कुल पांच स्थान निर्धारित किए गए हैं। इनमें से चार पार्किंग स्थल स्टेडियम के 500 मीटर के दायरे के बाहर आम जनता के लिए हैं, जबकि एक पार्किंग स्थल केवल वीआईपी और पास धारकों के लिए स्टेडियम परिसर के अंदर उपलब्ध रहेगा।

महिला आरक्षण पर बीजेपी प्रमुख ने सीएम रेवंत रेड्डी के बयान पर साधा निशाना

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बीजेपी अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के उस बयान पर कड़ा पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने महिला आरक्षण विधेयक पारित करने के लिए केंद्र सरकार से राजीव गांधी से प्रेरणा लेने की बात कही थी। रामचंदर राव ने कहा कि यह बयान न केवल आपत्तिजनक है बल्कि विरोधाभासी भी है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के पास 400 से अधिक सांसदों का प्रचंड बहुमत होने के बावजूद उन्होंने महिला आरक्षण विधेयक पारित करने के लिए उस जनादेश का उपयोग नहीं किया। उन्होंने आगे कहा कि उस समय कांग्रेस सरकार ने शह बानो मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने का निर्णय लिया, जिससे एक तलाकशुदा मुस्लिम महिला के भरण-पोषण के अधिकार प्रभावित हुए। उनके अनुसार, यह घटना कांग्रेस पार्टी के महिला अधिकारों को लेकर वास्तविक रुख को उजागर करती है। बीजेपी अध्यक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस ने दशकों तक महिला आरक्षण विधेयक को टालने और रोकने का काम किया। उन्होंने कहा कि ऐसे में कांग्रेस नेताओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को महिला सशक्तिकरण पर उपदेश देने का नैतिक अधिकार नहीं है।

इंस्टिट्यूट ऑफ़ को-ऑपरेटिव मैनेजमेंट राजेंद्रनगर में एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग में दीप प्रज्वलन करती डिस्ट्रिक्ट कोआपरेटिव ऑफिसर प्रसन्ना कुमारी, पीपी महेश बैंक वाईस चेयरमैन गोविन्द राठी डायरेक्टर इंचार्ज श्याम कुमार एवं अन्य।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा आरती में राजेंद्र अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, गोपाल बलदवा, विट्ठलदास अग्रवाल, प्रमोद सरायवाला, दीपक सरायवाला, अशोक लाखोटिया, विजय कुमार अग्रवाल, सेसैया पी सी जैन, विजय कुमार अग्रवाल, रामू भाई महेश कुमार डकोटिया अशोक सरायवाला राहुल सिंघल पीवीआर मूर्ति शर्मा राहुल देशपांडे विजय कुमार थंबी आरती सिंघानिया ने भाग लिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बुमराह ने पहली बार मनीष पांडे को आउट किया

चाहर ने पर्ची निकालने की एक्टिंग की, ग्रीन को रिव्यू पर विकेट मिला

कोलकाता, 21 मई (एजेंसियां)। कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2026 के 65वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 4 विकेट से हरा दिया। जसप्रीत बुमराह ने आईपीएल में पहली बार मनीष पांडे का विकेट लिया।

मनीष 2020 के बाद पहली बार मैन ऑफ द मैच बने। ईडन गार्डन्स में तिलक वर्मा ने पहली बाउंड्री लगाने के लिए 25 गेंद ली। मैच में कई इंटरेस्टिंग मोमेंट्स भी आए। दीपक चाहर ने विकेट लेने के बाद पर्ची निकालने की एक्टिंग की। वहीं बारिश की वजह से 1 घंटे तक खेल रुका रहा।

आईपीएल 2026 में पहली बाउंड्री के लिए सबसे ज्यादा गेंद खेलने का अनचाहा रिकॉर्ड तिलक वर्मा के नाम दर्ज हुआ है। तिलक ने कोलकाता के खिलाफ 25वीं गेंद पर पहली बाउंड्री लगाई। इस लिस्ट में रवींद्र जडेजा दूसरे नंबर पर हैं, जिन्होंने लखनऊ के खिलाफ 24 गेंद खेली थी।

मुंबई के खिलाफ मैच में मनीष पांडे आईपीएल में पहली बार जसप्रीत बुमराह की गेंद पर आउट हुए। उन्होंने इससे पहले बुमराह की 49 गेंद खेली थी। वह बुमराह के खिलाफ बिना आउट हुए सबसे ज्यादा गेंद खेलने वाले खिलाड़ियों में दूसरे नंबर पर हैं। इस लिस्ट में शिखर धवन पहले नंबर पर हैं, जिन्होंने बुमराह की 66 गेंद खेली थी।

मुंबई की पारी के तीसरे ओवर में कैमरन ग्रीन ने दो विकेट चटकाए। ओवर की तीसरी गेंद पर ग्रीन ने रायन रिकेल्टन (6 रन) को कवर पॉइंट पर कैच आउट कराया। मनीष पांडे ने मुश्किल हाई कैच पकड़ा। फिर आखिरी गेंद पर ग्रीन ने नमन धीर को विकेटकीपर के हाथों कैच कराया। हालांकि अंपायर ने नॉटआउट दिया, लेकिन कोलकाता ने रिव्यू लिया। रिप्ले में अल्ट्राएज में स्पाइक दिखा और थर्ड अंपायर ने नमन को आउट करार दिया।

पहली पारी के 8वें ओवर के बाद तेज बारिश शुरु हो गई। इसकी वजह से करीब 1 घंटे तक खेल रुका रहा। हालांकि बारिश रुकने के बाद ओवर में कटौती नहीं की गई और पूरा मैच खेला गया।

पहली पारी के 11वें ओवर में विकेटकीपर अंगकृष रघुवंशी की टक्कर लगने से वरुण चक्रवर्ती से कैच छूट गया। वरुण के ओवर की पांचवी गेंद पर तिलक वर्मा ने स्लॉग स्वीप खेला, लेकिन गेंद बल्ले का टॉप-एज लेकर खड़ी हो गई। वरुण ने गेंद पकड़ भी लिया था, लेकिन दौड़कर आ रहे रघुवंशी उनसे टकरा गए और कैच छूट गया। कैच ड्रॉप होने के बाद चक्रवर्ती, रघुवंशी से काफी नाराज दिखे।

मुंबई की पारी के 14वें ओवर में विकेटकीपर अंगकृष रघुवंशी मैदान से बाहर चले गए। 11वें ओवर में वरुण से हुई टक्कर के बाद रघुवंशी के उंगली में चोट लगी थी। 3 ओवर ग्राउंड पर रहने के बाद टीम के फिजियो उन्हें मैदान से बाहर ले गए। उनकी जगह तेजस्वी दहिया बतौर सब्स्टिट्यूट विकेटकीपर मैदान पर आए।

17वें ओवर में रिंकू सिंह ने सटीक थ्रो लगाकर विल जैक्स को पवेलियन भेजा। वरुण चक्रवर्ती की चौथी बॉल पर जैक्स ने कवर्स की ओर शॉट खेला और दो रन के लिए भागे। लेकिन दूसरे छोर पर खड़े कॉर्बिन बॉश ने दूसरे रन के लिए मना कर दिया और जैक्स को वापस लौटना पड़ा।

इस दौरान डीप में खड़े रिंकू सिंह ने तेजी से गेंद को फील्ड कर सटीक थ्रो फेंका, जिसे वरुण ने कलेक्ट कर गिल्लियां बिखेर दीं। रिप्ले में दिखा की जैक्स क्रीज से काफी बाहर रह गए थे।

कोलकाता की पारी के पहले ही ओवर में दीपक चाहर ने फिन एलन को आउट करने के बाद अनोखे अंदाज में जश्न मनाया। ओवर की आखिरी गेंद पर चाहर ने एलन (8 रन) को बोल्ड कर दिया। इसके बाद चाहर ने अपनी जेब से चिट निकालने की एक्टिंग करते हुए दर्शकों को दिखाया।

गुजरात की पारी के 10वें ओवर में दीपक चाहर और रॉबिन मिंज की गलतफहमी से रोवमन पॉवेल को जीवनदान मिल गया। ओवर की दूसरी गेंद हार्दिक पंड्या ने शॉर्ट डाली, जिसपर पॉवेल ने पुल शॉट खेला, लेकिन गेंद ने बल्ले का टॉप एज लिया। चाहर और मिंज दोनों खिलाड़ियों के पास कैच लेने का मौका था, लेकिन किसी ने भी कॉल नहीं किया और गेंद दोनों के बीच में गिर गई।

कोलकाता की पारी के 16वें ओवर में कॉर्बिन बॉश ने हवा में छलांग लगाते हुए बेहतरीन कैच पकड़ा। गजनफर के ओवर की दूसरी गेंद को रोवमन पॉवेल ने बैकवर्ड पॉइंट पर कट शॉट खेला। वहां तैनात कॉर्बिन बॉश ने छलांग लगाकर जबरदस्त कैच लपका। इसे देखकर बल्लेबाज पॉवेल भी हैरान रह गए।

पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहम्मद आमिर ब्रिटिश नागरिक बने

आईपीएल से मंजूरी मिलने पर ऑक्शन में करा सकते हैं रजिस्ट्रेशन

आमिर का इंटरनेशनल करियर

फॉर्मेट	मैच	विकेट	इकोनॉमी
टेस्ट	36	119	2.85
वनडे	61	81	4.77
टी-20	62	71	7.07

लंदन, 21 मई (एजेंसियां)। पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर को ब्रिटिश नागरिकता मिल गई है। उनकी पत्नी नरजिस खान ब्रिटिश नागरिक हैं और इसी आधार पर उन्होंने कुछ साल पहले नागरिकता के लिए आवेदन किया था। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें यूके पासपोर्ट जारी कर दिया गया। हालांकि, वह IPL में खेल पाएंगे या नहीं, इसे लेकर संशय है। आमिर ने 2020 में संन्यास लिया था, फिर 2024 में वापसी की थी। लेकिन 2024 टी-20 वर्ल्ड कप के बाद टीम से ड्रॉप होने पर फिर संन्यास ले लिया। उन्होंने आखिरी टी-20 मैच 2024 वर्ल्ड कप में आयरलैंड के खिलाफ खेला था।

आमिर पाकिस्तान के लिए 36 टेस्ट, 61 वनडे और 62 टी-20 मैच खेल चुके हैं। वह 2017 चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने वाली पाकिस्तानी टीम का हिस्सा थे। फाइनल में उन्होंने रोहित शर्मा, विराट कोहली और शिखर धवन जैसे भारतीय बल्लेबाजों के विकेट लेकर मैच का रुख पलट दिया था।

पाकिस्तानी खिलाड़ी 2008 के पहले आईपीएल सीजन के बाद से टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं बने हैं। हालांकि, पाकिस्तान में जन्मे अजहर महमूद बाद में आईपीएल खेलने वाले इकलौते खिलाड़ी रहे। ब्रिटिश पासपोर्ट मिलने के बाद उन्होंने इंग्लैंड खिलाड़ी के तौर पर 2012 से 2015 के बीच आईपीएल में 23 मैच खेले थे। अब आमिर की तुलना उनसे की जा रही है।

आईपीएल नियमों के तहत मंजूरी मिलने पर वह ब्रिटिश नागरिकता के आधार पर विदेशी खिलाड़ी कैटेगरी में ऑक्शन के लिए रजिस्टर कर सकते हैं। हालांकि, आईपीएल में खेलना इस पर निर्भर करेगा कि कोई फ्रेंचाइजी उन्हें खरीदती है या नहीं। हालांकि, इंग्लैंड में घरेलू खिलाड़ी का दर्जा पाने के नियम अलग हैं। काउंटी क्रिकेट के मुताबिक सिर्फ ब्रिटिश नागरिक होना काफी नहीं है। खिलाड़ी ने पिछले 12 महीनों में इंग्लैंड के बाहर किसी फुल मेंबर देश के लिए प्रोफेशनल क्रिकेट नहीं खेला होना चाहिए।

यहीं आमिर का मामला उलझता नजर आता है, क्योंकि उन्होंने हाल ही में पाकिस्तान सुपर लीग में रावलपिंडी के लिए घरेलू खिलाड़ी के तौर पर खेला था। ऐसे में सिर्फ UK पासपोर्ट मिलने से उन्हें तुरंत इंग्लैंड में लोकल खिलाड़ी का दर्जा नहीं मिलेगा।

डोपिंग पर और सख्ती की तैयारी

दोषियों को हो सकती है पांच साल की जेल

देशभर में मनाया जाएगा कॉमनवेल्थ गेम्स डे

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार खेलों में डोपिंग के खिलाफ अब और सख्त रुख अपनाने जा रही है। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने गुरुवार को कहा कि राष्ट्रीय एंटी डोपिंग अधिनियम में संशोधन कर डोपिंग से जुड़े प्रतिबंधित पदार्थों की तस्करी और सप्लाई को अपराध बनाया जाएगा।

प्रस्तावित संशोधन के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति किसी खिलाड़ी को डोपिंग के उद्देश्य से प्रतिबंधित पदार्थ देता है या उसका इस्तेमाल कराता है, तो उसे पांच साल तक की जेल, दो लाख रुपये तक का जुर्माना या दोनों सजा हो सकती है। खेल मंत्रालय ने इस संशोधन का मसौदा अपनी वेबसाइट पर सार्वजनिक सुझावों के लिए अपलोड कर दिया है। सरकार इसे संसद के अगले सत्र में पेश करने की तैयारी कर रही है।

मनसुख मांडविया ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'डोपिंग अब सिर्फ खेलों के नियमों का उल्लंघन नहीं रह गया है, बल्कि यह खिलाड़ियों का शोषण करने वाला एक संगठित तंत्र बन चुका है।' उन्होंने आगे कहा, 'हम अब तक सिर्फ सेवन करने वालों को सजा देते हैं, लेकिन सप्लाई करने वालों पर भी कार्रवाई जरूरी है।' सरकार का मानना है कि इस कानून से खिलाड़ियों को डोपिंग नेटवर्क से बचाने में मदद मिलेगी और खेलों में पारदर्शिता बढ़ेगी।

इसी बीच खेल मंत्रालय ने 24 मई 2026 को देशभर में कॉमनवेल्थ गेम्स डे बड़े स्तर पर मनाने की घोषणा की है। इस अवसर पर 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' के 75वें संस्करण का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम देशभर के 8,000 से अधिक स्थानों पर आयोजित होगा। इसका उद्देश्य फिटनेस, खेल भावना, एकता और राष्ट्रीय गौरव को बढ़ावा देना है। मुख्य आयोजन अहमदाबाद में होगा, जहां मंसुख मांडविया के साथ गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी भी हिस्सा लेंगे। सरकार का कहना है कि इस पहल के जरिए लोगों को फिटनेस के प्रति जागरूक करने और खेल संस्कृति को मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा।

हार्दिक पंड्या पर हुई कार्रवाई, बीसीसीआई ने लिया एक्शन

मैच के दौरान विकेट की बेल्स को गिराकर आक्रोश जताया था

मुंबई, 21 मई (एजेंसियां)। हार्दिक पंड्या पर दोहरी मार पड़ी है. टीम की हार के बाद उन्हें बीसीसीआई के लगाए जुर्माने का भी शिकार होना पड़ा है. पंड्या पर ये जुर्माना मैच के दौरान विकेट की बेल्स को गिराकर आक्रोश जताने के चलते लगा है.

कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मुकाबले में मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या को दोहरी मार का सामना करना पड़ा है. उनकी कप्तानी में टीम को तो हार मिली ही. उसके अलावा मैच के दौरान की एक बड़ी गलती के चलते उन्हें बीसीसीआई की कार्रवाई भी झेलनी पड़ी.

मुंबई इंडियंस के कप्तान पर बीसीसीआई ने सजा के तौर पर जुर्माना लगाया है, जिसके तहत उनकी मैच फीस में 10 प्रतिशत की कटौती की गई है.

अब सवाल है कि हार्दिक पंड्या से गलती हुई कब और उन पर कितना जुर्माना लगा?

हार्दिक पंड्या पर हुई कार्रवाई से जुड़ा मामला कोलकाता नाइट राइडर्स की इनिंग के 10वें ओवर का है. इस ओवर की चौथी गेंद पर अपने रन-अप की ओर लौटते हुए हार्दिक पंड्या ने विकेट पर लगी बेल्स को गिराकर अपना आक्रोश जताया था. हार्दिक पंड्या पर इसी गलती के लिए जुर्माना लगा है.

मैच के दौरान अपनी हरकत के लिए हार्दिक पंड्या आईपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट की धारा 2.2 के तहत दोषी पाए गए हैं.

उन्होंने मैच रेफरी राजीव सेठ के सामने अपनी गलती स्वीकार की, जिसके बाद इस मामले में अब आगे किसी कार्रवाई की जरूरत नहीं है.

कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ हार्दिक पंड्या अपनी टीम के दूसरे टॉप स्कोरर रहे. हालांकि, उनकी इनिंग बेहद धीमी रही. उन्होंने 27 गेंदों का सामना कर सिर्फ 26 रन बनाए, जिसमें 1 छक्का और 2 चौके शामिल रहे. पंड्या ने केकेआर के खिलाफ 2 ओवर में 13 रन दिए और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला.

कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ हार्दिक पंड्या ने बीसीसीआई 2026 में अपना 9वां मैच खेला.

इन 9 मुकाबलों में उनकी कप्तानी में मुंबई इंडियंस को सिर्फ 2 में ही जीत मिल सकी. इन 9 मैचों में हार्दिक पंड्या के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने 172 रन बनाने के अलावा गेंद से 4 विकेट चटकाए हैं.

भारतीय हॉकी के 'गुरु' को बड़ा सम्मान

बलदेव सिंह को मिलेगा पद्मश्री

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। बलदेव सिंह को भारतीय हॉकी में चार दशक से अधिक के योगदान के लिए पद्मश्री सम्मान से नवाजा जाएगा। शाहाबाद मारकंडा को हॉकी प्रतिभाओं की नर्सरी बनाने वाले बलदेव सिंह ने 80 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और कई भारतीय कप्तान तैयार किए हैं।

75 वर्षीय बलदेव सिंह ने हरियाणा के शाहाबाद मारकंडा को देश की प्रमुख हॉकी प्रतिभाओं के केंद्र के रूप में स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। वह वर्ष 1982 में हरियाणा खेल विभाग में कोच के रूप में शाहाबाद पहुंचे थे और चार वर्षों तक वहां सेवाएं दीं। इसके बाद 1993 में उन्होंने दोबारा वापसी की और हॉकी अकादमी को राष्ट्रीय स्तर की प्रतिभाओं का बड़ा केंद्र बना दिया।

बलदेव सिंह ने अपने करियर की शुरुआत नमधारी हॉकी टीम, भैणी साहिब से की थी। उन्होंने शुरुआती दौर में बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनआईएस) से हॉकी कोचिंग में डिप्लोमा प्राप्त किया। अपने चार दशक लंबे करियर में उन्होंने 80 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों और आठ भारतीय कप्तानों को प्रशिक्षित किया।

उन्होंने भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच और चयनकर्ता के रूप में भी काम किया। वर्ष 1996 में मद्रास में आयोजित चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली भारतीय टीम के सहायक कोच रहे। बाद में उन्हें भारतीय सीनियर हॉकी टीम का मुख्य कोच बनाया गया।

साल 2001 से 2004 तक बलदेव सिंह भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कोच रहे।

इस दौरान उन्होंने नीदरलैंड्स के एम्सटेलवीन में आयोजित चैंपियंस ट्रॉफी में टीम का मार्गदर्शन किया। उनके नेतृत्व में भारत ने 2004 एशिया कप में स्वर्ण पदक जीता।

बलदेव सिंह ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब वर्ल्ड यूनिवर्सिटी, खालसा कॉलेज सहित कई संस्थानों में हॉकी कोच के रूप में सेवाएं दीं। इसके अलावा, केंद्र सरकार द्वारा गठित ओलंपिक टास्क फोर्स के सदस्य के रूप में उन्होंने 2020 टोक्यो, 2024 पेरिस और 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक की तैयारी के लिए रोडमैप तैयार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

टेनिस स्टार्स पर ब्रांड्स की होड़: रिकॉर्ड तोड़ भीड़ वाले खेल को मिला ग्लैमर का तड़का; कोर्ट बना फैशन का नया रनवे

न्यूयॉर्क, 21 मई (एजेंसियां)। दुनिया की नंबर-1 महिला टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका जब इटैलियन ओपन टूर्नामेंट के दौरान हाथ में नई लॉन्च हुई गुच्ची पापरात्सो बैग लेकर कोर्ट पर उतरीं, तो साफ हो गया कि लग्जरी फैशन अब टेनिस जगत में भी गहराई से उतर चुका है। गुच्ची ने जनवरी में सबालेंका को ब्रांड एंबेसडर बनाया था। इससे पहले वह जुलाई 2022 में पुरुषों के नंबर-1 खिलाड़ी यानिक सिनर को साइन कर चुका है।

इसके बाद कई लग्जरी ब्रांड्स टेनिस खिलाड़ियों के साथ जुड़ गए। लुई वीटन ने स्पेन के टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज को साइन किया। डियोर ने चीन की झेंग छिनवेन को जोड़ा। बरबरी ने ब्रिटेन के जैक ड्रेपर को लिया। मियू मियू ने कोको गॉफ और न्यू बैलेंस के साथ टेनिस कलेक्शन बनाया और फिर बाद में गॉफ को साइन भी कर लिया। बोटेगा वेनेटा ने इटली के लोरेंजो मुसेत्ती को जोड़ा।

अमेरिकी टेनिस संघ यूएसटीए के आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका में 2025 में टेनिस खेलने वालों की संख्या 16 लाख बढ़ी। 2019 के मुकाबले यह 54% ज्यादा है। टेनिस चैनल ने इस साल इंडियन वेल्स में अब तक की सबसे ज्यादा व्यूअरशिप देखी, इसमें 39% बढ़ोतरी हुई। सब्सक्रिप्शन साइन-अप्स भी पिछले साल के मुकाबले 150% बढ़े हैं। ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट्स में भीड़ बढ़ी है।

लग्जरी ब्रांड्स अब खिलाड़ियों के अलावा टेनिस के पूरे माहौल पर ध्यान दे रहे हैं। मैचों में खिलाड़ियों की पत्नियां, परिवार, प्रेमिकाएं और सोशल मीडिया प्रभावशालियों की मौजूदगी बहुत बढ़ गई है।

रचनात्मक रणनीति एजेंसी 'एफआरएम' के मुताबिक, अब इन महिलाओं की पहचान बदल चुकी है। इंटरनेट पर इनका खुद का एक स्वतंत्र मुकाम है।

गुच्ची का कहना है कि टेनिस एक्सक्लूसिव जरूर हो सकता है, लेकिन इसकी ग्लोबल अपील है। विंबलडन, मियामी और यूएस ओपन जैसे टूर्नामेंट अलग तरह के दर्शकों को खींचते हैं। ब्रांड्स समझ चुके हैं कि ग्रोथ के लिए उन्हें सिर्फ अल्ट्रा-रिच तक सीमित नहीं रहना है। टेनिस उन्हें अमीर खरीदारों और युवा फैंस, दोनों तक पहुंचने का मौका देता है।

ट्राई सीरीज के लिए बीसीसीआई ने अचानक बदल दिया इंडिया का स्क्वाड, केकेआर के अनुकूल रॉय को मिली जगह

मुंबई, 21 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 खत्म होने के बाद इंडिया ए की टीम को श्रीलंका और अफगानिस्तान के खिलाफ ट्राई सीरीज खेलनी है. इस सीरीज के लिए बीसीसीआई की तरफ से इंडिया ए की टीम का ऐलान भी कर दिया गया है लेकिन अब अचानक इसमें एक बड़ा बदलाव किया गया है. इस दौरे के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स के स्टार खिलाड़ी अनुकूल रॉय को शामिल किया गया है. उन्होंने ऑलराउंडर हर्ष दुबे को रिप्लेस किया है. हर्ष अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए सीनियर टीम इंडिया का हिस्सा हैं ऐसे में वो इस ट्राई सीरीज में नहीं खेल पाएंगे. इसी के चलते बोर्ड को ये कदम उठाना पड़ा है.

आईपीएल 2026 में हर्ष दुबे सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेल रहे हैं. अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली टेस्ट और वनडे सीरीज के लिए उनका चयन हो गया है. उन्हें घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है.

आईपीएल में सट्टेबाजी का बड़ा जाल: 1200 से ज्यादा फर्जी वेबसाइट एक्टिव

देहरादून, 21 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के दौरान ऑनलाइन सट्टेबाजी का नेटवर्क तेजी से फैलता नजर आ रहा है। साइबर सुरक्षा से जुड़ी एक फर्म की रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि 1200 से ज्यादा डोमेन के जरिये अवैध सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म चलाये जा रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ उत्तराखंड के रुद्रपुर में पुलिस ने आईपीएल मैचों पर ऑनलाइन सट्टा संचालित करने वाले एक कथित बुकी को गिरफ्तार किया।

साइबर अपराधी अब एआई आधारित डीपफेक तकनीक का इस्तेमाल कर लोगों को जाल में फंसा रहे हैं। भारतीय क्रिकेटरों और लोकप्रिय कंटेंट क्रिएटर्स के चेहरे और आवाज की नकल कर फर्जी प्रमोशनल वीडियो बनाए जा रहे हैं। इन वीडियो को इंस्टाग्राम रील्स और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर तेजी से फैलाया जाता है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को सट्टेबाजी मंचों तक पहुंचाया जा सके।

उत्तराखंड में दिल्ली का सटोरिया गिरफ्तार

आईपीएल सीजन के दौरान 1200 से अधिक डोमेन अवैध सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म का प्रचार करते पाए गए। जांच के दौरान एक एडमिन पैनल तक पहुंचने पर पता चला कि एक ही सिस्टम से 25 से ज्यादा बेटिंग वेबसाइट संचालित की जा रही थीं।

क्लाउडसेक ने यह भी दावा किया कि मई 2025 से मई 2026 के बीच सिर्फ एक प्लेटफॉर्म पर 9300 से ज्यादा यूजर्स के पैसे निकालने के अनुरोध जानबूझकर खारिज किये गये, जिससे करीब 4.65 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि कई सरकारी वेबसाइटों को हैक कर उनमें अवैध सट्टेबाजी लिंक जोड़ दिये गए ताकि सरकारी वेबसाइट की विश्वसनीयता का फायदा उठाकर लोगों को गुमराह किया जा सके।

इसी बीच उत्तराखंड के रुद्रपुर में पुलिस ने आईपीएल मैचों पर ऑनलाइन सट्टा लगाने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी दिल्ली का रहने वाला है और सुनसान इलाके में कार में बैठकर ऑनलाइन सट्टेबाजी संचालित कर रहा था।

33% महिला आरक्षण के लिए विशेष संसद सत्र बुलाया जाए : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने केंद्र सरकार से मांग की है कि विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू करने के लिए संसद का विशेष सत्र तुरंत बुलाया जाए। मुख्यमंत्री ने सचिवालय में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि इंडिया अलायंस संसद में महिला आरक्षण विधेयक का समर्थन करने के लिए तैयार है।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि महिला आरक्षण को लागू करने की प्रेरणा राजीव गांधी की सोच से मिलती है, जिन्होंने स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण की शुरुआत कर राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया था। उन्होंने यह भी कहा कि महिला आरक्षण विधेयक को राजनीति का मुद्दा नहीं बनाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने राजीव गांधी को एक दूरदर्शी नेता बताते हुए कहा कि उन्होंने देश में सूचना प्रौद्योगिकी की नींव रखकर भारत को वैश्विक पहचान दिलाई। मुख्यमंत्री ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी का भी उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने अलग तेलंगाना राज्य के गठन में साहसिक निर्णय लिया था। उन्होंने कहा कि तेलंगाना और गांधी परिवार के बीच गहरा भावनात्मक संबंध है और यह संबंध आने वाले समय में भी मजबूत बना रहेगा।

इसी क्रम में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर टैंक बंड स्थित प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित कि गई । इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ मंत्री पोन्नम प्रभाकर, सरकारी सलाहकार वी. हनुमंत राव, सांसद, विधायक, एमएलसी और नगर निगम अध्यक्षों ने भी राजीव गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

नकली कपास बीज बेचने का भंडाफोड़, 4 गिरफ्तार

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरि पुलिस ने गुरुवार को नकली कपास के बीजों की अवैध बिक्री के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से 600 किलोग्राम बीज जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में चालिवेंदुला राजा राम (42), गोसा स्वामी दासू (48), अनुमुला मल्लेश्वरैया (28) और कंडाला चिन्ना ओबुलेसु (45) शामिल हैं, जो आंध्र प्रदेश के नंदयाला जिले के निवासी हैं। जांच में पता चला है कि स्पेशल ऑपरेशंस टीम (एलबी नगर), कृषि विभाग और हयातनगर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में आरोपियों को उस समय पकड़ा गया जब वे प्रतिबंधित बीटी-3 कपास बीजों को नंदयाल से हयातनगर ले जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि आरोपी राम मोहन रेड्डी के साथ मिलकर नकली बीजों को तेलंगाना में अवैध रूप से बेचकर लाभ कमा रहे थे।

सौर ऊर्जा भंडारण से सिंगरेनी को बड़ा लाभ

बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम सफल

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (सरकारी संस्था) में राज्य सरकार के निर्देश पर स्थापित बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम सफलतापूर्वक परिणाम दे रहा है।

इस प्रणाली के माध्यम से दिन के समय उत्पादित सौर ऊर्जा में से स्थानीय उपयोग के बाद बची बिजली को ग्रिड में मुफ्त देने के बजाय बैटरी में संग्रहीत किया जा रहा है, जिससे आवश्यकता पड़ने पर उसका उपयोग कर आर्थिक लाभ प्राप्त किया जा रहा है।

मंदमरी क्षेत्र स्थित 28 मेगावाट क्षमता वाले सौर संयंत्र के साथ चार महीने पहले 1 मेगावाट क्षमता का बीईएसएस सिस्टम स्थापित किया गया था। इसके लिए कंपनी ने लगभग 2.5 करोड़ रुपये का निवेश किया। जनवरी से अब तक इस प्रणाली के माध्यम से 3,35,485 यूनिट अतिरिक्त बिजली संग्रहित कर उपयोग में ली गई, जिससे सिंगरेणी को लगभग 25.66 लाख रुपये की बचत हुई है। सिंगरेणी कंपनी पहले से ही 8 स्थानों पर कुल 245.5 मेगावाट क्षमता के सौर संयंत्र संचालित कर रही है। इनमें से 147 मेगावाट के संयंत्र ओपन एक्सेस मॉडल पर और 98.5 मेगावाट के संयंत्र इन-हाउस रूप में तेलंगाना विद्युत ग्रिड से जुड़े हुए हैं। इन इन-हाउस संयंत्रों में स्थानीय उपयोग के बाद बची बिजली का कोई भुगतान डिस्कॉम द्वारा नहीं किया जाता और इसे मुफ्त में ग्रिड को देना पड़ता है। इसी समस्या के समाधान के लिए राज्य सरकार के निर्देश पर यह बीईएसएस परियोजना शुरू की गई, जो अब सफल साबित हो रही है। सिंगरेनी प्रबंधन ने इस उपलब्धि पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा है कि नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए भविष्य में ऐसे और प्रोजेक्ट्स शुरू किए जाएंगे।

कल्याण निधि से 21 पत्रकारों को आर्थिक सहायता मंजूर

> तेलंगाना मीडिया अकादमी मदद के लिए आगे आई

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना मीडिया अकादमी के अध्यक्ष के. श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि पत्रकारों के कल्याण निधि से कुल 21 पत्रकारों को आर्थिक सहायता मंजूर की गई है। यह निर्णय गुरुवार को नामपल्ली स्थित तेलंगाना मीडिया अकादमी कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित पत्रकार कल्याण निधि समिति की 5वीं बैठक में लिया गया।

बैठक की अध्यक्षता के. शीनिवास रेड्डी ने की। इस दौरान प्राप्त कुल 29 आवेदनों की समिति सदस्यों द्वारा समीक्षा की गई और पात्र मामलों पर निर्णय लिया गया। समिति ने 17 दिवंगत पत्रकारों के परिवारों को आर्थिक सहायता देने के साथ-साथ गंभीर दुर्घटनाओं का शिकार हुए तथा लंबे समय से बीमार चल रहे 4 पत्रकारों को भी सहायता मंजूर की है। निर्णय के अनुसार प्रत्येक दिवंगत पत्रकार के परिवार को एक लाख रुपये की एकमुश्त आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। इसके अलावा इन परिवारों को पाँच वर्षों तक प्रति माह तीन हजार रुपये की पेंशन दी जाएगी। साथ ही दिवंगत पत्रकारों के परिवारों में एलकेजी से लेकर दसवीं कक्षा तक अध्ययनरत दो बच्चों को प्रति माह एक-एक हजार रुपये ट्यूशन फीस के रूप में सहायता दी जाएगी। इसके अलावा गंभीर रूप से बीमार 4 कार्यरत पत्रकारों को भी पत्रकार कल्याण निधि से आर्थिक सहायता देने का निर्णय लिया गया है।

बैठक में सूचना विभाग के संयुक्त निदेशक डी.एस. जगन, मीडिया अकादमी सचिव नागुलपल्ली वेंकटेश्वर राव, अकाउंट्स ऑफिसर पूरण चंद्र राव, मैनेजर डी.आर.एस. शैलेश्वर रेड्डी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। यह जानकारी तेलंगाना मीडिया अकादमी के सचिव द्वारा जारी की गई।

इलेक्ट्रिक कार बेकाबू कई वाहन टकराए

लापरवाही से ड्राइविंग का मामला दर्ज, चालक फरार

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कूकटपल्ली रोड पर गुरुवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया, जब एक इलेक्ट्रिक कार चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और कई वाहनों को टक्कर मार दी। इस घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार यह हादसा सुबह करीब 10:30 बजे विवेकानंद नगर आर्च के पास ऑलविन कॉलोनी रोड की ओर हुआ। पुलिस ने बताया कि कार बेकाबू होकर एक के बाद एक कई वाहनों से टकराई और अंत में सड़क किनारे स्थित एक टिफिन सेंटर से जाकर टकरा गई।

मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला को सुरक्षित बचाकर परिवार से मिलाया

गोशामहल पुलिस की मानवीय पहल की हो रही है सराहना

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल पुलिस स्टेशन के स्टाफ ने मानवीय संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई का उदाहरण पेश करते हुए एक मानसिक रूप से अस्वस्थ और असुरक्षित स्थिति में भटक रही अज्ञात महिला को सुरक्षित बचाकर कुछ ही घंटों में उसके परिवार से मिला दिया। घटना बीती शाम लगभग 5:50 बजे की है, जब उपनिरीक्षक लक्ष्मय्या को जोशीवाड़ी क्षेत्र में एक महिला के बिना कपड़ों के भटकने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही महिला पुलिस कांस्टेबल विमला और दिव्या तथा होमगार्ड रेवनास्वामी मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने स्थानीय लोगों से साड़ी लेकर महिला को सम्मानपूर्वक पहनाया और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की।

महिला मानसिक रूप से अस्वस्थ थी और अपना नाम या पता बताने में असमर्थ थी। प्रारंभिक जांच के बाद उसे सुरक्षित रूप से गोषामहल पुलिस स्टेशन लाया गया। उसके पास मौजूद सोने की चेन सहित अन्य सामान भी पुलिस ने सुरक्षित रखा और उसकी पहचान के लिए विभिन्न माध्यमों से फोटो प्रसारित की गई। पुलिस निरीक्षक बी. श्रवण कुमार गोशामहल पुलिस स्टेशन, गोलकुंडा ज़ोन ने बताया कि इसी दौरान होमगार्ड रेवनास्वामी ने उस्मानिया जनरल अस्पताल जाकर लापता मरीजों के बारे में जानकारी जुटाई, जहां से पता चला कि इसी विवरण की एक महिला अस्पताल से लापता हुई थी। तत्पश्चात महिला के पुत्र को पुलिस स्टेशन बुलाया गया और सभी औपचारिकताओं की पुष्टि के बाद महिला को सुरक्षित रूप से उसके बेटे के सुपुर्द कर दिया गया। गोशामहल पुलिस की इस त्वरित और मानवीय कार्रवाई की वरिष्ठ अधिकारियों और स्थानीय लोगों ने सराहना की है।

कारों से भरे कंटेनर में लगी आग, 8 नई कारें जलकर खाक

मेदक, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को टूप्रान के पास एनएच-44 पर एक बड़ा हादसा हो गया, जब कारों से भरे एक कंटेनर में अचानक आग लग गई।

इस घटना में कंटेनर में लदी आठ नई कारें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। जानकारी के अनुसार, कंटेनर के इंजन में तकनीकी खराबी आने के कारण आग लगी। चालक और उसका सहायक समय रहते वाहन को सड़क किनारे रोककर सुरक्षित बाहर निकल गए, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। घटना की सूचना तुरंत दमकल विभाग को दी गई, लेकिन आग इतनी तेजी से फैली कि पूरे कंटेनर को अपनी चपेट में ले लिया। दमकल टीम के पहुंचने से पहले ही सभी कारें जलकर राख हो चुकी थीं। हादसे के कारण एनएच-44 पर एक तरफ का यातायात कुछ समय के लिए बाधित रहा, जिसे बाद में नियंत्रित कर सामान्य कर दिया गया।

आधुनिक भारत के निर्माता राजीव गांधी को कांग्रेस नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

सरकारी मातृ एवं शिशु अस्पताल में मरीजों को फल वितरित

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न राजीव गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर संगारेड्डी में कांग्रेस नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस दौरान तेलंगाना स्टेट इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन (टीजीआईआईसी) की चेयरपर्सन निर्मला जग्गा रेड्डी ने शहर के राजीव पार्क में स्थित राजीव गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उपस्थित रहे और राजीव गांधी के योगदान को याद किया। निर्मला जग्गा रेड्डी ने कहा कि राजीव गांधी ने आधुनिक भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने युवाओं के लिए अवसर बढ़ाने, सूचना प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहन देने और तकनीकी विकास की नींव रखने में ऐतिहासिक योगदान दिया। उन्होंने कहा कि देश की एकता और सामाजिक समानता के लिए उनके प्रयास हमेशा प्रेरणादायक रहेंगे। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद निर्मला जग्गा रेड्डी ने संगारेड्डी सरकारी मातृ एवं शिशु अस्पताल का दौरा किया और मरीजों को फल वितरित किए।

उन्होंने मरीजों से बातचीत कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और उन्हें प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम में टीपीसीसी महासचिव तोपाज़ी अनंत किशन, संगारेड्डी नगरपालिका चेयरपर्सन कूना वनिता संतोष, सीडीसी चेयरमैन गडिला राम रेड्डी, संगारेड्डी टाउन अध्यक्ष किरण गौड़, कूना संतोष, प्रभु गौड़, काउंसलर तोपाज़ी वीणा हरीश सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता, महिला और युवा मोर्चा प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

गोदावरी-कावेरी परियोजना पर बीआरएस का विरोध

तेलंगाना के जल अधिकारों से समझौता न करने की चेतावनी

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री एस. निरंजन रेड्डी ने गोदावरी-कावेरी नदी जोड़ो परियोजना को लेकर कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने तेलंगाना के जल अधिकारों का आधिकारिक निर्धारण होने से पहले ही इस परियोजना को मंजूरी देकर राज्य के हितों से समझौता किया है। निरंजन रेड्डी ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में गोदावरी-कावेरी नहर परियोजना को सहमति देना तेलंगाना के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। उन्होंने मांग की कि आंध्र प्रदेश सरकार पहले लिखित समझौते के तहत कृष्णा नदी के जल में अपने हिस्से को औपचारिक रूप से छोड़े। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कृष्णा और गोदावरी नदियों के जल में तेलंगाना के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता किया गया तो बीआरएस राज्यव्यापी जन आंदोलन शुरू करेगी। पूर्व मंत्री ने दावा किया कि यह परियोजना आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम 2014 और तेलंगाना के वैध जल दावों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि नागार्जुन सागर जलाशय के उपयोग और अन्य परियोजनाओं को जोड़ने से राज्य में बाढ़ नियंत्रण व्यवस्था भी प्रभावित हो सकती है। निरंजन रेड्डी ने कांग्रेस और भाजपा दोनों पर तेलंगाना के हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि तेलंगाना आंदोलन जल, धन और रोजगार के सिद्धांतों पर आधारित था, लेकिन मौजूदा सरकार इन सिद्धांतों के साथ विश्वासघात कर रही है।

मानसिक रूप से बीमार व बेसहारा छह लोगों को मिला ठिकाना

इनके साथ कोई परिजन या संरक्षक भी मौजूद नहीं था

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। चिलकलगुडा पुलिस और गांधी अस्पताल प्रबंधन के संयुक्त प्रयास से छह मानसिक रूप से अस्वस्थ और बेसहारा व्यक्तियों को सुरक्षित रूप से एक विशेष देखभाल केंद्र में स्थानांतरित किया गया है। जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से गांधी अस्पताल में उपचाराधीन ये छह व्यक्ति मानसिक रूप से अस्थिर पाए गए थे और स्वयं की देखभाल करने में असमर्थ थे। इनके साथ कोई परिजन या संरक्षक भी मौजूद नहीं था। उनकी स्थिति को देखते हुए उन्हें याप्रल स्थित सेकंड चांस मिशन हॉस्पिटल में स्थानांतरित किया गया। इनमें से एक महिला को उनके बड़े भाई की सहमति और औपचारिक अनुमति के बाद स्थानांतरित किया गया।

पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि यदि किसी को शेष पांच व्यक्तियों की पहचान हो, तो वे तुरंत चिलकलगुडा पुलिस स्टेशन से संपर्क करें, ताकि उन्हें उनके परिवारों से मिलाया जा सके। इस पूरे अभियान में गांधी अस्पताल की अधीक्षक डॉ. वी. वाणी, डॉ. नवीन, चिलकलगुडा एसीपी के. शशांक रेड्डी, चिलकलगुडा एसएचओ रामकृष्ण, सेकंड चांस हॉस्पिटल के समन्वयक मेल्विन, पुलिस कांस्टेबल पूसा श्रीनिवास सहित अन्य मेडिकल और पुलिस स्टाफ ने भाग लिया। चिलकलगुडा पुलिस ने कहा कि विभाग समाज के कमजोर और असहाय वर्गों की सुरक्षा, सम्मान और उचित देखभाल सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। यह जानकारी एसीपी के. शशांक रेड्डी, चिलकलगुडा डिवीजन द्वारा जारी की गई।

चारमीनार के पास सरदार महल में जल्द खुलेगा कैफे

ऐतिहासिक इमारत में पर्यटकों को मिलेगा शाही अनुभव

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के ऐतिहासिक चारमीनार के पास स्थित सरदार महल को जल्द ही नए स्वरूप में जनता के लिए खोला जाएगा। इस विरासत इमारत के जीर्णोद्धार का काम लगभग पूरा हो चुका है और आने वाले कुछ महीनों में यहां पर्यटक चाय और पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लेते हुए चारमीनार का खूबसूरत नजारा देख सकेंगे। कुली कुतुब शाह शहरी विकास प्राधिकरण (क्यूक्यूएसयूडीए) की देखरेख में चल रहे इस प्रोजेक्ट पर करीब 30 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इमारत में राजस्थान के नीमराना फोर्ट पैलेस की तर्ज पर आर्ट गैलरी, कैफे, सांस्कृतिक केंद्र, आर्ट स्टूडियो और पारंपरिक ठहरने की व्यवस्था विकसित की जा रही है।

अधिकारियों के अनुसार, विभिन्न आतिथ्य समूहों से परिसर के संचालन के लिए रुचि पत्र मांगे गए हैं और अगले दो महीनों में कार्य पूरा होने की उम्मीद है। इसके बाद सरदार महल को आम लोगों और पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा। इतिहासकारों के मुताबिक, सरदार महल का निर्माण वर्ष 1900 में निजाम VI मीर महबूब अली खान ने अपनी पत्नी सरदार बेगम के लिए कराया था। हालांकि सरदार बेगम ने इस महल में रहने से इनकार कर दिया था, लेकिन महल का नाम उन्हीं के नाम पर रखा गया। बाद में इस इमारत को विरासत भवन घोषित किया गया और वर्ष 1965 में जीएचएमसी ने इसका अधिग्रहण कर लिया था।

अल्पसंख्यक टॉपर्स को सम्मानित करेगी तेलंगाना सरकार : मो. अली शब्बीर

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने राज्य स्तरीय परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अल्पसंख्यक छात्रों को सम्मानित करने की योजना बनाई है। सरकारी सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने बताया कि टीजी-ईएपीसीईटी और इंटरमीडिएट परीक्षाओं में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले अल्पसंख्यक छात्रों को राज्य सरकार द्वारा सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि 2 जून के बाद अल्पसंख्यक टॉपर्स के साथ एक विशेष बैठक आयोजित की जाए, जिसमें छात्रों को लैपटॉप और अध्ययन सामग्री प्रदान किए जाने की संभावना है। सचिवालय में टीजी-ईएपीसीईटी कृषि एवं फार्मेसी स्ट्रीम टॉपर मुक्काराम अहमद से मुलाकात के बाद शब्बीर अली ने बताया कि उन्होंने लगभग 80,000 उम्मीदवारों में 150.17 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया है। उन्होंने इसे अल्पसंख्यक समुदाय में बढ़ती शैक्षिक जागरूकता का संकेत बताया। सरकार की विभिन्न योजनाएं जैसे बीसी-ई आरक्षण, शुल्क प्रतिपूर्ति और पेशेवर शिक्षा तक पहुंच ने छात्रों को आगे बढ़ने में मदद की है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.